हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

7 मार्च, 2002

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

वीरवार, 7 मार्च, 2002

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	4(1)
वाक आउट	4(1)
तारांकित प्रश्न एव उत्तर (पुनरारम्भ)	4(2)
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये	4(17)

ताराकित प्रश्नो के लिखित उत्तर	
अताराकित प्रश्न एवं उत्तर	4(19)
अभिकथित विशेषाधिकार भग की सूचना	4 (32)
ध्यानाकर्षण सूचना–	4(33)
हाल ही मे औलो, बेमौसमी वर्षा तथा धूंध के कारण चना, सरसों तथा तलहन की फसलो की भारी क्षति सबधी वक्तव्य–	4(33)
ग्राम तथा नगर आयोजना मंत्री द्वारा उपरोक्त	
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सबंधी	
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	4(37)
वैयक्तिक स्पष्टीकरण–	4 (47)
(1) श्री मलिक चन्द गम्भीर द्वारा	4 (47)
(2) श्री कृष्णपाल गुर्जर द्वारा	4 (47)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	
बैठक का समय बढ़ाना	4 (76)
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्म)	4 (77)

अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचनाएं	4 (84)
(1) श्री जय प्रकाश बरवाला एम०एल०ए० के विरूद्ध 5 मार्च, 2002 को सदन के बीच में माक चेयर लेने तथा स्वयं को सभा के अध्यक्ष के रूप में प्रदर्शित करने, चेयर के आदेशों की अवज्ञा करने तथा निरन्तर चेयर के निर्णय को चुनौती देने तथा इसके विरूद्ध विरोध प्रकट करने, इस प्रकार सदन की अवमानना/विशेषाधिकार भंग इत्यादि करने का अभिथित विशेषाधिकार भंग संबंधी मामला।	
(2) श्री कर्ण सिंह दलाल, एम०एल०ए० के विरुद्ध अभिकथित विशेषाधिकार भंग तथा 4 मार्च 2002 को महामहीम राज्यपाल महोदय के बाधा पहुंचाने तथा उनके विरूद्ध अनावश्यक टिप्पणियां करने के लिए तथा 5 मार्च, 2002 को उस समय जब सभा सत्र में थी, सदन के बीच में नाक चेयर लेने में श्री जय प्रकाश बरवाला की अत्याधिक साहायता करने कें फलस्वरूप 5 मार्च, 2002 को सदन की अवमानना/सदन का विशेषाधिकार भंग करने संबधी मामला।	
(3) कैप्टन अजय सिंह यादव एम०एल०ए० द्वारा चेयर की पूर्ण अवज्ञा करके सदन के बीच आने/रहने तथा लगातार अध्यक्ष महोदय से तर्क वितर्क करने. पहरा एवं निगरानी अमले के साथ हाथापाई की कोशिश करने तथा चेयर की	

ओर एक पुस्तक फैंकने, श्री धर्मवीर सिंह द्वारा सदन के बीच में दौड़ते समय एक लाईट बाक्स तोड्ने, सरकारी सम्पत्ति को नुक्सान पहुचाने तथा जगजीत सिंह सांगवान द्वारा सदन में असंसदीय शब्दों तथा अनावश्यक टिप्पणियों आदि का प्रयोग करने तथा फलस्वरूप 5 मार्च 2002 को इन विधायकों द्वारा सदन की अवमानना/विशेषाधिकार के भंग संबंधी मामला।	
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	
वाक आउट	
अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचनाएँ (पुनरारम्भ)	
(4) डा० रघुबीर सिंह कादियान, एम०एल०ए० के विरूद्ध 5 मार्च, 2002 को सदन के बीच आने/रहने, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संबंधी नियम की पुस्तक फाड़ने, घोर कदाचार एवं गम्भीर अव्यवस्था की ओर ले जाने सदन में एक लाईट बाक्स तोडने के फलस्वरूप डा० रघुबीर सिंह कादियान एम०एल०ए० द्वारा सदन की अवमाननाविशेषाधिकार के भंग इत्यादि करने का अभिकथित विशेषाधिकार भंग संबंधी मामला।	
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 7 मार्च, 2002

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हॉल, विधान भवन ' सैक्टर – 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एंव उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान अब सवाल होगे।

Increasing the crushing capacity of sugar Mill, Palwal

***954. Sh. Udai Bhan :** Will the Minister for Cooperation be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to increase the crushing capacity of cooperative sugar Mill, Palwal; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

सहकारिता मन्त्री (श्री करतार सिंह भडाना):

(क) 'नही, श्रीमान।

(ख) प्रश्न ही पैदा नही होता।

वाक आउटस

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे एक निवेदन करना है।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए। यह क्वेशचन ऑवर है।

चौ भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के जो सस्पैंडिड मैम्बर हैं उनके बहुत महत्वपूर्ण सवाल लगे हुए हैं। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है कि उनको आप हाउस में बुला लें। ....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी की बात रिकार्ड न करें। भजन लाल जी आप अपने अनुभव का फायदा उठाओ। भजन लाल जी कोई जो आपको अनुभव है आप उसका फायदा उठायें। आप उसे यूज करे मिसयूज न करें। चौधरी भजन लाल जी क्वैशचन ऑवर बहुत इम्पोरटैंट होता है आप क्वैशचन ऑवर के बाद अपनी बात उठाए। उदय मान जी, आप अपना क्यैशचन पूछे।

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मै अपके माध्यम से माननीय मत्री जी से जानना चाहता हू कि पलवल मे एक मात्र शूगर मिल है। (शोर एव व्यवधान)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात नही सुन रहे हैं इसलिए हम ऐज ए प्रोटेस्ट सदन से वाकआउट करते हैं।

(इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पाटी के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री राम किशन फौजी: अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की बात नही सुनी जा रही इसलिए मैं भी इनके साथ एज ए प्रौटेस्ट वाकआउट करता हूं।

(इस समय हरियाणा विकास पाटी के एक सदस्य श्री राम किशन फौजी सदन से वाक आउट कर गए।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

श्री उदय भान: अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि पलवल कोऑपरेटिव दार मिल की पिराई क्षमता इस समय 27 लाख क्विंटल है जबकि वहा गन्ने का उत्पादन 60 से 65 लाख क्विंटल है इसकी वजह से वहां के किसानो मे बडी भारी रिजैंटमैट है। उस एरिया में गन्ने का उत्पादक बहुत –ज्यादा है क्या इस पर सरकार विचार करेगी कि उस हार मिल की पिराई क्षमता बढाई जाए जिससे यहां के किसानो को उसका सही लाभ मिल सके।

सहकारिता मंत्री (श्री करतार सिह भड़ाना): स्पीकर सर, गन्ने का जितना बाउडिग एरिया है उसके मुताबिक हमारी मिल की क्षमता बिलकुल ठीक है। एक बार इस बारे मे चुने हुए मैंबरों का प्रस्ताव मेरे पास लिखित मे आया था कि आगे इस मिल की क्षमता नहीं बढाई जाये क्योंकि इससे ज्यादा गन्ना वहां पर उपलव्य तेही हो पायेगा। वहा के लौगो ने इस बारे मे जो अपनी राय व्यक्त की

थी उसमें माननीय सदस्य के भाई भी शामिल थे। उन्होने भी यही कहा था कि पलवल शूगर मिल मे गन्ने की पिराई क्षमता और ज्यादा न बढ़ाई जाये।

श्री राजेन्द्र सिह बिसला: अध्यक्ष महोदय किसी प्रश्न के उत्तर मे केवल मात्र इतना कह देना कि Question does't arise यह ठीक नही है। मैं, श्री उदयभान जी और श्री रावत जी पलवल एरिया के विधायक यहा मौजूद हैं। पलवल शुगर मिल हरियाणा प्रदेश मे सबसे अच्छी चल रही है। वह केन ग्रोईंग ऐरिया है जोकि हर साल बढ़ रहा है।

श्री अध्यक्ष: बिसला जी आप क्वैश्चन पूछिये।

श्री राजेन्द्र सिह बिसला: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से आपके माध्यम से कहना चाहूंगा दिन वे हाउस मे आश्वासन दें कि वे वहा पर मौके पर जाकर देखेगे और बाद में इस बात पर विचार करेगे कि उस हार मिल की पिराई क्षमता को बढ़ाया जाये या नही क्योकि जितनी इस मिल की पिराई क्षमता है उससे ज्यादा गन्ना वहा पर खडा है। वहां के किसानों में इस बारे में काफी रिजेटमेंट है। मंत्री जी हाउस में आश्वासन दे कि वे वहां पर खुद जाकर देख लेगे उसके बाद उसकी पिराई क्षमता को बढ़ाने के बारे मे मामले को प्रौसेस मे ले लेंगे।

श्री करतार सिह भडाना: स्पीकर सर, पलवल की क्षार मिल काफी अच्छी चल रही है, अगर उसकी पिराई क्षमता बढा देंगे

तो वह मिल लौस की तरफ चल पडेगी क्योंकि अब भी वह मिल लौस मे चल रही है लेकिन फिर भी किसानो के हित में उसको चलाना पडता है। अगर उस मिल की पिराई क्षमता बढा दी तो और लौस हो जायेगा, मिल का ब्रेक डाउन हो जायेगा और मिल बन्द हो जायेगी। इसलिए उस मिल की और पिराई क्षमता बढाने का कोई प्रस्ताव नही है। अगर गन्ने का एरिया और बढा तो फिर इस बारे में बात होगी और किसानो के हित को देखते हुए आगे कुछ सोचा जायेगा।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय. उदयभान जी द्वारा पूछे गये प्रश्न के जवाब मे मत्री जी ने उत्तर दिया है मैं मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हू कि सारे हरियाणा प्रदेश मे 12 वार मिलें सरकारी हैं और 3 हार मिलें निजी क्षेत्र मे ली हुई हैं। उनमे से सोनीपत और जींद के शूगर मिल की पिराई क्षमता पलवल मिल के समान है। जहा गन्ने का उत्पादन अनुमानित हैक्टेयर में दिखाया गया है। साथ मे दूसरी मिलों की पिराई क्षमता जो इस के बराबर दिखाई गई है। वह सोनीपत की बराबर आती है, जींद की बराबर .आती है और पलवल की बराबर आती है। मैं समझता हू कि पलवल की मिल सबसे पहली मिलों मे से एक है। उसकी प्रोडैक्शन की क्वालिटी सेबसे अच्छी है। वहा पर जो गन्ने के एरिया के बाउडिग का आधार है शायद मंत्री जी का अनुमान है कि वह कम है। वहां की अगर गधे के एरिया की सही मायने में बाउडिंग कराई जाये तो वहा पर गन्ना मिल की पिराई

क्षमता से अधिक हे। तो इसको दृष्टिगत रखते हुये या तो वहा पर पिराई जन्मता को बढाया जाये या दूसरा प्लांट लगाने के लिए विचार किया जाये।

श्री अध्यक्षः रावत जी आप भाषण मत दीजिये अपना सवाल पूछे।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मानानीय मुख्यमंत्री जी के साथ हमारे सहकारिता मत्री भी थे और हम दोनो विधायक भी थे। हमने उनके समक्ष यह समस्या रखी थी और स्वय माननीय मुख्यमत्री जी ने इस मिल की पिराई क्षमता बढाये जाने के हमारे अनुरोध को रबीखार किया था इसी को दृष्टिगत रखकर मत्री जी आश्वासन दे।

श्री करतार सिह भडानाः स्पीकर सर, पहले इस मिल की पिराई क्षमता साढे बारह सौ टन प्रतिदिन थी जिसको बढाकर 19 सौ टन प्रतिदिन किया गया था कई बार यह मिल 2100 टेन गन्ना प्रतिदिन भी लेती रही है। अध्यक्ष महोदय. मे भी उसी जिले को रहने वाला हू जिस जिले के माननीय साथी बिसला जी हैं इसलिए मैं इनको बताना चाहता हू कि अगर उस मिल की क्षमता को बढाते हैं तो इससे किसानों का नुकसान हो जाएगा।

श्री राजेन्द्र सिह बिसलाः ....

श्री भगवान सहाय रावतः ....

श्री उदय भान सिंहः ....

श्री अध्यक्षः आप तीनो अपनी–2 सीटी पर बैठे। राजेन्द्र सिह बिसला उदय मान और भगवान सहाय रावत जी जो कुछ भी कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री करतार सिह भडानाः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी बिसला जी को बताना चाहूगा कि मैं कोई ज्यादा बडा किसान तो नही हूं लेकिन 14– 15 एकड का गन्ना मेरा भी उस मिल मे जाता है। इसलिए मैं इनको बताना चाहत कि अगर फाउडेशन 3 मजिल बिल्डिंग बनाने का हो और उस पर 6 मंजिल बिल्डिग बना दी जाए तो वह बिल्डिग गिर जाएगी। इसलिए अगर इस मिल की कैपेसिटी बढा देगें तो यह जितना काम अब कर रही है उतना भी काम नही करेंगी। हा. हम दूसरी मिल लगाने का प्रस्ताव जरूर ले आएगें।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिह): अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद के माननीय सदस्य बिसला जी ने कहा है कि इस मिल की क्षमता बढ़ा दी जाए।

उपाध्यक्ष (श्री गोपी चन्द गहलौत): अध्यक्ष महोदय। मैं आपके माध्यम से मत्री जी से कहना चाहूंगा कि बिसला जी की भावनाओ के साथ हमारी भी भावनाए शामिल कर ली जाए।

प्रो० सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय में कई विधायकों की भावनाओं को देखते हुए इन्टरवीन कर रहा हू। वैसे

तो माननीय मत्री जी ने स्पष्ट और डिटेल मे जवाब दे दिया है क्योंकि मंत्री जी स्वय भी उसी एरिया के रहने वाले हैं जहा के माननीय विधायक बिसला जी रहने वाले हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि जहा तक इस मिल की क्रशिंग कैपेसिटी की बात है तो पिछले सालो का रिकार्ड देखे तो 1996 – 97 मे 30 लाख 16 हजार, 1997 –98 मे 21 लाख 76 हजार, 1998 –99 में 16 लाख 24 हजार, फिर 19 लाख 27 हजार और फिर 29 लाख 77 हजार क्विटल गन्ने की पिराई इस मिल में हुई है। ऑन एण्ड एवरेज 24 लाख क्विटल गन्ने की क्रशिग हुई है। 30 लाख क्विंटल से ऊपर इस मिल ने गन्ने की पिराई की है। जहा इस मिल की क्रशिग क्षमता ऑन एण्ड एवरेज 24 लाख क्विटल रही है वही बोडिंड गन्ने को लेने में भी यह मिल सक्षम है। जो माननीय साथी ने चिन्ता जाहिर की है कि इस मिल मे और ज्यादा गन्ने की क्रशिग हो सकती है इस प्रकार के ये फ्यूचर के एस्टीमेट लगा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हू कि हरियाणा सरकार ने कोआप्रेटिव सैक्टर मे दो और हार मिल्ज लगाई हैं। सरकार हर किसान के बारे मे चिन्तित है। हमारी सरकार ने आते ही पहले किसानो का 21 करोड रुपये का पुराना भुगतान किया। क्रैश क्रोप को ध्यान मे रख कर दो और शूगर मिल्ज लगाई गई है। मैं सरकार की तरफ से यहा आश्वासन देना चाहता हू कि अकेले फरीदाबाद मे ही नही सरकार हरियाणा में कही भी गन्ना बिना

पिराई के नही रहने देगी चाहे उसे गन्ना किसी भी मिल मे क्यो न ले जाना पड़े।

तारांकित प्रश्न सं० 992

(यह प्रश्न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री जीतेन्द्र सिंह मलिक सदन में उपस्थित नही थे)

Beautification of Cities

***844. Sh. Pawan Kumar Dewan @ Shri Anil Vij : ** Will the Minister of state for Urban Development be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to beautify the town by shifting dairies from there in the State; if so, the details thereof ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल): जी, हां। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पड़ने वाले 6 नगरों नामतः रोहतक, गुड़गांव. बहादुरगढ़, पानीपत, सोनीपत तथा रिवाडी मे दूध की डेयरियो को स्थानान्तरित करने के लिए 1307.00 लाख रुपये लागत की एक योजना तैयार करके राष्ट्रीय राजधानी योजना बोर्ड से मजूर करवाई गई थी। इस योजना त्हो कार्यान्वित करने के लिए 98.02 लाख रुपये पहले ही प्रदान किये जा चुके हैं।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय ने शहर की सुन्दरता को बढ़ाने के लिए जो उत्तर दिया है उस विषय मे कहना चाहूगा कि मेरा प्रश्न सारे हरियाणा के लिए था

और मंत्री महोदय ने खाली एन०सी०आर० यानि नैशनल कैपीटल रीजन के बारे में बताया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में शहरों की सुन्दरता को बढाने के लिए दूध की डेयरिया शिफ्ट करने के लिए, सफाई की व्यवस्था बनाने के लिए कल भी एक प्रश्न के उत्तर मे माननीय हैल्थ मिनिस्टर महोदय ने कहा था कि सफाई व्यवस्था हमारी दुरूस्त है। लेकिन आज लोकल बॉडी मिनिएस्टर ने मेरे एक अंताराकित प्रश्न के लिखित उत्तर मे कंट्राडिक्टरी जवाब दिया है कि सफाई व्यवस्था के लिए जितने कर्मचारी चाहिए उतने कर्मचारी है नही। जितने इक्विपमैट चाहिए उतने इक्विपमैंट नही है जिसका नतीजा यह है कि शहरो की सफाई की हालात दिन प्रति दिन खराब होती जा रही हे। अध्यक्ष महोदय, हम राजधानी के बिल्कुल नजदीक हैं हमे अपने शहरो की सुदरता की तरफ ध्यान रखना चाहिए। यदि हमारे यहां सुंदरता होगी, अच्छे पार्क होंगे तो यहा उद्योग अधिक लग सकते हैं, औद्योगिक इकाईया अधिक लग सकती हैं। इसलिए मैं माननीय मत्री जी से जानना चाहत कि हमारे शहरो की सुदरता बहाल करने के लिए अच्छे पार्कों की व्यवस्था के लिए स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था के लिए क्या योजना है?

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय. मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चांहूगा कि हरियाणा प्रदेश मे माननीय मुख्यमत्री जी के निर्देश से 12 नगर पालिकाओं के लिए 3112 करोड रुपये की योजॅना पास करवाई है जिसमे 6 नगर पालिकाए

एन०सी०आर० मे पडती हैं और 6 नगर पालिकाए हुडको मे पडती हैं। मेरा सिर्फ यह कहना था कि एन०सी०आर० का पैसा मजूर होकर आ गया है और हुडको से अभी आना है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा 24 अन्य म्यूनिसिपल कमेटियो के लिए भी हम यह योजना बना रहे है। आपको तो मालूम है और जैसे आशका व्यक्त की है। मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि हमने सोलिड वरट मैनेजमैट के तहत एन०सी०आर० और हुडको से हरियाणा प्रदेश के लिए 142 करोड रुपये का ऋण प्रस्तावित करवाकर कैबिनेट से मंजूरी ले ली है जिसका यूज हरियाणा प्रदेश को सुदरतम बनाने के लिए और डेयरियो का स्थानांतरण करने के लिए किया जायेगा।

श्री रमेश कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि राज्य सरकार ने कस्बों को .सुंदरतम बनाने के लिए और डेयरियों को स्थानातरित करने के लिए जो योजना बनाई है उसके तहत जिन डेयरियो को स्थानातरित किया जायेगा उनके मालिको को जगह देने के लिए क्या क्राईटेरिया रखा है, कितनी जमीन देने का क्राईटेरिया रखा है इस बारे मे मत्री जी बताये।

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि डेयरिया शिफ्ट करने के लिए जो योजना बनाई है उसके तहत जो डेयरी मालिक 5 या 5 से अधिक पशु रखेगा और उसकी डेयरी शिफ्ट की जायेगी तो उसको

सरकार 250 से 1000 गज तक का प्लाट नो प्रोफिट नो लोस बेसिज पर देगी।

चौ० नफे सिह राठी: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जिन किसानों की जमीन अधिग्रहण की जा रही है क्या उन्हे भी प्लाट नो प्रोफिट नो लास बेसिज पर दिया जायेगा ?

श्री सुभाष गोयल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहत कि हमने डेयरी डिवैल्प करने के लिए स्कीम बनाई है और जिस भी किसी की डेयरी शिफ्ट की जायेगी उसे प्लाट नो प्रोफिट नो लोस बेसिज पर दिया जायेगा ताकि पशुओं का स्वास्थ्य ठीक रहे और अच्छा इन्कास्ट्रस्चर हो सके। इसमे किसान के लिए कोई क्राईटेरिया नही है।

श्री राजेन्द्र सिह बिसला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि नैशनल कैपिटल रीजन में हमारा फरीदाबाद का नगर निगम क्षेत्र ण्डता है और दुर्भाग्यवश उत्तरी भारत में से भी ज्यादा क्लम आ रहा है। वहा पर डिवैल्पमैंट हो रहा है लेकिन सारी रे लवे 'लाईन के साथ – साथ, सडक के साथ –साथ और नहर तथा नालो के साथ –साथ लोग टायलैट बैठते हैं। कई कालोनीज ऐसी हैं जिनमें जा नहो सकते। भगवान सहाय रावत साहब, भाटिया साहब आदि हम सब उनको देखते हैं। मैं मंत्री जी को बताना चाहता हू कि

एम०सी०एफ० मे –स्लम लगातार बढ रहा है जिस कारण वहा पर बहुत ही दयनीय स्थिति बनी हुई है। इस दयनीय स्थिति से सभी अवगत भी हैं। एम०सी०एफ० के सुधार के लिए एन०सी०आर० से भी पैसा आ रहा है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि एम०सी०एफ० की गन्दगी की कलियरेस के लिए मंत्री जी कोई निर्णय लेंगे ताकि उस शहर की भी सफाई हो सके।

श्री सुभाष गोयलः स्पीकर साहब मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि यह जो आज का मूल सवाल है उसका इनकी इस सप्लीमैंन्टरी से कोई ताल्लुक नही है। इन्होने जो यह सवाल किया है इस बारे मे ये मेरे से अलग से मिलकर पूछना चाहें तो पूछ सकते हैं क्योकि यह जो सवाल है यह तो शहरो के अन्दर से डेयरी शिफ्ट करने से सबधित है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय श्री नफे सिंह राठी जी ने जो सवाल किया था उसका मन्त्री जी पूरी तरह से जवाब नही दे पाये। अध्यक्ष महोदय सरकार को तरफ से शहर से बाहर डेयरी चलाने के लिए जो प्लाट दिये जाएगे वे नो प्रोफिट नो लोस पर जाएगे। मैं मत्री जी से जानना चाहूगा कि जिन जमीदारी की या लोगो की जमीन ली जायेगी क्या उनका कोटा निर्धारित करते हुए उनको भी रियायती रेट्स पर वहा प्लाट्स दिए जाएंगे।

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, शायद मैं अपना जवाब ठीक तरह से नही दे पाया। मैं अपने साथी को बताना

चाहूंगा कि इस कार्य के लिए जो जमीन एक्वायर की जायेगी उसके लिए कोशिश तो यह की जायेगी कि सरकारी जमीन अधिग्रहण की जाये या पचायतों की जमीन एक्वायर की जाये। यदि इन दोनों जगहो से हमे जमीन नही मिल पायेगी तब ही हम किसानो की जमीन एक्वायर करने की सोचेंगे। इन जगहों पर उन्ही लोगों को जगह दी जायेगी या प्लाट्स दिये जाएगे जो 5 या 6 से अधिक पशु रख कर डेयरी का काम करेगे। उन सभी को नो प्रोफिट नो लोस पर प्लाट्स दिए जाएंगे।

श्री देवराज दिवानः अध्यक्ष महोदय, जो डेयरिया शहरो के अन्दर काम कर रही हैं उनको शहर से बाहर निकालने की योजना है। इस बारे में मैं मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहूगा की दिल्ली से भी ऐसी परी डेयरियां बाहर निकाली गई थी। जब उन डेयरियो को दिल्ली से बाहर निकाला गया था तो उस वक्त जिन लोगो को डेयरियो की जगह दी गई थी उनको वह जगह डिवैल्प करके दी गई थी यानि उनको पक्के शैड आदि बना कर दिए गए गले। मेरे कहने का मतलब यह है कि यदि हम डेयरिया शहर से बाहर निकालेगे और डेरी का काम करने वाली को पक्की जगह या दूसरी सुविधाए नही देगें तो वह उतना कारगर साबित नही होगा। मैं आपके माध्यम से मत्री जी से जानना चाहता हूं कि जैसे दिल्ली मे डेयरिया डिवैल्प करके दी गई थी क्या उसी प्रकार से हमारी सरकार का भी विचार है। इस बारे मे मेरा यह भी कहना है कि यदि हम सभी को एक साथ ऐसी सुविधा

नही दे सकते तो चाहे शिफ्टों में दें लेकिन डेयरी वाली जगह पूरी डिवैल्प करके दे ताकि उन लोगो को किसी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पडे।

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने बहुत ही ठीक सवाल किया है। मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूगा कि हम डेयरी का काम केरने वाले लोगों को केवल शहर से बाहर खाली प्लाट ही एलाट नही करेंगे बल्कि हम वहा पर गोबर गैस प्लाट, हरा चारा तथा सूखा चारा रखने का स्थान, पशु अस्पताल. टयूबवैल, पानी की निकासी आदि दूसरी मूलभूत जो आवश्यकताए होगी उनको पूरा करेगे और उसके बाद ही वहा पर लोगो को प्लाट अलाट किए जाएगे। प्लाट अलाट करते समय जो सुविधाएं मैंने बताई हैं वे उनको देंगे और इन सब चीजो की कीमत को ध्यान मे रखते हुए ही नो प्रोफिट नो लौस पर प्लाट अलाट किए जाएंगे।

श्री चन्द्र भाटियाः अध्यक्ष महोदय, इस समय हाउस मे जो डेयरिया शहरों के अन्दर चल रही हैं उनको शहरो से बाहर शिफ्ट करने बारे में विचार चल रहा है। मैं आपके माध्यम से मत्री जी से जानना चाहता हू कि फरीदाबाद एन०आई०टी० को सुदर बनाने के लिए सरकार की तरफ से जो योजनाए बनाई गई हैं ताकि वह शहर सुन्दर हो सके।

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री बिसला जी तथा फरीदाबाद जिले के विधायकों को मेरे ख्याल से इस बारे मे कुछ क्लैरिफिकेशन की जरूरत है। मैंने इस बारे में पहले भी कहा है कि आज का यह सवाल डेयरियो से सम्बन्धित है इसलिए इनको चाहिए कि ये डेयरी से सम्बन्धित सवाल ही करे। वैसे मैंने पहले भी बताया है कि सरकार से हरियाणा प्रदेश को सुन्दरतम बनाने के लिए 142 करोड रुपये की योजना मन्जूर हो चुकी है और 46 करोड रुपये की और योजना प्रस्तावित है। (विघन)

श्री अध्यक्षः मन्त्री जी, इस बारे मे एक? क्लैरिफिकेशन मै भी चाहता हू इसलिए आप एक क्लैरिफिकेशन देने की मेहरबानी करे। जहा पशु होंगे नैचुरल बात है कि उनकी डैथ्स भी होगी तो उनकी आखिरी क्रिया के लिए कोई जगह की भी आवश्यकता होगी जिससे उनको उठा कर नजदीक ही कही दफनाया जा सके। मृत पशुओ को ठिकाने लगाने के लिए क्या कोई प्रोविजन किया गया है ?

श्री सुभाष गोयलः स्पीकर सर, आपने यह बहुत ही अच्छा सुझाव दिया हूँ जो काबिलेगौर है। अभी तो कार्य चल ही रहे हैं इसके लिए भी हम प्रोविजन रख लेंगे।

श्री मलिक चन्द गम्भीरः अध्यक्ष महोदय. मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हू कि जिस गाव की जमीन वे

लेंगे या जिस पंचायत की या जमींदार की जमीन वे लेंगे अगर गांव वाले वहां डेयरी के लिए जगह मांगेगे तो क्या उनको जगह दी जाएगी '

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय. शायद माननीय साथी मेरी बात को समझ नहीं पाए। मैंने यह कहा है कि अगर वे डेयरी के लिए जगह मागेगे तो उनको जगह दी जाएगी। अगर उनके पास पशुधन है और वे डेयरी के लिए जगह मांगते हैं तो उनको –जगह अवश्य दी जाएगी।

श्री पूर्ण सिंह डाबडाः स्पीकर सर, मैं ऑनरेबल मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि जिस पंचायत की जमीन डेयरी के लिए ली जाएगी या जिस पंचायत की जमीन डेयरी के लिए एक्वायर की जाएगी क्या उसका मुआवजा दिया जाएगा '

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, जो पंचायत की जमीन ली जाएगी उसका मुआवजा तो दिया ही जाएगा इसमें कोई कहने वाली बात ही .नही है।

श्री अनिल विजः स्पीकर सर मंत्री महोदय से मैं यह कहना चाहूंगा कि मैंने जो प्रश्न दिया था मेरा प्रश्न और भी पवन कुमार जी का प्रश्न क्लब कर दिया गया हैं। मेरा प्रश्न शहरों के ब्यूटीफिकेशन के लिए था और डेयरिया शहर से बाहर शिफ्ट करने का प्रश्न दीवान जी का था जो क्लब किए गए। आप प्रश्न को पढे, क्या नगर विकास मंत्री जी कृपया बताएगे कि क्या

डेयरियों को शहरों से बाहर निकाल कर शहर के सौन्दर्यकरण करने का कोई प्ररताव सरकार के विचाराधीन है, लेकिन मन्त्री महोदय खाली डेयरियो के प्रश्न का उत्तर दे रहे हैं। मैने रयैसिफिकली दोनो के बारे पूछा था। अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि क्या डेयरियो को शिफ्ट करने मे अम्बाला छावनी और अम्बाला शहर शामिल हैं, अगर शामिल हैं तो क्या इनके लिए कोई जगह ले ली गई है, अगर जगह ले ली गई है तो यह काम तब तक पूरा हो जाएगा और दूसरे अगर आपकी इच्छा हो तो शहरो के सौन्दर्यीकरण के लिए डेयरियो को शिफ्ट करने के अतिरिक्त किन – किन योजनाओं पर सरकार विचार कर रही है '

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय मै सम्मानित सदस्य को आपके माध्यम से यह बताना चाहूगा कि इनका अगला प्रश्न इसी सदर्भ मे है उसमे इनकी सारी बात आ जाएगो। डेयरियो को शहर से बाहर शिफट करने के सम्बन्ध में मैंने बताया है कि 12 म्यूनिसिपल कमेटी की यौजना पास हो चुकी है और 24 अन्य म्यूनिसिपल कमेटीज के लिए भी हम योजना बना रहे हैं। इसके अलावा कूड़ा निष्पादन और सौन्दर्यीकरण के लिए भी काम कर रहे हैं। (विघ्न) अम्बाला छावनी के बारे में विज साहब का अगला सवाल है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि यमुनानगर, जगाधरी, हिसार, अम्बाला शहर, अम्बाला सदर, करनाल, गुड़गांव. बहादुरगढ, सोनीपत, पानीपत, रिवाडी और रोहतक 12 शहर इसमे शामिल है।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय मैं माननीय मन्त्री महोदय जी से प्रश्न और उत्तर के दृष्टिगत यह पूछना चाहुंगा कि मत्री महोदय केवल राजधानी क्षेत्र मे बनने वाले छ – नगरों से सम्बन्धित ही नही बल्कि समस्त हरियाणा की बात है। साथ ही राजधानी क्षेत्र मे जो 6 शहर पड़ते हैं रोहतक गुडगाव बहादुरगढ, पानीपत, सोनीपत और रिवाडी इसके अतिरिक्त भी बल्लभगढ पलवल अम्बाला इत्यादि दूसरे हल्के के बारे में कोई योजना सरकार के विचाराधीन है और क्या इसकी मन्जूरी राष्ट्रीय राजधानी योजना बोर्ड से करवाई गई है ' मैं माननोय मन्त्री महोदय से यह भी जानना चाहूगा कि पूरे राज्य में सफाई और शहरों के सौन्दर्यीकरण के बारे में क्या योजनाए प्रस्तावित हैं ?

10.00 बजे

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी 12 शहरो के नाम लिए हैं। इसके अलावा 24 और शहर हैं। भगवान सहाय रावत जी से नाम पूछ कर इस लिस्ट में सम्मलित करके प्रस्ताव बना लेंगे।

*** 835. Sh. Padam Singh Dahiya :** Will the Chief Minister be pleased to State whether there is any proposal under consideration of the Govt. to promote Solar Energy for the purpose of irrigation ; if so, the details thereof ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): जी हां श्रीमान्। सौलर फोटोवोल्टिक वाटर पम्पिग का एक नया कार्यक्रम

शुरू किया गया है जिसके अन्तर्गत 1800 वॉट की क्षमता के सोलर पम्पसैट सिचाई एव अन्य सम्बधित कार्यों के लिए लगाए जाते हैं। यह पम्प 10 मीटर तक की गहराई से लगभग 120,000 लीटर पानी निकालने की क्षमता रखते हैं। इसकी औसतन कीमत 450 लाख रूपये है लेकिन यह किसानों को ता 67350/ –रुपये के अनुदानित मूल्य पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस साल, 200 सोलर पम्प स्थापित किये जाना प्रस्तावित है।

श्री पदम सिह दहिया: अध्यक्ष महोदय मैं आपके द्वारा माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि सौर ऊर्जा पम्प सैट के क्या क्या लाभ हैं।

श्री राम पाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, मे आपके द्वारा माननीय साथी को बताना चाहता हू कि यह एक नई टैक्नोलोजी है। इससे बिजली की बचत होती है, डीजल व) बचत होती है। इसको चलाने का बहुत ही आसान तरीका है और इसका रख –रखाव बहुत हो आसान है। अध्यक्ष महोदय, बिजली हो या डीजल हो तो उस पर काफी खर्चा आता है। सौर ऊर्जा सूर्य से बनती है जोकि मुफ्त मे मिलती है। इसलिए यह सिस्टम चलाने मे आसान और सुविधाजनक है। इससे बिजली ओर डीजल का खर्चा कम हो जाता है। इससे डीजल की 720 लीटर एक वर्ष मे बचत है और 3360 यूनिट बिजली की वर्ष में बचत है। इससे पर्यावरण भी दूषित नही होता है क्योंकि इससे कम कार्बनाक्साईड निकलती है। यह चलाने में आसान और नई टैक्नोलोजी है।

श्री रमेश कुमार खटक: अध्यक्ष महोदय मैं आपके द्वारा माननीय मत्री जी से जानना चाहता हूं कि जमीन की सिचाई को कढ़ाने के लिए यह जो सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन दिया गया है, ये सैट किन किन क्षेत्रो मे दिए गए है। क्या ये सैट देने के लिए क्षेत्रो का सर्वे किया गया है क्योकि एरिया वाईज पानी का लैवल ऊंचा नीचा होता है।

श्री राम पाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि ये सैट जहा पर पानी का लैवल डीप है वहा नही लगता है। मैंने अपने जवाब मे भी बताया है कि जहा पर 10 मीटर या 10 मीटर के लगभग वाटर टेबल होता हे वही पर यह सैट लगाया जाता है। अध्यक्ष महोदय एग्रीकल्चर महकमें की रिपोर्ट के मुताबिक 62 ब्लाक्स मे ये सैट्स लगाए जा सकते है। उन्होने हरियाणा मे 62 ब्लाक्स चिन्हित किए हैं। अध्यक्ष महोदय, यह टैक्नोलोजी नई है और सभी मैम्बर्ज इस बारे में जानना चाहेगे किं ये सैट्स हमारे ब्लाक में लगाए जाएगे कि नही लगाए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, अगर ये किसी की दरख्वास्त लाते तो उस बारे मे विचार कर नही जाएगा। ये सैट्स 4 –5 एकड के किसानों के लिए ठीक हैं। ये 60 ब्लाक कौन कौन रो हैं इस बारे में लिस्ट मेरे पास है अगर आप चाहेगे तो मैं इसको पढ़कर सुना दूगा।

श्री अध्यक्ष: मंत्री जी, आप इसको पढकर सुना दें क्योकि यह मामला सभी मैम्बर्ज से सम्बन्धित है।

श्री रामपाल माजरा: स्पीकर साहब, मै यह लिस्ट पढकर सुना देता हू। अम्बाला जिले में बराडा, अम्बाला, नारायणगढ और शहजादपुर, भिवानी जिले मे दादरी – 1, बवानी खेडा और भिवानी. फरीदाबाद जिले मे हथीन, होडल, पलवल और बल्लभगढ फतेहाबाद जिले मे फतेहाबाद, भटटूकला और भूना, गुडगाव जिले मे फिरोजपुर झिरका, नगीना नुह और पुनहाना, जिला हिसार मे आदमपुर बरवाला हासी – 1, हांसी –2, हिसार– 1, नारनौंद, अग्रोहा और उकलाना, जीद जिले में जुलाना, नरवाना, सफीदों और जीद कैथल जिले मे पुडरी, कलायत और राजौंद, करनाल जिले मे इद्री, नीलोखेडी असध और निसिग पानीपत जिले मे इसराना, मतलोडा, सोनीपत जिले मे गोहाना, राई, खरखौदा, सोनीपत, गन्नौर, कअ। और झज्जर जिले में बहादुरगढ, बेरी, झज्जर, मातनहेल और साल्हावास रोहतक जिले मे रोहतक, महम कलानौर. लाखनमाजरा और साम्पला, जिला यमुनानगर में जगाधरी, बिलासपुर, छछरौली और सढ़ौरा शामिल है। अध्यक्ष महोदय ' इस प्रकार से 52 ब्लाक्स हैं।

श्री जसबीर सिह मलौर: स्पीकर रार, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश मे क्या इस प्रकार का कोई सर्वे किया गया है कि जहा पर पानी बहुत गहरा हो गया है वहा उसको रि–चार्ज करने की कोई जरूरत है'

श्री रामपाल माजरा: स्पीकर साहब, वैसे तो एग्रीकल्वरल डिपार्टमेंट ने इस प्रकार का सर्वे किया है और सर्वे करके चिन्हित

किया गया है कि कहा कहा वाटर लेवल कम है जहां पर वाटर लेवल काफी गहरा है उनको डार्क ब्लाक कहा जाता है ऐसी जगहों पर 85 प्रतिशत पानी का दोहन कर लिया गया है, जहा पर 65 से लेकर 85 प्रतिशत तक पानी का दोहन हो चुका है उसको ग्रे ब्लाक कहा जाता है और जहां पर इससे और अधिक पानी का दोहन किया जा सकता है उनको व्हाइट ब्लाक कहा जाता है। स्पीकर सर, इसके बारे में भी एक लम्बी लिस्ट है इसमे 106 ब्लाक्स हैं अगर आप कहे तो मैं इसको भी पढ दू।

श्री अध्यक्षः आप यह लिस्ट जो जो भी मैम्बर मांगे, उनको दे देना।

श्री राम पाल माजराः ठीक है जी। स्पीकर सर, 108 ब्लाक्स में से 46 ब्लाक्स डार्क हैं जबकि 16 ब्लाक्स ग्रे हैं और 44 ब्लाक्स व्हाइट हैं। इन्होंने वाटर रिचार्जिंग की बात भी कही है। वाटर रि –चार्जिग की बड़ी भारी जरूरत है। हमारे कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्य आज यहा पर हैं नही उनका इस बारे में एक अहम प्रश्न था और प्रदेश के लोग भी इस बात को जानना चाह रहे थे कि वाटर को कैसे रि–चार्ज करके किसानों को दिया जा सके। अगर ये लोग होते तो मै इन बातो का विस्तार से उनको जवाब देता। सरकार ने वाटर रि –चार्जिंग की एक काफी महत्वकांक्षी योजना शुरू की है। जब वे आएगे तो मैं उनको इस बारे मे बताऊगा।

श्री कृष्ण लालः अध्यक्ष मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि वाटर रि– चार्जिंग के जिन 62 ब्लाक। का जिक्र इन्होने किया है इनसे कितने लोगो को लाभ पहुचा है और कितने इस तरह के नलकूप देने की सरकार की योजना है?

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर. पहले सारे हरियाणा मे केवल सौ नलकूप देने का प्रस्ताव था। इसमे पहले आओ और पहले पाओ की नीति है। जब हमारी सरकार ने केन्द्रीय सरकार से इस बारे मे निवेदन किया तो हमारी सरकार के निवेदन पर ही केन्द्रीय सरकार ने अब सौ के बजाए 200 नलकूप कर दिए हैं। अब इससे किसानो को बहुत फायदा होगा। यह तो एक्सपैंरीमैंटल बेसिज पर हैं। आगे इसके लिए जब और भाग आएगी तो आगे की कार्यवाही की जाएगी।

Opening of College at Anjanthali

***842. Shri Dharam Pal, : Will the Minister of** State for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open a Government College in Anjanthali, District Karnal ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिह)ः नही, श्रीमान् जी।

श्री धर्मपालः अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे जानना चाहत कि जिला करनाल में कितने सरकारी कॉलेज और कितने प्राईवेट कॉलेज हैं? मेरे हल्के मे कोई भी सरकारी कॉलेज नही है क्या

वहा पर कोई सरकारी कॉलेज खोलने का सरकार का विचार है या नहीं '

चौ० बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य बनने के उपरान्त उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र मे काफी विस्तार हुआ है। वर्ष 1966 में मात्र 45 महाविद्यालय थे जो बढ़कर 174 हो गए हैं जिनमे रवे 57 राजकीय महाविद्यालय हैं और 117 गैर सरकारी महाविद्यालय हैं यदि 174 की संख्या पर विचार किया जाए तो उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रो एव छात्राओं के लिए 1100 विद्यार्थियो के ऊपर एक महाविद्यालय उपलब्ध है। इस प्रकार पर्याप्त उच्चतर शिक्षा सस्थान हैं और शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक छात्रो के लिए औसतन 25 से 30 किलोमीटर की परीधि में उपलब्ध हैं और वह। रोजाना पढने जाने के लिए छात्रो को हा प्रतिशत रियायत दी गई है जिससे वे उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन आ जा सकते हैं। जहां तक करनाल का संबध है। करनाल में तीन गवर्नमैंट कॉलेज हैं एक राजकीय महाविद्यालय, एक महिला महाविद्यालय एक महाविद्यालय घरौण्डा में है। छह गैर सरकारी कॉलेज हैं जिनमें से एक डी०ए०वी०, एक गुरुनानक खालसा कॉलेज, एक दयाल सिह कॉलेज, एक डी०ए०वी० महाविद्यालय, एक डॉ० गणेश डी०ए०वी० और एक उधमसिंह नेशनल कॉलेज है। इस प्रकार फिलहाल यहा पर्याप्त महाविद्यालय हैं इसलिए करनाल जिले में और कोई सरकारी महाविद्यालय खोलने का प्रस्ताव विचाराधीन नही है।

तारांकित प्रश्न संख्या–826

(यह प्रश्न पूछा नही गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य डॉ० सीताराम सदन में उपस्थित नही थे।)

Computer Education in Schools

***896. @ Sh. Ramesh Kumar Khattak, Sh. Nafe Singh Rathee :** Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to make the Computer Education compulsory in the Schools; and

(b) the number of schools in which the Computer Education has been introduced in the State so far along with the time by which the Computer Education is likely to be introduced in the remaining Schools ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह):

(क) नही, श्री मान जी कम्पयूटर शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में लागू करने का इस समय कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) राज्य के 399 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों / राजकीय उच्च विद्यालयो को टाटा इन्फोटेक तथा हारट्रोन के माध्यम से कम्पयूटर शिक्षा ऐच्छिक विषय के रूप मे प्रदान की जा रही है। जैसे –जैसे प्रर्याप्त छात्र संख्या एव सुविधाए

उपलब्द होगी, बाकी के विद्यालयो मे भी छात्रो की माग के आधार पर कम्पयूटर शिक्षा लागू कर दी जायेगी।

श्री रमेश कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जिन विद्यालयों में कम्पयूटर शिक्षा लागू की गई है, वह कितने विद्यालयो में लागू की गई है और कब तक यह आरम्भ किए जाने की सभावना है।

चौ बहादुर सिहः फिलहाल 399 स्कूलों मे कप्यूटर शिक्षा आरम्भ की गई है जिनमें से 63 महाविद्यालयो का काम हारट्रोन को दिया गया है और 336 का टाटा इन्फोटेक को दिया गया है। दो महाविद्यालय इसराना और बादली रह गए हैं जहा इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरा नही है। इन्फ्रास्ट्रक्चर पूरा होते ही वहा भी शुरु कर दिया जाएगा। छात्रो और विद्यालयो की मारा को देखते हुए आहिस्ता– आहिस्ता हरेक जगह कंप्यूटर शिक्षा लागू करने करने की योजना है।

चौ० नफे सिह राठीः अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहा। कि कप्यूटर शिक्षा लागू करने के नार्म्ज क्या हैं।

चौ० बहादुर सिंहः जिस स्कूल मे कम से कम 200 बच्चे ऑप्शन देंगे कि हम कंप्यूटर का ज्ञान प्राप्त करना चाहते है उनमे कप्यूटर की शिक्षा लागू की जाती है। इसके लिए स्कूलों में 60 रुपये फीस रखी गई है और उसमे उनको 90 घंटे का प्रशिक्षण

देना पडेगा। कालेजों मे 140 रुपये फीस रखी गई है और उसमे उनको 120 घंटे का प्रशिक्षण देना पडेगा। जहा तक बिजली का संबध है बिजली की इस मामले मे कोई कमी नही है जो पार्टीज हैं जनरेटर सैट लगाने के लिए तैयार है कुछ पंचायतो से हमने अनुरोध किया है कि जहा बिजली की समस्या होगी वहां पंचायते भी, जनरेटर सैट देने के लिए तैयार है।

तारांकित प्रश्न संख्या 847

(यह प्रश्न पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य श्री शेर सिंह सदन मे उपस्थित नही थे।)

Pension For Pvt. School Staff

***909. Sh. Balwant Singh Sadhaura :** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal under Consideration of the Government to provide pension to the staff working in Government aided private Schools, if so, the details thereof ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिह): जी हां। सरकारी सहायता प्राप्त अराजकीय विद्यालयो के कर्मचारियो के लिए 11–5–98 से अधिसूचना संख्या का०आ०–38/ह०स० 12/1999 धारा 8 तथा 24/2001 दिनाक 29–3–2001 के अर्न्तगत पैंशन स्कीम पहले ही लागू की जा चुकी

श्री बलवंत सिह सढ़ौरा: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जो स्कूल प्राइमरी से मिडिल,

मिडिल से हाई, हाई से प्लस दू बनाये जाते हैं उनके नार्म्स क्या फिक्स किये हें?

चौ० बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी का प्रश्न पैंशन के बारे में था। अगर ये नार्म्ज के बारे मे पूछना चाहते हैं तो चौम्बर में आ जाये वहां पर इनको सारी इफोर्मेशन दे दी जायेगी कि स्कूलो को अपग्रेड करने के क्या –क्या नार्म्ज फिक्स किये गये हैं।

प्रो० राम भगतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिन निजी विद्यालयों और महाविद्यालयो के कर्मचारियों और अध्यापकों को पैंशन देने की स्कीम लागू की गई हैं क्या उस पैंशन के साथ डी०ए० का लाभ भी दिया जायेगा अगर डी०ए० नही दिया जायेगा तो उसे पैंशन नही कहा जा सकता और यह उन कर्मचारियों और अध्यापकों के साथ कुठाराघात होगा।

चौ० बहादुर सिंहः अध्यक्ष महोदय, उच्च/वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तथा 171 प्राईमरी पाठशालाओं में नियुक्त लगभग 5192 कर्मचारी लाभान्वित होंगे। इन कर्मचारियों को पैंशन देने के लिए 0071 –पैंशन शीर्ष के अर्न्तगत अंशदायी भविष्य निधि के नियोक्ता हिस्से के रूप में 13 करोड प्राप्त/,जमा होने का अनुमान है। लगभग 174 स्कूलों के प्रबन्धकों द्वारा इस स्कीम को अपनाने के लिए करार किया जा चुका है तथा इन संस्थाओं के

कर्मचारियों ने वचन बद्धता भी दे दी है। वित्त वर्ष 2001 –2002 के लिए 3.00 करोड़ रुपये माध्यमिक शिक्षा तथा 2 .00 करोड़ रुपये प्राइमरी शिक्षा विभाग के लिए राशि का प्रावधान किया है। पैंशन के दस मामलों में पैंशन भुगतान आदेश बजट सहित जारी किये –जा चुके हैं और इस उद्देश्य के लिए चालू वित्त वर्ष 2001–2002 के दौरान 6.00 लाख रुपये खर्च किए जा चुके है। वर्ष 2002 –2003 के दौरान सभी कर्मचारी जो 11 मई, 1998 से अब तक सेवानिवृत हो चुके हैं जिनकी सेवा के दौरान मृत्यु हो चुकी है, को यह लाभ देने का लक्ष्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

Construction of new minors in Meham Constituency

***877. Sh. Balbir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to State—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following new minors in the Meham Constituency :—

(i) Kahnaur Sak to Mokhra Bhog;

(ii) From Dadri Feeder to Kalanaur-Mokhra Roj:

(b) if so, the time by which the aforesaid minors are likely to be constructed ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा):

(क) हां श्रीमान जी।

(ख) माइनरों की 31 मार्च, 2004 तक पूरी होने की सम्भावना है।

श्री बलबीर सिहः अध्यक्ष महोदय. मैं आपके माध्यम से मत्री जी से जानना चाहूंगा कि इन माईनर्ज पर कार्य शुरू हो रहा है वह कितना कार्य हो चुका है।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि पहले किसी भी कार्य को करने के लिए स्कीम बनाई जाती है फिर टैक्नीकल एडवाईजरी कमेटी मे मामला जाता है फिर उस कार्य के लिए धन का प्रबन्धन किया जाता है और उसके बाद जमीन एक्वायर कीं जाती है तब जाकर कार्य शुरू किया जाता है। इसी प्रकार से जो माननीय साथी बलबीर सिह ने नये माईनर्ज काहनौर शाक से मोखरा रोज तक और दादरी फीडर से कलानौर–मोखरा रोज तक बनाने के बारे प्रश्न पूछा है उसके बारे मे मैं उनको बताना चाहूंगा कि दादरी फीडर से कलानौर –मोखरा रोज माईनर का काम शुरू हो गया है उसका वित्तीय प्रबन्धन भी हो गया है और उसकी ग्रामीण ढ़ाचा विकास एजेंसी ने वित्तीय सहायता देनी स्वीकृत कर दी है और उसके लिए पेपर तैयार कर दिये गये है और 16.55 एकड जमीन एक्वायर हो चुकी है और दूसरा माईनर काहनोर शाक से मोखरा के लिए 16.73 एकड़ जमीन एक्वायर करने का प्रोसैस शुरू हो चुका है उसके लिए वित्तीय प्रबधन हो गया है और जैसा कि मैंने बताया कि यह कार्य 2004 तक पूरा हो जायेगा।

श्रीमती सरिता नारायणः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि जो दादरी फीडर से कलानौर माईनर का काम शुरू किया गया है वह बड़ी धीमी गति से चल रहा है पाईप पड़े हुये हैं वे टूट गये हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहती हूं कि उस कार्य को जरा जल्दी करवाया जाये क्योंकि पाईप रास्ते में पड़े हुये हैं।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने कहा है कि काम जारी है तो मैं इनको बताना चाहत कि यहां पहले जो सवाल किए जाते थे उनका जवाब मिलता था नो' इसलिए इनको तो बधाई देनी चाहिए कि अब यहा हर प्रश्न का उत्तर हा में दिया जा रहा है। वैसे मैं इनको बताना चाहूंगा कि कार्य प्रगति पर है और जो थोडा बहुत कार्य रह रहा है वह जल्दी ही पूरा हो जाएगा।

श्री बलबीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मैने आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहा था कि कितना कार्य उन पर हो गया है और कार्य किस हद तक पहुंच गया है। लेकिन मंत्री जी तो उसकी स्कीम बताने लगें हैं जिसके बारे में सबको पता है।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूगा कि जो मैंने बताया है वह कार्य ही है। लोगों की जो मांग होती है उस पर टैक्नीकल

एडवाइजरी कमेटी अपनी रिपोर्ट देती है फिर धन का प्रबन्ध होता है और फिर जमीन एक्वायर होती है। यह सब चीजें काम से ही रिलेटिड हैं। बलबीर सिंह जी को इस बात का पता होना चाहिए कि पहले की सरकारों के समय में इनके इलाके को दरकिनार रखा गया था लेकिन अब हमारी सरकार ने इनके इलाके में पानी की अच्छी व्यवस्था की है और वहा दो माइनर बनाने का प्रावधान भी किया जा रहा है।

Garbage Disposal at Ambala Cantt.

***970. Sh. Anil Vij :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to State whether there is any scheme under consideration of the Government for the disposal of garbage in Ambala Cantt.; if so, the details thereof ?

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल): जी हां। अम्बाला सदर नगर के लिए ठोस कूड़ा करकट प्रबन्धन स्कीम भारत सरकार के विचाराधीन है। भारत सरकार से धन प्राप्त होते ही स्कीम कार्यान्वित कर दी जायेगी।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, समय कम रह गया है इसलिए मैं मंत्री महोदय से इतना ही पूछना चाहता हू कि जो सोलिड वेस्ट मैनेजमैंट स्कीम की प्रपोजल है, इस पर कितना धन व्यय होगा और यह योजना कब तक पूरी कर ली जाएगी। आज सारे शहर का कूड़ा करकट इकट्ठा करके शहर के अन्दर ही फैंका जाता है जिससे कभी भी कोई भी बीमारी फैलने की सम्भावना

बनी रहती है, इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि जब तक यह योजना पूरी नहीं होती तब तक जो शहर के अन्दर कूड़ा करकट और गदगी के ढेर लगे रहते हैं उनको रिक्त करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि रक्षा मंत्रालय ने 10 एयर फील्ड नगरों की पहचान की है और किस्मत से हमारे हरियाणा प्रदेश के तीन शहर उन 10 नगरों में आतें हैं. पहला अम्बाला सदर' दूसरा अम्बाला शहर और तीसरा सिरसा .शहर जिसके लिए 27 –28 नवम्बर को भारत सरकार ने हुडको की एक टीम जगह आइडैटीफाई करने के लिए भेजी थी जिसकी रिपोर्ट जल्दी ही आने की सम्भावना है। उसके बाद हम इस स्कीम को लागू कर देंगे और जहां तक सम्मानित साथी का प्रश्न था कि सफाई व्यवस्था के लिए क्या किया जा रहा दै तो सफाई व्यवस्था के लिए विशेष रूप से प्रबन्ध किए जा रहे हैं। जैसा कि माननीय साथी ने चिन्ता जाहिर की है कि शहर के अन्दर गन्दगी के ढेर होने से बीमारी फैलने की सम्भावना है तो जल्दी से जल्दी सभी शहरों की विशेष रूप से अम्बाला सदर की सफाई व्यवस्था का प्रबन्ध करवा दिया जाएगा।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने कहा है कि जब तक यह योजना लागू नही होती है तब तक ये वहा सफाई व्यवस्था करवाते रहेंगे। अभी मैंने पहले भी जिक्र किया

था कि मंत्री जी ने मेरे एक अतारांकित प्रश्न के लिखित जवाब में कहा है कि इनके पास उचित मात्रा मे संसाधन नही है, जितने सफाई कर्मचारी और ईक्विपमैंट चाहिएं उतने कर्मचारी और ईक्विपमैंट नहीं हैं और एक अन्य अतारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में मत्री जी ने डिटेल प्रस्तुत की है कि नगरपालिकाओं के पास जो आउटस्टैंडिग अमाउंट है जो नगरपालिकाओं ने रिकवर करनी है वह सारे हरियाणा में 258 करोड़ 73 लाख रुपये है। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो मंत्री जी कहते हैं कि वित्तीय स्थिति ठीक नही है और दूसरी तरफ कहते हैं कि लोगों की तरफ हाउस टैक्स की, रैंट आदि की 258.73 करोड़ रुपये की रिकवरी पैंडिंग है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह नही कह रहा कि यह सारी अमाउट इनकी वजह से पैंडिंग है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस सारे मामले को चुस्त–दुरूस्त करने के लिए, इस सारी सफाई व्यवस्था को ठीक करने के लिए और रिकवरी करने के लिए सरकार क्या योजना बना रही हे?

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हमने जो इनके अंताराकित प्रश्न के जवाब में बताया है कि इतनी अमाउंट पैंडिंग है इन्होंने यह भी देखा होगा कि यह अमाउट कब से पैंडिंग है। यह अमांउट पिछली सरकारों की गलत नीतियों के कारण पैंडिंग है, उनकी गलत हाउस टैक्स नीति के कारण पैंडिंग है यही कारण है कि

माननीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने नई हाउस टैक्स नीति बनाई है।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मैंने तो पहले भी कहा है कि यह अमाउट इनके कारण पैंडिंग नही है।

श्री सुभाष गोयलः अध्यक्ष महोदय. पहले जो हाउस टैक्स नीति बनाई हुई थी उसके तहत उन लोगो पर टैक्स लगता था जो टैक्स देने की क्षमता नहीं रखते थे यही कारण है कि यह इतनी ज्यादा अमाउट पैंडिंग है। अब हमारी सरकार ने जो हाउस टैक्स नीति बनाई है उसके तहत सक्षम लोगो पर ही टैक्स लगाया गया हे। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता इं, कि हम माननीय साथी की बात को ध्यान में रखते हुए हम कोशिश करेंगे कि हाउस टैक्स की रिकवरी हो और पैंडिग अमाउट न रहे तथा शहरो क्ये सुंदरतम बनाने के मुख्यमंत्री जी के वायदे को भी पूरा करेंगे।

Power Distribution Utilities

***901. Sh. Krishan Lal :** Will the Chief Minister be pleased to State—

(a) whether any step has been taken for the power supply to the HT and LT Industries in the Power Distribution Utilities; and

(b) if so, the details thereof for the last 4 years ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): (ए) तथा (बी) हा श्रीमान, दिनांक1–4–98 से एच०टी०/एल०टी० उद्योग को सुधरी हुई विद्युत आपूर्ति, सुधरी हुई वोल्टेज/गुणवत्ता तथा विश्वसनीय विद्युत उपलब्धि देने के लिए हरियाणा विद्युत कम्पनियों ने विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं

1 मई 2001 से उद्योगो से पीक लोड प्रतिबन्ध हटाना।

2. बिना जुर्माने के अनाधिकृत लोड की घोषणा के लिए तीन बार स्वैच्छिक डिस्कलोजर स्कीमो/योजना/प्रारम्भ करना।

3 41 नए उपकेन्द्र जोड़ना तथा वर्तमान 199 चालू उपकेन्द्रो की क्षमता मे वृद्धि करना। 4 16794 नं० वितरण ट्रासफार्मर को जोडना।

5. वर्ष 1998–99 में औद्योगिक उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति (–) 29 प्रतिशत थी जो कि चालू वर्ष के दौरान (नवम्बर 2001 के अंत तक) बढकर 176 प्रतिशत हो गई। 6. 17436 एल०टी० कनैक्शन तथा 1219 एच०टी० कनैक्शन प्राथमिकता के आधार पर जारी किए गए हैं।

श्री कृष्ण लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चीफ पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी जी से पूछना चाहूंगा कि 1997 –98 मे एच०टी० और एल०टी० के कितने कनैक्शन दिए गये और कितनी एप्लीकेशन पैंडिग हैं।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय. मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि एल०टी० के 1998 में 3384, 1999–2000 मे 4255,2000–01 मे 7217 और 2001 से अब तक 2580 कनैक्शन दिये गये तथा एच०टी० के 1998 में 189, 1999–2000 में 237, 2000–01 में 480, 2001–02 में 30 कनैक्शन दिए गये। इसी प्रकार से जो एल०टी० की दरखास्ते पैंडिंग हैं। 1999 के अत तक 4049, 2000 के अंत तक 4547, 2001 के अंत तक 2561 और 2002 तक अर्थात अब तक 1290 हैं। इसी प्रकार से एच०टी० की दरखास्तें 1999 के अंत तक 327, 2000 के अंत तक 323, 2001 के अंत तक 410 और 2002 में अर्थात अब तक 331 पैंडिंग हैं।

Mr. Speaker : Hon'ble members, now, Question hour is over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए

तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Canal Based Drinking Water

***923 Sh. Lila Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt, to provide Canal-based drinking water for Kaithal City ?

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): हां, श्रीमान जी। परियोजना पहले से ही निर्माणाधीन है।

Repair of Roads in Guhla Constituency

***830. Sh. Amar Singh Dhanday :** Will the Chief Minister be pleased to state -

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to repair the damaged roads of Guhla Constituency; and

(b) if so, the time by which said roads are likely to be repaired?

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। इस निर्वाचन क्षेत्र की सारी सड़कों की मरम्मत के लिये समय निर्धारित नहीं किया जा सकता।

V. D. S.

***832 Shri Puran Singh Dabra Shri Pawan Kumar Diwan :** Will the Chief Minister be pleased to state:-

(a) whether the HVPN has launched Voluntary Disclosure Scheme for regularization of the unauthorized extended load for domestic, industrial and commercial consumers; if so, the response of the consumers thereof, and

(b) the details of the load declared by the aforesaid consumers during the year 2000-2001 till to date under the said scheme ?

मुख्य मन्त्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): हां, श्रीमान। वितरण विद्युत कम्पनियों ने वर्ष 2000 –01 से कृषि, घरेलू औद्योगिक तथा वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए अनाधिकृत बढाए गए लोड को नियमित कराने के लिए तीन बार स्वैच्छिक घोषणा योजना शुरु की थी। उपभोक्ताओं से रिसपोस उत्साहवर्धक था तथा इन योजनाओं के अन्तर्गत एक लाख उपभोक्ताओं ने 285 . 868 किलोवाट का अनाधिकृत लोड घोषित किया था।

इस योजना के अन्तर्गत उपोभोक्ताओ की उपरोक्त श्रेणियों द्वारा घोषित लोड (भार) का विस्तृत विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

इस योजना के अन्तर्गत उपरोक्त श्रेणियों के उपभोक्ताओं द्वारा घोषित लोड का विस्तृत विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

क्र०सं०	उपभोक्ताओं की श्रेणी	आवेदकों की सख्या	घोषित किया गया भार (किलो वाट में)
1.	घरेलू आपूर्ति	68876	165876
2	गैर–घरेलू आपूर्ति	2649	12874

	(वाणिज्यिक)		
3	औद्योगिक	1377	27253
4	कृषि	28509	79865
योग	101911	285868	

Closure of Shops

***865. Shri Krishan Pal :** Will the Town and Country Planning Minister be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the commercial shops are being run in the residential areas in Sector 18-A of Faridabad, if so, the House Nos, in which such shops are being run; and

(b) whether the shops referred to in part (a) above are running in accordance to the Govt, Policy; if not, the steps taken or proposed to be taken for the closure of these shops ?

नगर एवं आम आयोजना मन्त्री (श्री धीर पाल सिंह):

(क) हां, श्रीमान जी। केवल दो मकानों में (नम्बर 42 व 49) सैक्टर 18–ए, फरीदाबाद में वाणिज्यिक गतिविधिया चल रही हें।

(ख) नही। हुडा ने पहले ही इन दोनो प्लाटो के भवन समेत जस्ती आदेश जारी कर दिये हैं।

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Safai Karamcharis of Municipal Committees

67. Sh. Anil Vij : Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state -

(a) whether it is a fact that the equipment and number of Safai Karamcharis posted in the respective Municipal Committees, Councils and Corporations are not adequate to keep the areas neat and clean in the State; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to provide the adequate staff and equipment as per requirement of the aforesaid Committees/Councils, Corporations ?

नगर विकास राज्य मके (श्री सुभाष गोयल):

(क) नगर परिषदो/नगरपालिकाओं व नगर निगम में जो स्टाफ व उपकरण उपलव्य हैं, वह पालिकाओं की कमजोर वित्तीय स्थिति एवं जनसंख्या व क्षेत्र मे वृद्धि के कारण उनकी सामान्य आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त नही हे।

(ख) हरियाणा के कस्बों में सफाई की स्थिति में सुधार लाने के लिए 28 कस्वों में ठोस कुड़ा कर्कट प्रबन्धन के लिए 101. 78 करोड़ रुपये की लागत से एक योजना तैयार करके हुडको तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रीय योजना बोर्ड द्वारा स्वीकृत की गई है। इस आधुनिक योजना का उद्देश्य, व्यक्तियो द्वारा गंदगी उठाने को कम करना एवं यान्त्रिकीकरण को बढ़ावा देने से है। इस स्कीम के अन्तर्गत आधुनिक उपकरण जैसा कि डॅम्पर प्लेसरज,

जे०सी०बी०. ट्रैक्टर ट्राली आदि खरीद किये जाने प्रस्तावित किये गये हैं। सफाई व्यवस्था में सुधार तथा खर्च को कम करने की दृ ष्टि से –सफाई कार्य के निजीकरण बारे प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। परीक्षण के तौर पर नगरपरिषद बहादुरगढ़ व पंचकूला के मामले अनुमोदित किये जा चुके हैं। उपरोक्त परिषदो द्वारा टैण्डरों को शीघ्र ही अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

जहां तक फरीदाबाद नगर निगम का संबध है, सफाई हेतु क्षेत्र का एक भाग पहले ही 12 –7 –2001 से सुलभ इन्टरनैशनल को दिया गया है और यह एजैन्सी 675 व्यक्तियों के माध्यम से सफाई का रख –रखाव कर रही हे।

Outstanding Amount of House Tax

68. Sh. Anil Vij : Will the Chief Minister be pleased to state -

(a) whether it is a fact that an amount of house tax rent, Tehbazari and any other taxes have been outstanding for recovery in the Municipal Committees, Municipal Councils and Municipal Corporations for the last many years in the State; and

(b) If so, the Committee/Council/Corporation-wise and headwise details of the said amount which has been outstanding for the last one year, two years, three years, four years, five years or more ?

नगर विकास राज्य मन्त्री (श्री सुभाष गोयल):

(क) जी हां।

(ख) बकाया करों का शीर्षावार तथा पालिकावार विवरण अनुबन्ध क ख, ग तथा घ पर दर्शाया गया है।

अनुबन्ध ''कं'

गत एक वर्ष, दो वर्ष, तीन वर्ष, चार वर्ष, पांच वर्ष तथा पाच वर्ष से अधिक समय से बकाया भवन एव भूमि कर का विवरण।

(रुपये लाखों में)

क्र० सं०	पालिका का नाम	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	योग 3 से 8
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	कालका	15.76	8.69	6.86	5.76	5.45		42.52
2.	पिंजौर	5.00						5.00
3	पंचकूला							
4.	अम्बाला शहर	133.32	70.48	82.35	60.68	63.91		410.74
5	अम्बाला सदर	50.40	38.50	27.24	12.68	14.35		143.20

6	नारायणगद	2.47	2.13	1.71	1.35	9.23		16.89
7	यमुनानगर	4.17	9.65	9.76	7.50	4.93		36.01
8	जगाधरी	10.47	15.20	9.51	10.52	12.32	32.50	90.52
9.	थानेसर	82.65	86.07	68.63	54.58	39.39	20.16	351.48
10.	शाहाबाद	44.11	43.97	37.65	31.22	32.26	32.90	222.11
11.	लाडवा	5.40	4.14	5.21	4.82	6.68		26.45
12	पेहवा	9.83	9.59	18.70	13.32	4.72		56.16
13	कैथल	50.24	45.10	51.76	49.01	45.66	38.08	279.85
14	चीका	16.27	15.45	13.25	11.23	8.40		64.60
15.	पुण्डरी		5.34	4.60	4.06	3.40		17.40
16.	कलायत		13.60	17.59	14.14	12.25		57.58
17.	करनाल	100.80	105.00	94.44	80.53	62 75		443.52
18	घरौण्डा	5.43	5.25	5.94	7.57	6.85		31.04
19	तरावड़ी	15.29	9.36	15.39	15.01	15.05		70.10
20.	असन्ध	6.47	4.64	3.98	2.63	1.88		19.60

21	नीलोखेडी		2.84	2.11	2.61	1.76		9.32
22	इन्द्री		8.54	4.22	4.60	3.59		20.95
23.	पानीपत	28.66	8.29	7.06	6.73	6.58		57.32
24.	समालखा	3.74	3.28	2.39	2.11	2.56		14.08
25.	रोहतक	23.57	21.32	12.33	10.26	6.23	12.98	86.69
26.	महम	0.21	0.67	0.70	0.81	0.72	0.12	3.23
27.	कलानौर	0.59	0.30	0.06	0.13	0.02	0.90	2.00
28.	झज्जर	16.08	12.10	11.50	9.41	8.71		57.80
29	बहादुरगढ़	25.62	27.39	33.96	28.77	25.84	148.04	289.62
30	बेरी		1.14	1.32	1.00	0.42		3.88
31.	सोनीपत	6.18						6.18
32.	गोहाना	17.92	15.39	16.88	11.69	19.12		81.00
33.	गन्नौर	6.08	6.06	4.22	2.35	0.92		19.63
34.	खरखौदा		1.17	0.75	0.84	0.64		3.40
35	गुडगावां	4.51	3.56	2.51	3 19	5.69	12 99	32.45

36	फिरोजपुरझिरका	J0.91	0.90	0.70	1.10	1.27	2.70	7.58
37.	सोहना	5.70	4.00	4.61	4.00	3.41	7.84	29.56
38.	सोहना	1.30	1.48	1.05	0.90		0.76	5.49
39	तावडू	2.22	2.30	2.73	2.41			9.66
40.	पटौदी	0.33	1.00	1.11	1.11	2.16		5.71
41.	हेलीमण्डी	0.43	0.47	0.31	0.31			1.52
42.	पलवल	25.14	11.33	23.00	27.14	27.76	20.42	134.79
43	होडल		7 37	4.27	5.37	1.01	1.51	19.53
44.	रिवाडी	80.32	43.01	40.56	38.53	33.18		235.60
45	बावल	4.05	5.27	6.13	5.34	6.34		27.13

अनुबन्ध ख

गत एक वर्ष, दो वर्ष, तीन वर्ष. चार वर्ष, पाच वर्ष तथा पाच वर्ष से अधिक समय से बकाया किराये का विवरण।

(रुपये लाखो में)

क्र० सं०	पालिका का नाम	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पाच वर्ष से	योग 3 से 8

							अधिक	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	कालका	0.45	0.70	0.71	0.65	0.83		3.34
2.	पिंजौर							
3	पंचकूला							
4.	अम्बाला शहर	40.67	42.03	45.78	48.68	48 99		226.15
5	अम्बाला सदर	28.56	37.20	45.12	58.83	62.59		232.30
6	नारायणगद	4.31	3.42	3.47	3.38	0.36		14.94
7	यमुनानगर	1.50	1.50	1.50	1.50	1.50	7.90	15.40
8	जगाधरी							
9.	थानेसर	7.25	8.61	7.60	6.25	8.59		38.30
10.	शाहाबाद	3.59	2.47	2.35	2.04	2.30	2.52	15.27
11.	लाडवा	2.00	0.36	0.82	1.33	2.06		6.57
12	पेहवा	1.02		9.63	4.94			15.59
13	कैथल	21.53	18.64	16.75	15.27	14.31	8.93	95.43

14	चीका	0.55	0.13	0.09	0.09	0.23		1.09
15.	पुण्डरी		6.56	3.40	3.44	0.82		14.22
16.	कलायत	3.32	3.00	3.89	3.16	3.22	1.88	18.47
17.	करनाल	8.24	7.75	9.23	19.61	8.37		53.20
18	घरौण्डा	0.32	0.32	0.32				0.96
19	तरावड़ी	0.70	0.60	0.55	0.40	0.45		2.70
20.	असन्ध	0.04	0.14	0.08	0.10	0.13		0.49
21	नीलोखेडी		3.55	1.96	1.91	2.86		10.28
22	इन्द्री		4.32	0.52	0.58	0.73		6.15
23.	पानीपत	5.37	1.88	1.63	1.03	0.84		10.75
24.	समालखा	2.72	2.26	1.49	1.21	1.05		8.73
25.	रोहतक	3.17	3.18	3.07	2.14	2.24	2.93	16.73
26.	महम	0.10	0.18	0.23	0.22	0.17		0.90
27.	कलानौर	0.03						0.03
28.	झज्जर	2.50	1.31	3.68 .	1.69	2.89		12.07

29	बहादुरगढ़	3.31	1.46	1.67	9.70	2.00	23.41	41.55
30	बेरी		1.22	1.68	2.21	1.30		6.41
31.	सोनीपत	4.99						4.99
32.	गोहाना	5.06	4.99	4.14	3.31	5.11		22.61
33.	गन्नौर	1.87	1.74	1.95	1.12			6.68
34.	खरखौदा			0.82	0.96	0.75		2.53
35	गुडगावां	0.10	0.26	0.66	0.17	0.10	0.66	1.95
36	फिरोजपुरझिरका	0.27	0.60	0.51	0.55	2.11	2.11	6.15
37.	सोहना							
38.	सोहना	0.78	0.15				0.11	1.04
39	तावडू	0.09	0.07	0.06	0.07			0.29
40.	पटौदी	0.23	0.47	0.29	0.29	0.71		1.99
41.	हेलीमण्डी	1.14	1.14	1.14	1.14	1.14		5.70
42.	पलवल	1.31	1.49	1.57	2.24	2.55	2.28	11.44
43	होडल	0.42	0.37	0.36	0.35	0.27	0.25	2.02

44.	रिवाडी	49.21	59.22	57.92	44.83	53.48		264.66
45	बावल	5.04	4.31	2.41	1.73	2.22		15.71
46.	नारनौल	0.35	0.12					0.47
47.	महेन्द्रगढ़	8.85	10.20	6.70	1.40	1.10		28.25
48.	भिवानी	0.48	0.44	0.42	0.38	0.38	0.36	2.46
49	चरखीदादरी	12.99	10.60	9.73	8.50	6.98		48.80
50.	बवानीखेडा	0.30	0.30	1.01	1.09	1.08		3.78
51.	सिवानी		0.13	0.10	0.07	0.10		0.40
52	हिसार			1.26	1.88	3.17	7.17	13.48
53.	हांसी	1.73	1.17	1.08	1.21	1.32		6.51
54.	बरवाला	4.67	4.01	1.77	1.30	3.17	3.17	18.09
55	नारनौंद		2.43	1.11	0.59	0.05		4.18
56	फतेहाबाद	2.10						2.10
57.	टोहाना	3.31	2.16	1.10	1.20	0.60	0.42	8.79
58	रतिया	2.42	2.06		0.32		0.63	5.43

59	जींद	2.65	2.45		0.10	2.29		7.49
60.	नरवाना	2.51	13.19	7.03	4.55	11.56		38.84
61.	सफीदो	0.85	0.77	0.52	0.92	0.49		3.55
62.	उचाना			3.00	2.00	1.90		6.90
63.	सिरसा	33.93	23.91	27.18	20.90	33.59	63.44	202.95
64	डबवाली	1.38	0.90	0.75	0.40	0.30		3.73
65.	ऐलनाबाद		0.04					0.04
66	कालावाली	4.21	3.96	2.76	3.75	5.28	17.74	37.70
68	फरीदाबाद	0.84	1.42	0.62	1.09	0.13	1.98	6.08
	नगरनिगम	18.82	17.86	19.38	17.70	22.63	27.02	123.41
	कुल योग	314.15	325.72	324.57	316.47	333.39	174.91	1789.21

अनुबन्ध 'ग '' –

गत एक वर्ष, दो वर्ष, तीन वर्ष, चार वर्ष, पांच वर्ष तथा पांच वर्ष से अधिक समय से बकाया तहबाजारी का विवरण।

(लाखों में रुपये)

क्र०	पालिका का	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच	पाच	योग 3

सं०	नाम					वर्ष	वर्ष से अधिक	से 8
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	कालका							
2.	पिंजौर							
3	पंचकूला							
4.	अम्बाला शहर							
5	अम्बाला सदर	3.35	3.70	3.69	3.51	3.61		17.86
6	नारायणगद							
7	यमुनानगर	1.41						1.41
8	जगाधरी							
9.	थानेसर							
10.	शाहाबाद							
11.	लाडवा							
12	पेहवा							
13	कैथल	0.18	0.18	0.11	0.06	0.30	0.98	1.81

14	चीका							
15.	पुण्डरी					0.54		0.54
16.	कलायत							
17.	करनाल							
18	घरौण्डा							
19	तरावड़ी							
20.	असन्ध							
21	नीलोखेडी							
22	इन्द्री							
23.	पानीपत							
24.	समालखा							
25.	रोहतक							
26.	महम							
27.	कलानौर						0.47	0.47
28.	झज्जर							

29	बहादुरगढ़							
30	बेरी		0.36	0.62	0.52	0.18		1.68
31.	सोनीपत							
32.	गोहाना							
33.	गन्नौर							
34.	खरखौदा							
35	गुडगावां							
36	फिरोजपुरझिरका	'014	0.16	0.11	0.16	0.20	0.26	1.03
37.	सोहना							
38.	सोहना	0.29	0.51	0.41	0.33		0.70	2.24
39	तावडू	0.03	0.03	0.02	0.03	0.03		0.14
40.	पटौदी							
41.	हेलीमण्डी							
42.	पलवल	0.97	1.26	2.80	3.27	3.52		11.82
43	होडल							

44.	रिवाडी	1.49	1.67	1.68	1.65	1.66		8.15
45	बावल	0.52	0.49	0.57	0.51	0.31		2.40
46.	नारनौल	0.19	0.40					0.59
47.	महेन्द्रगढ़							
48.	भिवानी							
49	चरखीदादरी							
50.	बवानीखेडा							
51.	सिवानी		0.01					0.01
52	हिसार							
53.	हांसी							
54.	बरवाला							
55	नारनौंद							
56	फतेहाबाद							
57.	टोहाना							
58	रतिया							

59	जींद							
60.	नरवाना							
61.	सफीदो							
62.	उचाना							
63.	सिरसा							
64	डबवाली							
65.	ऐलनाबाद							
66	कालावाली							
68	फरीदाबाद							
	नगरनिगम							
	कुल योग	8.57	8.77	10.01	10.04	10.35	2.41	50.15

अनुबन्ध 'घ''

गत एक वर्ष, दो वर्ष, तीन वर्ष, चार वर्ष, पाच वर्ष तथा पांच वर्ष से अधिक समय से बकाया अन्य कर का विवरण।

(रुपये लाखों में)

क्र०	पालिका का	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पाच	योग 3 से

सं०	नाम						वर्ष से अधिक	8
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	कालका							
2.	पिंजौर							
3	पंचकूला							
4.	अम्बाला शहर							
5	अम्बाला सदर							
6	नारायणगढ	1.50	1.50	1.50	1.50	1.50		7.50
7	यमुनानगर	8.82						8.82
8	जगाधरी							
9.	थानेसर							
10.	शाहाबाद							
11.	लाडवा							
12	पेहवा							
13	कैथल							

14	चीका							
15.	पुण्डरी							
16.	कलायत							
17.	करनाल	0.04	0.06	0.02		0.17		0.29
18	घरौण्डा							
19	तरावड़ी							
20.	असन्ध							
21	नीलोखेडी							
22	इन्द्री							
23.	पानीपत							
24.	समालखा							
25.	रोहतक	0.21	0.12	0.12				0.45
26.	महम							
27.	कलानौर							
28.	झज्जर							

29	बहादुरगढ़	5.00	5.00	5.00				15.00
30	बेरी		0.36	0.63	0.47	0.25		1.71
31.	सोनीपत							
32.	गोहाना							
33.	गन्नौर							
34.	खरखौदा							
35	गुडगावां	5.65						5.65
36	फिरोजपुरझिरका							
37.	सोहना	0.29						0.29
38.	सोहना	0.73	0.45					1.18
39	तावडू							
40.	पटौदी							
41.	हेलीमण्डी							
42.	पलवल	0.84	0.65	0.45	0.26	0.17	0.09	2.46
43	होडल							

44.	रिवाडी								
45	बावल								
46.	नारनौल								
47.	महेन्द्रगढ़								
48.	भिवानी								
49	चरखीदादरी								
50.	बवानीखेडा								
51.	सिवानी								
52	हिसार	35.77							35.77
53.	हांसी	0.13							0.13
54.	बरवाला								
55	नारनौंद								
56	फतेहाबाद								
57.	टोहाना								
58	रतिया	1.80							1.80

59	जींद	27.11	0.88	0.63				28.62
60.	नरवाना							
61.	सफीदो	1.37						1.37
62.	उचाना							
63.	सिरसा							
64	डबवाली							
65.	ऐलनाबाद							
66	कालावाली							
68	फरीदाबाद							
	नगरनिगम	2007.25	2144.29	2184.60	2286.69	2235.60	957.49	11815.92
	कुल योग	2096.51	2153.31	2192.95	2288.92	2237.69	957.58	11926.96

Outstanding Amount of Loan Against Cooperative Sugar Mills

69. Sh. Anil Vij : Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that a huge amount of loan is outstanding against the Cooperative Sugar Mills of the State; and

(b) if so, the Mill-wise details of the amount which

has been outstanding for the last one year, two years, three years, four years, five years and more years; togetherwith the steps taken or proposed to be taken for the repayment of the said loan ?

सहकारिता मन्त्री (श्री करतार सिंह भडाना): (क) एवं (ख) मिलवार वाछित विवरण निम्न प्रकार है:–

(लाख रूपयों में)

क्रमांक	मिल का नाम	नीचे वर्णित तिथियों को बकाया ऋण तथा ब्याज की राशि				
1.	पानीपत	31-3-2001	31-3-2000	31-3-99	31-3-98	31-3-97
2	रोहतक	5425.48	4717.20	3530.29	2263.59	1482.12
3.	सोनीपत	2040.41	1496.57	389.47	429.81	439.13
4	महम	1359,34	1060,56	469,47	457.87	446.27

5.	कैथल	2931.35	2293.05	953.05	3032,24	3017,93
6	भूना	3537,61	2846.68	1318,12	2553,02	972,44
7	करनाल	7303.55	6115.00	4954.27	3791 05	4620.33
8	शाहबाद	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
9	जीन्द	सम	सम	सम	सम	सम
10.	पलवल	सम	सम	सम	सम	सम
11	सिरसा	सम	सम	सम	सम	सम
12.	गोहाना	सम	सम	सम	सम	सम

इस ऋण की अदायगी के लिए निम्न पग उठाए गए हौ उठाए जाने प्रस्तावित हैं: –

1 वर्ष 1999 –2000 –की तुलना में गत वर्ष और इस वर्ष के दौरान सहकारी चीनी मिलों के कार्य परिणामों मे सुधार हुआ है जोकि निम्न तालिका से स्पष्ट है: –

मापदण्ड	1999-2000	2000-2001	2001-2002
गन्ना पिराई (लाख क्विंटलों में)	274.71	342.68	400.00
चीनी रिकवरी (प्रतिशत) चीनी उत्पादित (लाख क्विंटलों में)	8,97	9.56	9.75

मापदण्ड	24.62	32.83	40.00

2. सहकारी चीनी मिल पानीपत, रोहतक, सोनीपत, महम, कैथल एव भूना जिनकी नैटवर्थ नकारात्मक है, को पुनर्स्थापित करने के प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है।

3 वेतन व भत्तो का खर्च कम करने के लिए सहकारी चीनी मिल की स्टाफ संख्या को तर्क सगत बनाया गया है।

Houses for Government Employees

70. Shri Anil Vij, M.L.A. Will the Minister for Town &Country Planning be placed to state—

(a) whether it is a fact that the Houses constructed by the State Government for its employees are inadequate; and

(b) the category wise number of Houses in the state as at present togetherwith the steps taken to solve the Housing probled of the employees ?

Interim Reply

अ०स० पत्र क्र० 101—N

धीरपाल सिंह नगर एवं ग्राम आयोजना,

राजस्व तथा आवास मंत्री

हरियाणा, चण्डीगढ।

दिनांक 5 मार्च, 2002

विषय अतारांकित विधान सभा प्रश्न नम्बर– 70 श्री अनिल विज विधायक द्वारा।

प्रिय श्री कादियान जी.

उपरोक्त सम्बन्ध में आपको यह सूचित किया जाता है कि माननीय अनिल विज, विधायक हरियाणा के द्वारा पूछा गया उक्त प्रश्न 7 –3 –2002 को नियत है। इस प्रश्न से सम्बन्धित सूचना हरियाणा के सभी विभागो (लगभग 82) से प्राप्त की जानी है। सूचना प्राप्त करने के लिए सभी विभागों को अनुरोध कर दिया गया है। विभागों ने भी यह सूचना अपने अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त करनी है। इस प्रश्न का उत्तर सभी बिमलों से सूचना प्राप्त होने पर संचित किया जायेगा तथा उसके उपरान्त ये सूचना भेजी जा सकेगी। इस सूचना को एकत्रित करने तथा उत्तर देने में काफी समय लगने की सम्भावना है।

2. अत आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस अतारांकित प्रश्न का उत्तर देने के लिए कम से कम चार सप्ताह का समय प्रदान किया जाये।

सादर

आपका शुभचिन्तक,

(हस्ता/ –)

(धीरपाल सिंह)

श्री सतबीर सिंह कादियान

अध्यक्ष हरियाणा विधान सभा।

अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचना

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने आपके खिलाफ ब्रीच ऑफ प्रिविलेज का नोटिस दिया हुआ है उसके बारे में आपने क्या फेसला किया है।

श्री अध्यक्षः वह अंडर कसिड्रेशन है। (शोर)

ध्यानाकर्षण सूचना –

हाल ही में ओलों बेमौसमी वर्षा क्या तेज सदी क्या धुंध के कारण चना. सरसों का तिलहन की फसलों की भारी क्षति संबंधी

Mr. Speaker : Hon'ble Member, I have received a Calling Attention Notice from Shri Ajay Singh Yadav, M.L.A. and other three members regarding the extensive damage of crops, I admit it, Since Shri Ajay Singh Yadav, Shri Dharambir Singh, Snit. Anita Yadav, M,L,As have been suspended from the House, therefore, Shri Narender Singh may read the notice, who is one of the signatories.

राव नरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब. मैंने ओर हमारे हाउस के तीन सम्मानित सदस्यों ने एक कालिंग अटेंशन नोटिस अन्दर

रूल 73 के तहत आपको दिया था. जिसको आपने स्वीकृत किया है। स्पीकर साहब हाल ही में ओलों, बेमौसमी वर्षा तथा तेज सर्दी तथा धुंध के कारण चना, सरसो तथा अन्य तिलहन की फसलों की भारी क्षति के सबंध में एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर इस महान् सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। रिवाड़ी महेन्द्रगढ भिवानी झझर तथा गुड़गांव जिलों में 50 से 80 प्रतिशत की सीमा तक क्षति हुई है। इन प्राकृतिक अस्थिरताओं के कारण किसानों का कठोर परिश्रम पूर्णतया व्यर्थ चला गया है। क्षेत्र के किसान छोटे भू–स्वामी हैं जिन्होंने न केवल अपनी कमाई का निवेश किया है अपितु इन फसली के लिए ऋण भी उठाया है। इन परिस्थितियों में वे निवेदन करते हैं कि फसलों की क्षति का अनुमान लगाने के लिए एक विशेष गिरदावरी के आदेश दिये जाने चाहिए तथा फसलों की क्षति के लिए सरकार को उचित मुआवजा देना चाहिए जो कि कम से कम 10000/ – रुपये प्रति एकड होना चाहिए। ऋणों तथा अन्य देयो की वसूली स्थगित की जानी चाहिए।

इसलिए वे राज्य सरकार से निवेदन करते हैं कि वह इस संबंध में सदन में एक वक्तव्य दे।

वक्तव्य –

ग्राम तथा नगर आयोजना मन्त्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

Mr. Speaker : Now, Revenue Minister will make a Statement.

आम तथा नगर आयोजना मन्त्री (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर साहब, मैं आपसे निवेदन करता हूं कि एक जानकारी इस रिप्लाई में अंकित होनी रह गई है इस अतिरिक्त जानकारी को अंकित करने के लिए आप मुझे अनुमति दें ताकि मैं यह जानकारी दर्ज करा सकूं। यह अतिरिक्त जानकारी है कि इस रिप्लाई में गुड़गांव का प्रभावित रकबा अंकित नहीं था। हमें जो रिपोर्ट आई है उसके मुताबिक गुडगांव के एक गाव मोऊ में गेहूं और सरसों का प्रभावित रकबा 650 एकड़ है। स्पीकर सर, उपायुका रिवाड़ी, गुड़गांव, महेन्द्रगढ़ तथा फरीदाबाद व आयुका मण्डल गुड़गांव से सूचना प्राप्त हुई है कि दिनांक 15 और 17 जनवरी, 2002 को ओलावृष्टि के कारण खड़ी फसल को नुकसान हुआ है। माननीय मुख्यमन्त्री महोदय ने और हरियाणा सरकार ने तमाम कार्यवाही करके स्पेशल गिरदावरी के आदेश जारी किए और उन आदेशों में फसलवार और ब्यौरेवार प्रतिशत दिखाने के आदेश जारी किए गए। विशेष गिरदावरी के आधार पर उपरोक्त उपायुक्तों से फसलों को हुए नुकसान का विवरण निम्न प्रकार से प्राप्त हुआ है।

क्र० स	जिले का नाम	प्रभावित गांवकी सख्या	क्षतिग्रस्त फसलो के नाम	प्रभावित रकबा	नुकसान की प्रतिशतता

1	2	3	4	5	6
1.	गुडगाव	–	गेहू तथा सरसो	–	25 प्रतिशत से कम
2.	महेन्द्रगढ	5	–	–	मामूली ओलावृष्टि फसलों को कोई नुकसान नही।
3.	रिवाडी	10	सरसों	158 एकड	26 से 50 प्रतिशत
4.	फरीदाबाद	10	सरसो तथा दाले	161 एकड	1 से 25 प्रतिशत 11 एकड़ 26 से 50 प्रतिशत 79 एकड़ 51 से 75 प्रतिशत 53 एकड 76 से 100 प्रतिशत 18 एकड

मुआवजा देने सम्बन्धी उपरोक्त मामले विचाराधीन हैं और प्रभावित किसानो को सरकार द्वारा निर्धारित नॉर्म्ज अनुसार मुआवजा दिया जायेगा।

इसके पश्चात् राज्य में दिनाक 22 से 24 फरवरी, 2002 तक वर्षा/ओलावृष्टि हुई।

तदानुसार राज्य के सभी उपायुक्तो से अनुरोध किया गया कि यदि खड़ी फसलों. को हाल ही में हुई ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है तो उसकी प्रतिशतता सहित सूचना भेजी जाये। इस सम्बन्ध मे निम्नलिखित उपायुक्तों से सूचना प्राप्त हुई है. –

क्र० स०	जिले का नाम	नुकसान की प्रतिशतता
1.	रोहतक	20 प्रतिशत से कम
2.	कुरुक्षेत्र	शून्य
3.	फरीदाबाद	शून्य
4	झज्जर	शून्य
5.	गुड़गाव	शून्य
6.	भिवानी	23 गांवों में खराबा हुआ है।
7.	सिरसा	उपमण्डल डबवाली व ऐलनाबाद के 12 गाव प्रभावित हुये हैं।

		विस्तृत रिपोर्ट बाद में भेजी जायेगी।
8	अम्बाला	शून्य
9.	हिसार	शून्य
10.	पानीपत	शून्य
11.	करनाल	मामूली ओलावृष्टि, कोई नुकसान नही।

किन्तु, किसी भी उपायुक्त ने बे मौसमी वर्षा, अत्याधिक सर्दी तथा पाला के कारण खड़ी फसलों का नुकसान बारे सूचित नही किया है।

ओलावृष्टि के कारण खड़ी फसलों को हुये नुकसान के दृष्टिगत राज्य के सभी उपायुक्तो को निर्देश दिए गए हैं कि ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में विशेष गिरदावरी करवाई जाये तथा इसकी रिपोर्ट सरकार को आगामी कार्यवाही हेतु भेजी जाये।

मैं इस महान सदन को आश्वासन दिलाना चाहता हूँ कि सरकार स्थिति बारे पूरी तरह जागरुक है तथा प्रभावित किसानो को सरकार द्वारा निर्धारित नार्म्ज अनुसार मुआवजा दिया जाएगा।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय को बताना चाहूंगा (विध्न)

श्री अध्यक्षः राव साहब, आप उनको बताएं नहीं अपना प्रश्न पूछें और जानकारी लें।

राव नरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब इनके पास जो रिपोर्ट है ....

श्री अध्यक्षः रिपोर्ट गलत नही है, 'गलत' शब्द को कार्यवाही से निकाल दें।

राव नरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय खुद किसान के बेटे हैं। आठ और नौ फरवरी की रात को अत्याधिक पाला पड़ने की वजह से फसल को भारी नुकसान द्या। आपको पता ही है कि जिला महेन्द्रगढ में सरसो की फसल मुख्य फसल है। किसान के बच्चों की ब्याह– शादी और पढ़ाई वगैर सारे कार्य इस सरसो की फसल से ही होते हैं। स्पीकर सर. यह कोई राजनैतिक मच नहीं है। हम आपसे यह निवेदन करना चाहते हैं कि आप दोबारा वहां का सर्वे करवाएं। मेरी खुद इस बारे मे डी०सी० नारनौल से बात हुंई है उन्होंने कहा है कि हमने रिपोर्ट भेज दी है बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। यह बड़े अफसोस की बात है कि मुआवजा देना तो दूर की बात है, सरकार किसान के नुकसान को नुकसान ही नही मान रही हैँ।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, भाई नरेन्द्र सिंह जी विधायक हैं, किसान के बेटे भी हैं और सदन में यह कह रहे हैं कि सरकार मुआवजा नही देना चाहती है। स्पीकर सर, मैंने अभी

जो रिपोर्ट सदन के सामने रखी है यह डी०सी० महेन्द्रगढ़ की रिपोर्ट है। स्पीकर सर, मैं सदन में आश्वासन देना चाहूगा कि ओलावृष्टि से जो –जो नुक्सान हुआ है उस बारे में स्पेशल गिरदावरी से पता करके जिसका जो नुक्सान हुआ है उसको 15 दिन के अन्दर मुआवजा देंगे।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये मुआवजा क्या देंगे यह रिपोर्ट ही ' है। ये दोबारा से जांच करने के लिए टीम क्यों नहीं बनवाते हैं। ये मेरे साथ सदन के कुछ सदस्यों को भेजें अगर मैं जो बात कह रहा हू वह गलत होगी तो मैं सदन से इस्तीफा दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः नरेन्द्र सिंह जी ने जो कृ शब्द इस्तेमाल किया है वह कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, सभी मैम्बर्ज साहेबान इस बात से भली भांति परिचित हैं कि इस बार गेहूं सरसों और चने की फसल बहुत अच्छी हुई थी, लेकिन भगवान के आगे किसी की नहीं चलती वहां पर धुन्ध पड गई लेकिन जिस तरह का अनुमान लगाया गया था उतना नुकसान नहीं द्या। मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि मैं यहां कोई राजनीति नहीं कर रहा हूं यह कोई मंच नहीं यह महान् सदन है और यहां पर हमारी जिम्मेवारी बनती है कि आपको सही बात बताई जाए। इस बात को ध्यान में रखते हुए चौधरी ओम प्रकाश जी ने जिनका जो नुक्सान हुआ है

उनको मुआवजा देने की बात की है। स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी के राज मे यह होता था कि जिस किसान का 100 प्रतिशत नुकसान होता था उसको 600 रुपए और जिस किसान का 50 से 75 प्रतिशत नुकसान होता था उसको 450 रुपए और जिस किसान का 25 से 50 प्रतिशत तक नुकसान होता था उसको 300 रुपए दिए जाते थे। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने किसानों के दुः ख को देखते हुए उनकी लागत को देखते हुए मुआवजे की राशि को बढ़ा दिया है। वह इस प्रकार से है, जिस किसान का 100 प्रतिशत नुकसान होगा उसको 2000 रुपए प्रति एकड़, जिस किसान का 50 से 75 प्रतिशत तक नुकसान होगा उसको 1500 रुपए प्रति एकड़ और जिस किसान का 25 से 50 प्रतिशत तक नुकसान होगा उसको 1000 रुपए प्रति एकड़ दिए जाएगे। स्पीकर साहब, हमने यह अमाउन्ट बिना मांगे दिया है। यह सरकार हर वर्ग की हितैषी सरकार है। सबके दुख को महसूस करती है।

राव नरेन्द्र सिहः अध्यक्ष महोदय, ये जो आश्वासन दे रहे हैं इससे काम नही चलेगा। हम तो दोबारा से चौक करवाने की मांग कर रहे हैं।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, भाई नरेन्द्र सिंह जी किसान के बेटे हैं और ये 15 जनवरी की बात कर रहें हैं।

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं 8,9 फरवरी की बात कर रहा हूं।

श्री धीरपाल सिंहः नरेन्द्र सिंह जी, ओलावृष्टि से हुए नुक्सान का तीसरे दिन ही पता चल जाता है। आज तारीख 7 हो गई है। इस तरह की बात राजनीति में चमकने के लिए कही जाए ठीक बात नहीं है। (विघन)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः ....

चौधरी भजन लालः ....

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड नही किया जाए।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ और झझर खुश्क इलाका है वहां पर कटाई शुरू हो गई है तो आज उस फसल के मालिकान का कैसे पता लगेगा कि कौन है। अगर किसान के खेत में ओलावृष्टि से नुकसान होता है तो उसको तीन दिन के अन्दर दर्ज किया जा सकता है। हमारी सरकार ने उसको चौक करवा लिया है और जिनका जितना नुकसान हुआ है उनको हम मुआवजा देंगे।

श्री भागीरामः स्पीकर सर. वैसे तो मंत्री महोदय ने इनके ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के बारे में जवाब दे ही दिया है लेकिन मैं एक बात कहना चाहूगा। यह धुंध की वजह से सरसों की फसल के नुक्सान की बात कर रहे हैं। मैं आपको बताना चाहूंगा कि ये सही मायनो में किसान हें ही नहीं। ये किसान के घर में पैदा जरूर हुए हैं लेकिन असल में ये किसान नही हैं। ये किसान की

वैसे ही बात कर रहें हैं इनको किसानी के बारे में कोई ज्ञान नही है (शोर एवैं व्यवधान)

राव नरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, हम किसान हैं तब ही इस बारे में कह रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: आप जाति से तो किसान हैं लेकिन कर्म से किसान नहीं हैं।

राव नरेन्द्र सिह: अध्यक्ष महोदय. हम जाति से भी किसान हैं और कर्म से भी किसान हैं। (शोर एव व्यवधान)

श्री भागीराम: अध्यक्ष महोदय, अगर ये किसान होते तो धुंध का नाम लेकर फसल खराब होने की बात इस तरह से नही करते। अध्यक्ष महोदय, आप भी किसान हैं और मैं भी किसान हूं इसलिए मैं तजुर्बे के मुताबिक कहता हू कि अगर धुंध न पड़ती तो गेहू की फसल आधी होती। धुध की वजह से ही इस बार यह फसल बहुत ज्यादा हुई है। (विध्न)

श्री राम किशन फौजी: अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्ष: ये जो भी बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। नरेन्द्र सिह ने अपने मोशन पर दो सप्लीमैंट्री पूछ ली है इसलिए नरेन्द्र जी अब आप बैठ जाए।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, जैसा कि आप जानते हैं कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर पाच तारीख से चर्चा चल रही है। बिजनैस एडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक ग्यारह तारीख को इस चर्चा का जवाब मुख्यमत्री जी ने देना है। जैसा मैंने कल भी कहा था कि सदस्यगण अगर इस अभिभाषण पर बोलना चाहते हैं तो वे अपने –अपने नाम दे दें और वे उतना ही बोलें जितना उनके लिए समय निर्धारित किया गया है। अब वैद्य कपूर चन्द गवर्नर ऐड्रस पर बोलेगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः गुर्जर साहब, जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः राव साहब, अभी तो कोई सब्जैक्ट ही शुरू नहीं हुआ है फिर आप किस प्यायट ऑफ आर्डर पर बोल रहे हैं।

राव इन्द्रजीत सिहः मैं आपको बताऊंगा कि सब्जैक्ट शुरू हुआ है या नही।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह): स्पीकर सर, विदआउट डिसकशन क्या कोई प्यायट ऑफ आर्डर हो सकता है?

श्री अध्यक्षः राव साहब, अभी तो कोई बिजनैस ही शुरू नही हुआ है इसलिए आप प्यायंट ऑफ आर्डर किस चीज का करेगे।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं रूल्ज ऑफ प्रोसीजर एंड कडक्ट ऑफ बिजनैस इन दी हरियाणा लैजिसलेटिव असैम्बली की किताब से रूल कोट करके आपको बताना चाहता हू। आप भी पढ़े लिखे हैं और थोडा बहुत मैं भी पढ़ा लिखा हू। अगर आप मेरी बात सुन लें तो कोई ऐसी बात नही है।

श्री अध्यक्षः अब जो भी राव साहब बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः राव साहब, आब आप बैठें। पहले बिजनैस तो शुरू होने दे और उसके बाद आप अपना प्वायट ऑफ आर्डर रेज करे। आप कृपया हमे सहयोग दें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह तो एक मैम्बर के साथ ज्यादती है। यह रूल का हवाला देकर अपनी बात कहना चाहते हैं आप इनकी बात सुन ले।

श्री अध्यक्षः ज्यादती तो आप कर रहे हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने आपके खिलाफ बीच ऑफ प्रिविलेज का मोशन दिया हुआ है उसके बारे में बताए।

श्री अध्यक्षः इस बारे में मैंने आपको पहले ही बता दिया है कि वह अंडर कसीड्रेशन है। **चौधरी भजन लालः** वह हमने कल का दिया हुआ है।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए।

राव इन्द्रजीत सिंहः सर, मेरा प्याइट ऑफ ऑर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं।

राव इन्द्रजीत सिंहः सर, अगर मेरा पाइंट ऑफ ऑर्डर नही बनता होगा तो आप कहना।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाएं। वैद्य कपूर चंद जी बोलेंगे। राव इन्द्रजीत की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

चौधरी बंसी लालः ....

श्री अध्यक्षः इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह तरीका ठीक नही है। एक? सीनियर मैंबर खडे होकर प्यायट आर्डर पर बोल रहे हैं और आप उनको भी बोलने का मौका नही दे रहे हैं।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी यहां सिफारिश नही चलती यहां कायदे कानून चलते हैं। ये आपकी सिफारिश करने के लिए खड़े हुए हैं।

चौधरी भजन लालः यह हमारा अधिकार है और हम बात कर सकते हैं।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय. आप मेरी बात सुनकर इकार कर दें तो मुझे कोई आपत्ति नही है हें रूल कोट कर रहा हू उसको आप सुने तो सही।

श्री अध्यक्षः आपसे पहले वैद्य जी बोलने के लिए खडे हुए हैं।

राव इन्द्रजीत सिंहः ....

श्री अध्यक्षः राव इन्द्रजीत सिह की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

श्री कपूर चंद शर्मा (शाहबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए आपका आभार प्रकट करता हू। राज्यपाल ने अभिभाषण पढा इसमें हरियाणा की कृषि, बिजली, उद्योग, स्वास्थ्य, चिकित्सा, नगर तथा ग्रामीण विकास की ओर पूरा ध्यान दिया गया। जनहित को ध्यान मे रखते हुए हें अपने विचार आपके माध्यम से सरकार के समक्ष रखना चाहता हूं।

एस०वाई०एल० के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐसा फैसला देकर हरियाणा राज्य की माग को पूरा किया। इसके लिए हरियाणा की सरकार ने जो परिश्रम किया उसके लिए मै माननीय मुख्यमत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)

राव इन्द्रजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट ऑफ ऑर्डर है। क्या कोई मैंबर यहां पढ़कर अपनी स्पीच दे सकता है।

श्री उपाध्यक्षः राव इन्द्रजीत सिंह आप बैठ जाए। आपने जो प्वायंट रेज किया है उसके बारे में मैं अभी बताता हूँ। राव साहब. प्लीज आप बैठ जाएं।

श्री कपूर चंद शर्माः उपाध्यक्ष महोदय, किसी प्रकार से यह काम ढीला नही पड़ना चाहिये और पंजाब सरकार इस नहर का कार्य जल्दी से पूरा करे इसके लिए दबाव डालना चाहिये। जब तक पंजाब के इलाके मे इस नहर का काम पूरा नहीं हो जाता तब तक हरियाणा के क्षेत्र में इस नहर का काम शुरु) नही करना चाहिये।

श्री उपाध्यक्षः मेरी सभी सदस्यों से प्रार्थना है कि कोई भी सदस्य अपनी सीट पर बैठे– बैठे और बिना इजाजत के नहीं बोले, चाहे वह ट्रेजरी बैंचिज का सदस्य है चाहे विपक्ष का। श्री कपूर चन्द शर्मा उपाध्यक्ष महोदय, इस नहर से हरियाणा के किसानो को भरपूर लाभ मिलेगा। इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना

करता हूं कि सम्पर्क नहर का कार्य जल्दी पूरा किया जाना चाहिये। इसके बाद मैं अपने हल्के की पुरानी लम्बित मागों को सरकार के सामने रखना चाहता हूं। मेरे हल्के में दादुपुर नलवी नहर को बनाने का कार्य जल्दी से जल्दी किया जाये। इससे यमुना नगर, अम्बाला, करनाल और कुरक्षेत्र के किसानो को पूरा लाभ मिलेगा क्योंकि यह इलाका हरियाणा में सबसे अधिक उपजाऊ इलाका है और इस इलाके मे प्रदेश का सबसे ज्यादा अनाज पैदा होता है। कल मैंने अखबार में पढ़ा था कि भूमिगत जल ढूंढते रह जाएंगे हरियाणा कें किसान। राज्य के कम से कम सात जिलों के किसानो ने यदि शीघ्र ही भूमिगत जल का अंधाधुध प्रयोग बंद न किया, तो वह दिन अब ज्यादा दूर नही जब वे खेतीबाड़ी के साथ –साथ पीने के लिए भी इस पानी को ढूंढते रह जाएंगे। अनियंत्रित दोहन के कारण प्रदेश के अम्बाला, रेवाडी, महेन्द्रगढ़, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत व गुड़गांव जिलो में भूमिगत जल का स्तर खतरनाक ढंग से नीचे जा रहा है। राज्य के लघु सिचाई व नलकूप निगम द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण से यह निष्कर्ष निकलकर आया है। सर्वेक्षण के नतीजों मे साफ कहा गया है कि राज्य के 40 फीसदी हिस्से में भूमिगत जलस्तर तेजी से गिरता जा रहा है। सबसे भयावह स्थिति कुरुक्षेत्र, रिवाड़ी व महेन्द्रगढ जिलों में है. जहां यह जल स्तर हर साल एक फुट की गति से नीचे जा रहा है। बिजली का सवाल सारे हरियाणा प्रदेश का है। बिजली उत्पादन में विभिन्न स्तर के सुधारो के कारण किसानो को काफी राहत मिली उसके बाद भी किसानों को बिजली

की अधिक आवश्यकता है। इसके साथ–साथ तुरन्त टयूबवैल्ज के कनैक्शज देने के लिए किसानो से जो 10000, 20000, 30000 रुपये खम्बो के हिसाब से लिये जाते हैं यह बहुत अधिक पैसा है और नाजायज है। इसलिए इस समस्या को दूर किया जाये और इस राशि को किसानो से न लिया जाये ऐसा मेरा सरकार से अनुरोध है। इसके अलावा बिजली के सलैब के रेट के अलग–अलग क्षेत्र मे अलग –अलग पैसे लिये जाते हैं कहीं 30/– रुपये कहीं 40/ – रुपये कही 50/– रुपये हैं इनको दोबारा सर्वे करवाकर एक जैसा किया जाना चाहिये। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में बाढ़ प्रति वर्ष आती है और उसमें कम से कम 20–25 गांव जलमग्न हो जाते हैं और फसलों को बडा भारी नुकसान हो जाता है। यदि इसका कोई समाधान नहीं किया गया तो जमीदारो का बडा भारी नुकसान होगा और अनाज का भी काफी नुकसान होगा। इसलिये बाढ को रोकने के लिए सही इतजाम किये जायें। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के शहर शाहबाद मे गंदगी बहुत ज्यादा है और सीवरेज सबसे पहले 1972 में लगाना शुरु किया गया था उसका 70 प्रतिशत काम तो पूरा हो चुका है और 30 प्रतिशत रह गया है उसको जल्दी पूरा किया जाये क्योंकि शाहबाद शहर में गंदगी के पानी का कोई निकास नही है और सारे शहर में गंदगी फैली रहती हे। शहर नीचा है और बाहरी इलाका ऊंचा है, पानी की निकासी की योजना भी आ चुकी है। 1300–1400 फुट तक नाला भी बन गया है इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस काम को जल्दी पूरा

किया जाए ताकि शहर के पानी की निकासी हो सके। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के 40 –45 गाव ऐसे हैं जो शाहबाद के रेलवे फाटक को क्रॉस करके शहर में आते हैं। इस्माइलाबाद से लेकर शाहबाद तक कोई डिलीवरी केस हो, कोई एक्सीडैंट हो गया हो या फिर किसी को कोई चोट लगी हो तो उसको अस्पताल ले जाने में घटा –2 लग जाता है क्योंकि रेलवे फाटक नही खुलता। हमारे शहर शाहबाद में इलेक्ट्रिक रेलें चलती हैं, डबल लाइन है। इस फाटक की वजह से गाव के लोगों को शहर मे आने में काफी कठिनाई होती है इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर रेलवे लाइन के नीचे से कोई सड़क बनवाने का प्रबन्ध किया 'जाएं जहां से छोटी गाडियां, ट्रेक्टर, कार, रिक्शा और रेहडे वगैरह आ जा सकें। उपाध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

11.00 बजे

चौ० भजन लाल (आदमपुर): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण मे बहुत सी बाते कही हैं और सरकार ने जो आकडे उनको दिए हैं, उनको जो लिखकर भेजा गया है, उन्होंने वे सारी बातें यहां विस्तार से पढ दी। लेकिन बहुत सी बाते उन्होंने अपनी आत्मा के विरुद्ध पढी हैं क्योंकि उनकी आत्मा नही मानती थी कि सारी बाते पढे। बहुत सी बातों पर तो उन्होने कह भी दिया कि इनको पढ़ा समझा जाए क्योंकि सरकार की कारगुजारियों से वे इतने असंतुष्ट थे कि वे

सरकार की तारीफ कर नही सकतेथे। राज्यपाल महोदय बहुत ही नेक और सच्चे इन्सान हैं उनकी जितनी भी तारीफ की जाए वह कम है और ऐसे लोग बहुत ही कम मिलेंगे। राज्यपाल महोदय की तो मजबूरी होती है कि सरकार उनको जो लिखकर भेजे उन्हे उनको पढना ही होता है। लेकिन मुझे अफसोस के साथ कहना पडता है कि इस अभिभाषण में लिखा हुआ हूँ कि हमने इतने यूनिट बिजली पैदा की। जबकि इन्होने एक भी यूनिट –बिजली को नही पैदा किया। एस०वाई०एल० नहर के बारे में चौधरी बंसीलाल जी ने बहुत सी ठीक बातें कही। इस सरकार का एस०वाई०एल० नहर के मामले मे कोई भी सहयोग और योगदान नही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम कुमार कटवालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायट आफ आर्डर है।

श्री उपाध्यक्षः रामकुमार जी, आप बैठें आपको बोलने की परमीशन दी जाएगी।

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० नहर के मामले के बारे में सुप्रीम कोर्ट का 100 पेज का फैसला है जिसमें मौजूदा सरकार का जिक्र तक नही किया गया। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सम्मत सिंह जी को कहना चाहता हूं कि वे ध्यान से सुन ले, यह 31 दिसम्बर 1981 का फैसला है जिसमें 3 मुख्यमत्री पंजाब के मुख्यमंत्री श्री

दरवारा सिह, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री शिवचरण ठाकुर और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल और प्रधानमत्री इन्दिरा गांधी के साइन हैं। (शोर एवं व्यवधान) यह रिकार्ड में लिखा हुआ है आप भी देख सकते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, उसके बाद स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी ने अम्बाला के पास गाव कपूरी में इस नहर की आधारशीला रखी थी। जब मैं मुख्यमंत्री था तब इस नहर का हमने 95 प्रतिशत काम कर दिया था। उसके बाद कुछ काम चौधरी बसी लाल जी ने भी करवाया। उस समय हरियाणा के सरपंचों को. पंचों को नहर पर ले जाकर दिखाया कि देखो एस०वाई०एल० का काम काग्रेस ने करवाया हे। उपाध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० का काम मैंने और चौधरी बंसी लाल जी ने करवाया है सत्ता पक्ष ने कोई काम नही करवाया। ये तो लोगों को बहका सकते है काम नही कर सकते हैं। ये लोगो को इतना जरूर कह देते हैं कि बिजली के बिल मत भरी जब हमारी सरकार आयेगी तो हम बिजली मुफ्त देंगे, पानी मुफ्त देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, हमने एस०वाई०एल० की आधारशिला रखवाई और 95 प्रतिशत काम करवाया लेकिन उसके बाद एक ईंट भी सत्ता पक्ष ने नही लगवाई। उपाध्यक्ष महोदय उसके बाद राजीव –लौगोवाल फैसला भी मेरे मुख्यमत्री काल के दौरान ही हुआ और सभी लोगों ने कहा कि यह फैसला लागू होना चाहिए। श्री राम कुमार कटवालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूंगा कि 1993 मे हाउस के अंदर चौधरी बंसी लाल जी ने माना था कि

एस०वाई०एल० की खुदाई का काम सबसे ज्यादा चौधरी देवी लाल जी की सरकार के समय मे हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त पानीपत थर्मल पावर प्लांट से चौधरी बंसी लाल अपने तीन साल के कार्यकाल में इतनी बिजली पैदा नही कर सके जितनी हमने थोडे से समय में कर ली।

श्री उपाध्यक्षः कटवाल साहब, चौधरी बसी लाल जी जिस समय बोल रहे थे उस समय चौधरी भजन लाल जी हाउस में नही थे इसलिए इनको नहीं मालूम की बसी लाल जी ने क्या कहा।

चौ० भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, जब नहर का काम शुरू नही हुआ तो ४95 में हमें सुप्रीम कोर्ट मे जाना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट में रिट मैंने डाली। रिट के फैसले के मुताबिक बी० आर०ओ० इस नहर का काम करवायेगा। उसके बाद बसी लाल जी 1996 में मुख्यमंत्री बने। उन्होने रिट वापिस ले ली और कहा कि रिव्यू करके दोबारा से रिट डालेंगे। हमने उस समय कहा था कि रिट वापिस नही लेनी चाहिए लेकिन बंसीलाल जी ने कहा कि रिव्यू करके दोबारा से रिट डालेंगे और इन्होंने रिव्यू करके दोबारा से रिट डाली। उपाध्यक्ष महोदय सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है वह हमने जो रिट 1995 –96 में डाली थी उसी के बेस पर आया है। अब सत्ता पक्ष का धार्म बनता है कि इस नहर का काम जल्दी शुरू करवायें। चौटाला साहब कहते हैं कि हरियाणा के अंदर जितनी एस०वाई०एल० बनी हुई है ये उसकी सफाई

करवायेंगे, मुरम्मत करवायेगे। इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि जब तक पूरी नहर न बने. पानी न आये तब तक नहर की मुरम्मत करवाने का क्या फायदा है। पहले मुरम्मत करके ये काफी पैसा खर्च कर देगे जिसका कोई फायदा नही होगा। ये पहले मुरम्मत इसलिए करवाना चाहते हैं कि ये पैसा खाना चाहते होंगे।

वित्त मंत्री (प्रो० संपत सिंह): उपाध्यक्ष महोदय. चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि सरकार को चाहिए कि नहर जल्दी बननी चाहिए। इस बारे मे मैं इनको बताना चाहूंगा कि नहर बनाने के मामले मे सरकार सीरियस है। पंजाब ने जो रिव्यू डाला था उस बारे मे सुप्रीम कोर्ट के आर्डर कल आ गये है और सदन को यह बताते हुए मुझे बडी खुशी हो रही है कि पंजाब ने जो रिव्यू डाला था वह खारिज हो गया है। उपाध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से नहर बनाने के बारे मे चौधरी भजन लाल जी से निवेदन करना चाहूंगा कि अब इनकी पार्टी की सरकार पजाब में आ गई है, पंजाब के मुख्यमत्री को भजन लाल जी गुडविल में कहे कि सुप्रीम कोर्ट के आर्डरों के अनुसार वे जल्दी ही एरर०वाई०एल० का काम शुरू करवायें और एक साल के अंदर नहर बनवाये। इन्होंने अब तक नहर बनाने के लिए क्या किया है, जरा यह भी बतायें। (विघन)

चौ० भजन लाल: आपने एस०वाई०एल० कैनाल बनाने के बारे में क्या किया है?

प्रो० सम्पत सिंहः चौधरी साहब, हमने तो बहुत कुछ किया हे। (शोर एवं व्यवधान) **श्री मांगे राम गुप्ताः** उपाध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात भी सुनिये। (शोर एवं व्यवधान) **श्री उपाध्यक्षः** श्री मांगे राम गुप्ता जी, आप बैठिये। आपके नेता बोल रहे। आप बीच में न बोलें। (शोर एव व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने की इजाजत दें।

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, आप बीच में न बोलें। मैं आपको बोलने की इजाजत नहीं दूगा इसलिए आप बैठ जायें। (शोर एव व्यवधान) इस वक्त लीडर ऑफ दी अपोजीशन बोल रहे हैं इसलिए आप बीच में नहीं बोलेंगे। मैं आपको इजाजत नहीं दे रहा. फिर भी आप बीच में खडे हैं। आप बैठ जायें।

प्रो० सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, हमने जो किया है वह मैं भजन लाल जी को बताना चाहता हू। मैं तो केवल साधारण सी बात ही बताना चाहा।। मैं आकडों की बात नही बताऊंगा। यदि मैं आकड़ों की बात बताऊगा तो ये आकड़ों में उलझ जायेंगे। डिप्टी स्पीकर साहब, एस०वाई०एल० कैनाल बनाने के बारे में हमारा तो शुरू से एक ही स्टैण्ड रहा है। हमने पिछले बजट मे भी और उससे पहले अधिवेशन मे भी यानि मुख्य मत्री जी ने सदन के बाहर भी और सदन के भीतर भी एक ही स्टैण्ड रखा है। उपाध्यक्ष महोदय, इस मुद्दे का राजनीतिकरण हो चुका है इसलिए अब इसका

फैसला न्यायालय ही कर सकता है इसलिए इसका फैसला बाहर नही हो सकता, केवल न्यायालय के माध्यम से ही इसका हल संभव है। इस बारे में हमने कल भी बताया था कि सरकार की तरफ से इस केस की पूरी पैरवी की गई है और इस केस की तारीखो पर एक से एक चुनिंदा वकील किए गए थे। उन सभी ने हमारे केस को पूरे फैक्टस के साथ कोर्ट मे उठाया। इतना ही नही सरकार के पूरे सिंचाई विभाग ने भी काफी मेहनत की थी। स्वय मुख्यमंत्री जी और नहर महकमे के अन्य अधिकारी भी जिस दिन कोर्ट की डेट होती थी उससे पहले यहां पर भी मीटिंग करते थे और दिल्ली में भी मौजूद रह कर केस की बराबर पैरवी करते रहे हैं। हर तरफ से केस की पूरी पैरवी की गई है और यही कारण है कि देश का जो सर्वोच्च न्यायलय है यानि सबसे बडा न्यायालय है उन्होने यह फैसला हमारे हक में दिया है। हरियाणा प्रदेश के हक में फैसला दिया है। हमारे द्वारा जो प्रयास किए गए है उनको आपको एप्रीशिएट करना चाहिए। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब 1979 मे चौधरी देवी लाल जी प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो उस वक्त ये इस केस को सुप्रीम कोर्ट लेकर गए थे। चौधरी देवी लाल जी आगे की सोच वाले व्यक्ति थे। उनकी सोच थी कि प्रदेश का भला तभी हो सकता है. नहर तभी बन सकती है जब इस मामले में कोर्ट इन्टरवीन करे या कोर्ट कोई आर्डर करे वरना राजनीतिक दल तो अपनी अपनी रोटिया सेकते रहेगे। पंजाब में चाहे किसी भी पार्टी की सरकार आई हो, कांग्रेस की आई हो या और किसी की आई हो किसी ने नहर बनाने के

बारे मे बात नही की। (शोर एव व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, पजाब मे बेअंत सिह मुख्यमत्री थे. चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री यहा पर थे। श्रीमती इन्दिरा गांधी और राजीव गांधी देश के प्रधान मंत्री रहे और दोनो प्रदेशो मे आपकी सरकारे रही यानि तीनो जगह लूट मैजारिटी आपके पास थी, तब क्यो नही इस नहर को बनवाया गया। डिप्टी स्पीकर साहब, तीनों जगह इनकी सरकार होने के बावजूद भी ये नहर क्यो नही बनवा पाये। मैं यह नही कहता कि इन्होंने प्रयास नही किये। आपने प्रयास किये होगे लेकिन इस इशु का राजनीतिकरण हो गया था इसलिए राजनीतिकरण होने की वजह पंजाब मे जो भी पार्टी सत्ता में आई चाहे किसी का एक मैम्बर हो या अधिक मैंम्बर हो सभी ने यही कहा कि हम एक बूंद पानी की नही देंगे। काग्रेस पार्टी वाले कहते हैं कि एक बूंद पानी नही देंगे। और अकाली दल वाले भी कहते हैं कि एक बूंद पानी नही देंगे। इन्हीं सारी बातों को ध्यान मे रखते हुए चौधरी देवी लाल जी ने इस बारे मे सोच लिया था कि चाहे जो भी पार्टी पंजाब में आये वह इस नहर को नही बनने देगी क्योकि इस मामले का राजनीतिकरण हो गया है। पंजाब की हर पार्टी चाहे कोई भी पार्टी हो वह यही बोलेगी कि एक बून्द भी पानी हरियाणा को नही देंगें।

श्री उपाध्यक्षः सम्पत सिंह, आप कनकलूड करें।

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल जी इस केस को सुप्रीम कोर्ट ले गए लेकिन बाद मे चौधरी

भजन लाल जी ने इस केस को कोर्ट से वापस ले लिया। यदि ये इस केस को उस वक्त सुप्रीम कोर्ट से वापस न लेते तो आज से 20 साल पहले ही यह नहर बन कर तैयार हो जाती। कोर्ट का आर्डर आ जाता और यह नहर बन चुकी होती। इनका यह सबसे बडा दोष है कि इन्होंने कोर्ट से केस को वापस ले लिया क्योंकि इन्होने कोर्ट से केस वापस ले लिया था इसलिए इतिहास इनको कभी माफ नही करेगा। इससे बड़ा अपराध हरियाणा प्रदेश के साथ नही हो सकता था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप बैठिये। चौधरी बंसी लाल जी कुछ कहना चाहते हैं।

चौधरी बंसी लालः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी आपसे एक सबमिशन है कि चौधरी सम्पत सिंह की आदत ठीक करो क्योंकि जो भी कोई बोलता है यह बीच में भाषण देने के लिए खडे हो जाते है। यह इनका क्या तरीका है? इस वक्त लीडर ऑफ दी अपोजीशन बोल रहे हैं, उनको बोलने दे और जो इनको कहना है वह कह लेने दे। ये अपनी बात बाद में कह लें। ये यो ही बीच में जो मर्जी आ जाये बोलने लग जाते हैं इसलिए आप इनको बीच में न बोलने दे।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी. इनको मैंने बोलने के लिए टाईम दिया है। मैंने तो आपके कहने से पहले ही इनको कन्क्लूड करने के लिए बोल दिया है। (शोर एव व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंहः चौधरी बसी लाल जी. मैं उपाध्यक्ष महोदय की इजाजत से ही बोलने के लिए खडा हुआ था।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी बात कहिए।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय. मेरी आपसे हाथ जोड़ कर प्रार्थना है कि आप सम्पत सिंह जी को कहे कि ये मेरे बीच में न बोलें। जो इन्होने अपनी बात कहनी है वह बाद मे कह लें। मैं कोई गलत बात नही कह रहा। कृपया ये बीच में न बोलें। ये जब भी बीच मे बोलने के लिए खडे होते हैं तो लम्बा चौडा भाषण देने लग जाते हैं। (व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी साइड को ठीक रखो, अपोजीशन को ठीक रखो।

चौधरी भजन लालः मैं तो इनको रोकूंगा लेकिन कृपया 'आप भी इनको रोकें।

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी, आप चिन्ता न करें, मैं यहां पर बैठा हूं।

चौधरी भजन लालः आप बैठे हैं तभी तो इन्साफ की उम्मीद है। आप अगर न होते तो शायद मैं बोलता भी नही। उपाध्यक्ष महोदय. मैं यह कह रहा था कि नहर का जो काम हुआ है वह कांग्रेस के वक्त में हुआ है। इन्दिरा जी के वका मे हुआ है,

भजन लाल के वक्त में हुआ है और बंसी लाल जी के वक्त में हुआ है। इसमें इनका कोई योगदान नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि नहर बनाई नहीं और केस वापस ले लिया। केस वापस तब लिया जब फैसला हो गया। मैंने यह फैसला करवाया और इन्दिरा जी ने फैसला किया। मेरे पास यह कागज हैं, फाईल है जो मैं आपको दिखाना चाहूँगा। (विघ्न) आप कृपा करके इसको देख ले।

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी, यह फैसला तो बहुत पुराना है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इसीलिए मैं कहता हूं कि इस पर इन्दिरा जी के साइन हैं। इस दस्तावेज पर चौधरी भजन लाल, एस०सी० माथुर सरदार दरबारा सिंह और श्रीमती इन्दिरा गांधी के साइन हैं।

श्री उपाध्यक्षः यह बहुत पुराना इशू है सारे हाउस में कई बार यह डिस्कस हो चुका है। कोई नयी बात आप रखें।

चौधरी भजन लालः इंदिरा गांधी जी के उस पर साइन हैं इसलिए फैसला होने के बाद केस वापस लिया था। नहर बनाई जानी थी जब उन्होंने नहर नही बनाई तो फिर मामला सुप्रीम कोर्ट में लेकर भजन लाल गया था (विघन) आप बैठे। आपको किसी बात का पता तो है नही, आप मेहरबानी करके सुनने की कृपा

करें। यह मोटे दिमाग की बात नही है। यह बारीक दिमाग की बात है। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप इधर देख कर बात न करें और चेयर को ऐड्रस करे। यह बहुत पुरानी बात हो गई है। आप कोई नयी बात हो तो रखे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, हम आपसे यह निवेदन करते हैं कि पिछले दो दिन से हाउस मे बहुत बुरी हालत हो गई है। ऐसा नही होना चाहिए। आप यहा पर बैठे हुए हैं इनको सोचना चाहिए कि उनका क्या कसूर था (शोर)

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी, आप गवर्नर ऐड्रस पर बोलें। मैंने आपको गवर्नर ऐड़स पर बोलने के लिए परमीशन दी है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय. गवर्नर ऐड्रस मे ला एण्ड ऑर्डर की बात है। कानून व्यवस्था की बात है, इखलाक की बात है अच्छी बात करने की बात भी है. सुझाव देने की बात भी है वे सभी बाते इसमें शामिल हैं। यह इनका कोई तरीका नही हे। ....

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप गवर्नर ऐड़स पर ही बोलें। (विघन)

चौधरी भजन लालः ....

प्रो० सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब मेरा प्वांइट ऑफ ऑर्डर है चेयर के प्रति जो इन्होने कहा है वह कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः अगर कोई बात चेयर के प्रति कही गई हो तो उसे कार्यवाही से निकाल दिया जाए। चौधरी भजन लाल जी, आप गवर्नर ऐड्रस पर बोलें और चेयर के प्रति कुछ न कहें।

चौधरी भजन लालः मैंने आपके प्रति तो कुछ नही कहा है।

श्री उपाध्यक्षः मेरे प्रति की बात नही है। न कुछ मैं हूं न कुछ श्री, कादयान साहब हैं और न ही आप कुछ हैं चेयर सुप्रीम है।

चौधरी भजन लालः चेयर की हम इल्लत करते हैं लेकिन चेयर को भी अपनी इज्जत करवानी चाहिए। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी स्पीच काटीन्यू करे। you please come to the point.

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, हम मैंम्बर चुनकर आए हैं। आप भी. चुनकर आए हैं। (विघन) ....

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जो, क्या आप ऐड्रेस पर बोल चुके हैं। जो ये चेयर के प्रति बोला गया है यह रिकार्ड न किया

जाए। भजन लाल जी, आप गवर्नर ऐड्रस पर ही बोलें और कोई बात न करे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर ऐड्रेस पर ही बोल रहा हू।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, अगर आपको गवर्नर ऐड्रस पर बोलना है तो बोले वरना आप बैठ जाएं।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय ली एण्ड ऑर्डर की बात तो हम कर ही सकते हैं और चाहे कोई भी हो, चाहे मुख्यमंत्री जी हों, आप हों, हम हो अगर हम ही कानून अपने हाथ मे ले लेंगे तो लोगो के साथ ज्यादती, जुल्म और अन्याय होगा तो क्या कहेंगे 21 और 22 जून को श्रीमती जोगिन्द्र कौर ने पानीपत मे बयान दिया था कि उसकी जान को खतरा है (विघन)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप किस प्वायंट पर बोल रहे हैं।

चौधरी भजन लालः उन्होने बयान दिया कि मेरी जान को खतरा है (विघन) ....

श्री उपाध्यक्षः महोदय चौधरी भजन लाल जी, मैं आपसे एक बात कहना चाहूगा। जब भी कोई मामला कोर्ट मे हो, मैटर सब जूडिस हो, उसको हाउस मे डिस्कस न करे। इसलिए इस

मामले पर यहा पर कोई डिस्कशन नही होनी चाहिए। कल भी इस बारे में हाईकोर्ट में डेट थी। आप गवर्नर एड्रैस पर ही बोले।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही बडा पुलिदा है।

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी आपका पुलिदा भी यहा मेरे पास रखा हुआ है।

प्रो० सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी स्पीकर साहब के बारे में जो भी कहे वह कार्यवाही मे नही आना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी कोर्ट मे जो भी मामला हो उस पर कोई डिस्कशन नही होनी चाहिए। भजन लाल जी चेयर के प्रति जो भी कहें वह रिकार्ड नही किया जाए।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अभी यह मामला कोर्ट मे नहीं है। कोर्ट में जब जाएगा जब .... यह कोई रोल है। आप पानीपत में जाकर पता करें।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी जो मामला सब–जूडिसं है आप उस बारे में डिस्कशन न करे। आप गवर्नर एड्रैस पर बोले।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अभी यह मामला कोर्ट में नही है। (विघन)

श्री उपाध्यक्षः यह मामला पानीपत की कोर्ट में भी चल रहा है और चण्डीगढ मे हाईकोर्ट में चल रहा है पिछले कल भी इस मामले की डेट हाईकोर्ट मे थी। आप किसी और मामले पर डिस्कस करे।

चौधरी भजन लालः .... ऐसे लोगो को इन्साफ करने वाली सीट पर नहीं बैठना चाहिए। वह आदमी चाहे कोई भी हो। चाहे मैं हूं 'और चाहे कोई और हो। उपाध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के एड्रैस में उत्तर प्रदेश के इलैक्शन का और हरियाणा के यमुनानगर के इलैक्शन का जिक्र आया है। (विध्न) उस बारे में कह दिया कि बडी भारी जीत हो गई है, फतेह हो गई है। (विघन) यह जो जीत कर आया है ये पेड़ू भी मेरा ही लगाया हुआ है। यह तो मेरा दोस्त है, साडा पजाबी भरा है। (विघन)

श्री कृष्ण पाल गुर्जरः उपाध्यक्ष महोदय, यह पेड़ू तो हमने सन 1968 में लगाया था।

परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार): अध्यक्ष महोदय, कृष्ण पाल जी कह रहे हैं कि यह पेड हमने लगाया था और भजन लाल जी कह रहे हैं कि यह पेड़ू हमने लगाया था। मैं इनको यह बताना चाहा। कि यह जो पेड है यह इन दोनो के कैंडिडेट्स के टोटल वोटस से ज्यादा' वोटंस लेकर सदन मे आया है।

श्री उपाध्यक्षः मंत्री जी आपको तो खुश होना चाहिए कि डॉक्टर साहब को यहा पर अपना मान रहे हैं।

प्रो० सम्पत सिहः उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये उनको अपना मानते हैं तो इनको उनके विरोध में अपना कैंडिडेट खडा ही नही करना चाहिए था। इनको यूनैनिमसली बनाना चाहिए था।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

(1) श्री मलिक चन्द गम्भीर द्वारा

श्री मलिक चन्दः गम्भीर उपाध्यक्ष महोदय. मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। अभी चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि मैं इनकी पौध हू। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब 1996 का इलैक्शन हुआ था उस समय काग्रेस पार्टी के कडीडेट की जमानत जब्त हो गयी थी जबकि मैंने इंडीपैंडैन्ट केंडीडेट के रूप मे वह चुनाव लड़ा था और उस समय मुझे १9 हजार वोटे पडी थी।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, ये पुराने आदमी हैं यार दोस्त आदमी हैं अगर मैं इनके बारे मे सारी बाते खोजा तो अच्छा नही लगेगा। मुझे पता है कि इनको क्रूस चेयरमैन बनाया था। इस बारे मे ज्यादा कहा। तो अच्छा नही लगेगा। उपाध्यक्ष महोदय इन्होंने कहा कि यमुनानगर में इनकी बडी भारी विजय हुई है लेकिन मैं इनसे कहना चाहूगा कि यह विजय इनकी अपनी वजह से नही है बल्कि यह विजय बी०जे०पी० की वजह से और कमला वर्मा की मेहरबानी की वजह से हुई है। (विध्न)

(2) श्री कृष्णपाल गुर्जर द्वारा

श्री कृष्णपाल गुर्जरः उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। मैं भजन लाल जी को यह बताना चाहा। कि हमारी मेहरबानी से तो पता नही किस–किस का भला हुआ है लेकिन भजन लाल जी की मेहरबानी से इनेलो का जरूर भला हो गया है। इन्होंने हुड्डा साहब को उस चुनाव में पटखनी दे दी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय कोई पटखनी देने वाली बात नहीं है। ये यमुनानगर के इलैक्शन के बारे मे बड़ी छाती तान रहे हैं लेकिन इनकी यू०पी० में क्या हालत हुई है। इन्होंने वहां पर 115 आदमी इलैक्शन मे खडे किए थे लेकिन एक आदमी की भी जमानत नही बची। सभी की जमानत जब्त हो गयी।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिह): उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो मैं कुछ कहना नही चाहता था लेकिन अब जब इन्होंने इलैक्शन का जिक्र किया है तो मैं आपकी इजाजत से इनको बताना चाहता हूं कि जिस बात का जिक्र गवर्नर ऐड्रस में नही किया गया है ये उस पर न बोलें। लेकिन ये गवर्नर ऐड्स से बाहर बोल रहे हैं। यू०पी० के चुनाव का जिक्र इन्होंने किया है'। लेकिन अब जब इन्होने इसका जिक्र किया ही है तो मैं इनको बताना चाहा। कि ये खुद से भी वहां के इलैक्शन के बारे मे पूछ लें। पहले जहां कांग्रेस पार्टी के वहा से 85 एम०पीज० बना करते थे और 425

एम०एल०एज० मे से 415 एम०एल०एज० बना करते थे वहा अब इनकी क्या हालत हो गयी है ये खुद ही बता दें।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अभिभाषण में यमुनानगर के चुनाव का जिक्र किया गया है इसलिए मैं इस चुनाव की बात कर रहा हूं। हम यमुनानगर के इलैक्शन का भी जिक्र करेगे यू०पी० के इलैक्शन का भी जिक्र करेंगे, राजस्थान के इलैक्शन का भी जिक्र करेगे, दिल्ली के इलैक्शन का भी जिक्र करेंगे और इनके दोस्त की जो हालत पंजाब में हुई हैं उसका भी जिक्र करेगे। इनका एक भी एम०एल०ए० राजस्थान में नही बना था, एक भी एम०एल०ए० दिल्ली मे नही बना था। उपाध्यक्ष महोदय, अभी आप आगे देखना जब हरियाणा में इलैक्शन होंगे तब इनकी क्या हालत होगी ?

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी, वैसे तो मुझे कहना नही चाहिए लेकिन फिर भी मैं आपको बता दूं कि इन्होंने दिल्ली में या राजस्थान मे सब जगहों पर अपने कंडीडेटस खड़े नही किए थे। आप अपनी इस बात को सुधारे और रैलेवैंट बात ही करे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, आप भी इनकी थोडी सी मदद कर देते हैं क्योंकि आपके साथ इनके थोड़े से ताल्लुकात हैं। मैं आपको बताना चाहूंगा कि वहा पर इनका एक आदमी भी चुनाव नहीं जीता। जब हरियाणा में इलैक्शन होगे तब आप देखना इनकी क्या हालत होगी। बाई इलैक्शन की बात कुछ

और होती है। फिर भी अगर इनको ज्यादा ही इस कई इलैक्शन पर नाज है तो ये इस्तीफा देकर इलैक्शन करवा ले हम भी इस्तीफा दे देते हैं तब इनको पता लग जाएगा।

प्रो० सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं बोलना नही चाहता था लेकिन चूंकि ये चौलेंजबाजी पर आ गए हैं इसलिए मैं इनको बताना चाहूंगा कि ये ठीक उसी तरह से बात कर रहे हैं जैसे कोई पहलवान अगर एक बार हार जाता है तो वह फिर कहता है कि एक बार और मुकाबला करवा लो वह फिर हार जाता है तो फिर वह कहने लग जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, हमने रोडी मे बाई इलैक्शन जीता, यमुनानगर मे बाई इलैक्शन जीता। जहा तक दूसरे चुनाव की बात है बिना सरकार के भी हमने बाई इलैक्शन जीते हैं। सबसे पहले चौधरी देवीलाल जी ने रोड़ी से उप चुनाव जीता था उस समय चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमत्री थे उसके बाद नरवाना में भी हमने उप चुनाव जीता उस समय चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री थे उसके बाद फतेहाबाद से हमने उप चुनाव जीता उस समय फिर चौधरी बसी लाल जी मुख्य मंत्री थे। लेकिन अब ये फिर कह रहे हैं तो ये इस्तीफा देकर सीट खाली करे हम इनको फिर जीत कर दिखा देंगे। कोई सीट ये खाली तो करे हम चुनाव के लिए तैयार हैं।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, यह कैसे यमुनानगर मे जीते हैं मुझे पता है। इस बारे मे क्या कहू। अगर मैं कहूंगा तो मैं दोषी हो जाऊंगा। लेकिन ये किसी का तो अहसान

मान ले। लेकिन ये मानते ही नही। यहा तो जुल्म की बात हो रही है दोबारा चुनाव लड के देख लें आप क्या बात कर रहे हैं। कम से कम अहसान तो मान लिया करो। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं इन बातो को छोड़ता हू। इनकी यू०पी० ने पोल खोल दी है इन्होंने बहुत पैसा यहां से खर्च किया। (शोर एव व्यवधान) बहुत सारी सरकारी मशीनरी को वहां लेकर के गए।

प्रो० सम्पत सिंहः कोई सरकारी मशीनरी वहा नही गई।

चौधरी भजन लालः यह बात आप लोगों से पूछे. इलैक्शन कमिशन से पूछे। उन्होने कहा है कि हरियाणा का कोई औफिसर वहा नही जाएगा।

प्रो० सम्पत सिंहः वहां कोई नही गया था।

चौधरी भजन लालः हमने फोटो ले रखे हैं वह दिखा दूगा तो मारे जाओगे।

प्रो० सम्पत सिंहः फोटो दिखाए।

चौधरी भजन लालः जहा दिखानी होगी वहा दिखाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हू कि कानून व्यवस्था नाम की चीज नही रह गई है हर तरह से बुरा हाल है।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप वैसे कानून और व्यवस्था का जिम कर चुके हैं।

चौधरी भजन लालः पूरी बात नही की थी। रोजाना जी०टी० रोड पर आप देखे क्या हाल है सरकारी कर्मचारियो और अधिकारियों का भी बुरा हाल इस सरकार ने कर रखा है। छटनी कर के निकाल रहे हैं और उनके स्थान पर अपने चहेतों को लगा देते हैं। मार्किटिंग बोर्ड और दूसरे कार्पोरेशन हैं. निगम हैं उनके कर्मचारियो को छंटनी करके निकाल रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, लोग कहां जाएंगे कुछ तो ओवरेज हो गए हैं। ऐसा जुल्म इनको नही करना चाहिए। जहा तक खानक की बात है उपाध्यक्ष महोदय, आपने सुना होगा कितना बुरा हाल था. नाके लगा दिए थे एक हजार रुपये प्रति ट्रक के लेते हैं और कोई रसीद नही देते कोई रिकार्ड नही है। सारे हरियाणा को पता है कि ये कितनी ज्यादती और जुल्म मजदूर पर कर रहे हैं ४४ मैं रखी है दोनो हाथो से ले रहे हैं कोई काम पैसे दिए बगैर नही होता। लोग कहते हैँ तीनो बाप बेटे लगे हुए हैं। मैं नही कहता हू लोग कहते हैं। आम आदमी कहता है।

श्री उपाध्यक्षः यह जो चौधरी भजन लाल जी ने शब्द इस्तेमाल किया है उसे रिकार्ड न किया जाए। भजन लाल जी, लोग क्या कहते हैं यह हाउस यह नही सुन रहा है। यह हाउस लीडर ऑफ दि अपोजीशन को सुन रहे हें इसलिए आप सही बात करे।

श्री अभय सिह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बात पूछना चाहूंगा कि अभी भजन लाल जी ने कहा था तीनों बाप बेटे ने प्रदेश में लूट मचा रखी है।

चौधरी भजन लालः मैंने कहा था कि लोग कहते हैं और मैं भी कहता हूं।

श्री अभय सिंह चौटालाः आपने कहा है। उपाध्यक्ष महोदय, जहा तक तीनों का सवाल हैः तो तीसरा किसका जिक्र किया है वह इस सदन का सदस्य नही है और जहां तक पैसे का सवाल है, आपने पिछले दिनों अखबारों में पढा होगा कि भजन लाल के राज में जो 1500 सिपाहियों की भर्ती हुई थी उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे मेरिट पूरी नही करते थे और पैसे लेकर लगाए गए थे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, बड़े जुल्म की बात है। इनका यह कहना कि भजन लाल ने गलत लगा दिए। भजन लाल ने एक भी आदमी गलत नहीं लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने यह नहीं कहा कि पैसे लेकर लगा दिए। ये जैसे खुद होते हैं लोगों को भी वैसा ही समझते हैं। चौधरी भजन लाल ने आज तक किसी को पैसे लेकर नौकरी नहीं लगाया। यह जो तीसरे की बात कह रहे हैं वह भी तो इन्ही का भाई है और सी०एम० का बेटा है।

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, हमने मेरिट पर नियुक्तियां की हैं इनकी तरह से पैसे लेकर नियुक्तियां नही की

है। इन्होंने सारी की सारी नियुक्तिया पैसे लेकर की हैं। ये बात सारी दुनिया कहती है। (शोर एवं व्यवधान) आप यह कहते थे कि मैं 500 – 700 की हाजरी में नही बोलता आपने यमुनानगर में हर चौखट पर नाक रगडी थी।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, सबको पता है क्या हुआ था। इसलिए आप अपना भाषण कटीन्यू करें।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, जैसाकि मैंने खानक की बात की, कडेला की बात की। श्री उपाध्यक्ष चौधरी भजन लाल जी, आप ली एण्ड आर्डर की बात कर रहे थे क्या यह बात आपकी कप्लीट हो गई?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय. आप कहते हैं तो मैं आप की बात मान लेता हू।

श्री उपाध्यक्षः आप इस बारे में डिस्कस करे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, जो सरकार प्रदेश के लोगों को न्याय नही दे सकती उस सरकार को कुर्सी पर बैठने का कोई अधिकार नही है। लोगों को इन्साफ नही मिल रहा है, प्रदेश मे शालि नही है। लोगों की जानमाल की रक्षा नही हो सही है। प्रदेश को अन्दर बहुत बुरे हालात हैं। जहा तक गृह कर की बात है। कहते हैं कि वापिस ले लिया। थोडा बहुत वापिस लेकर उसको गोलमाल कर गये इससे और ज्यादा खराब कर रहे हैं। कम से कम हाउस की इजाजत लेते, हाउस में डिसकस करते,

मैटर को यहा लाते। हमें तो हाउस से निकाल दिया और रातो –रात गृह कर के बारे में बिल पास कर दिया।

नगर विकास राज्य मन्त्री (श्री सुभाष गोयल): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय विपक्ष के नेता को बताना चाहा। कि इस सरकार ने गृह कर के मुद्दे पर डिस्कस करने के लिए दो मर्तबा काग्रेस पार्टी को इन्वाईट किया और काग्रेस पार्टी के सदस्य उस मीटिंग में महज इसलिये नही आये क्योकि इन्होने राजनीतिक लाभ लेना था सिर्फ लोगो मे प्रचार करना था क्योकि इनको बोलने की आदत है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय विपक्ष के नेता को बताना चाहूंगा कि पुरानी हाउस टैक्स की नीति के मुताबिक एक रिक्शा पुल्लर का वर्ष का तो 600/ – रुपये हाउस टैक्स बनता था और एक बडी विशाल कोठी मे रहने वाला व्यक्ति 1200/ – रुपये टैक्स देता था। हमने बगैर किसी भेदभाव के इस नई नीति को लागू किया है जिसके तहत एरिया के हिसाब रवे हाउस टैक्स फिक्स होगा। इनकी तो बोलने की आदत है कभी कहते हैं कि एस०वाई०एल० को 95 प्रतिशत हमने बनाया और कभी कुछ कहते हैं।

प्रो० सम्पत सिह: उपाध्यक्ष महोदय चौधरी भजन लाल जी ने कहा कि हाउस टैक्स का बिल रातो रात पास करवा लिया और इन्हें हाउस से निकाल दिया। डिप्टी स्पीकर सर, हाउस की प्रोसिडिगज निकाल कर देख ले पिछले सदन मे हाउस मे किसी मैम्बर को नहीं निकाला गया। यह रिकार्ड की बात है। इस बारे में

बिल राती रात कहीं नही पास किया। बाकायदा हाउस का जो बिजैनस फिक्स किया गया था उसके हिसाब से हाउस टैक्स का मामला टेक अप किया गया था और हाउस की क्ट्रीब्यूशन से पास किया गया था। अगर ये चाहते तो उस समय अपने सुझाव दे सकते थे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी बार बार खड़े होकर जवाब देने लग जाते हैं यह मुनासिब नही है ?

प्रो० सम्पत सिंहः आपको कहा निकाला था ?

श्री उपाध्यक्षः निकालना और हाउस को छोड्कर जाना अलग अलग बात है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, बिजली की बात करते हैं कि बिजली का उत्पादन हमने बढ़ाया है कभी कहते हैं कि हम बिजली फ्री देगे। आज देहात मे बिजली की बहुत बुरी हालत है। उपाध्यक्ष महोदय, आप तो शहर में रहते हैं आप लोगो के बीच में जाकर देखे। उपाध्यक्ष महोदय, पानी की हालत इससे भी बुरी है जिसके कारण आज किसान बरबाद हो रहा है, जबकि यह सरकार किसानो की हमदर्द बनती है। आज प्रदेश में सबसे बुरी हालत किसान की है। किसान को आज न उरस्की फसल का अच्छा भाव मिल रहा है और न ही उसकी बरबाद होने वाली फसल के लिए उसको कोई मुआवजा मिल रहा है। कपास की

उसकी बहुत सी फसल बरबाद हो गई है। अभी नरेन्द्र सिह जी ने काल अटैंशन नोटिस पढा था कि ओले पड़ गए, पाले से किसान की फसल खराब हो गई और इसके लिए उसको कोई मुआवजा दिया गया है या नही इस बात का कोई जिक्र नही किया गया है।

ग्राम एवं नगर आयोजना मन्त्री (श्री धीरपाल सिह): उपाध्यक्ष महोदय. भजन लाल जी तो आदत से मजबूर हैं। मैंने तो जहा –जहां किसान की फसल बरबाद हो गई और गिरदावरी की गई है, मैंने उसी के बारे में ही यहां हाउस को बताया है और हम हाउस को विश्वास दिलाते हैं कि हमारी सरकार नार्म्स के मुताबिक जहां किसान की शत प्रतिशत फसल बरबाद हो गई 'है वहा 2000 रुपये प्रति एकड़ और जहां 50 से 75 प्रतिशत फसल बरबाद हुई है उसके लिए 1500 रुपये प्रति एकड और जहा 25 से 50 प्रतिशत फसल बरबाद हुई हे वहां 1000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देगी।

चौधरी भजन लालः सरकार यह मुआवजा कब देगी।

श्री धीरपाल सिहः यह सरकार दो हफ्ते के अन्दर–अन्दर उन किसानों को मुआवजा दे देगी।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अभी –अभी इन्होंने कहा था कि सरसो की फसल तो आजकल में कट जाएगी। (शोर एंव व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैंने तो गिरदावरी की बात की थी कि जहां गिरदावरी हो चुकी है वहा सरकार मुआवजा देगी। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, ओले 2 तारीख को पडे थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी, नरेन्द्र सिंह जीं बताते कि ओले कौन सी तारीख को पडे थे।

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से भजन लाल जी से कहना चाहा। कि इनके मित्र कह रहे हैं कि ओले 7 फरवरी को पड़े थे। (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, जब ये हाउस के नेता होते थे तो मैंने इनसे एक प्रश्न पूछा था कि बाजरे के एक किले मे कितने खूड होते हैं तो ये कहने लगे 250 फिर मैंने इनसे पूछा कि एक किले गेहूं में खाद कितनी पड़ती है तो ये कहने लगे 10 कट्टे और आज ये पाले की बात कर रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी किसान रहें हैं। मैं भजन लाल जी को किसान के नाते कहता हूं कि पाले और धुंध को तो केवल किसान ही महसूस करता है जब सरसों की झाड होती है तभी उसको पाले और धुंध से हुए नुकसान के बारे में मालूम पड़ता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः मैं भजन लाल जी से एक बात पूछना चाहता हू कि ये बहुत समय तक मुख्य मंत्री रहे हैं कभी इन्होंने

पाले से हुई फसल के नुकसान का मुआवजा दिया है। (शोर एव व्यवधान)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, आपने बहुत अच्छी बात पूछी है इसके लिए मैं आपका आभारी हू। हमने तो पाले से और ओले से बरबाद होने वाली फसल का मुआवजा दिया है और यहां तक कि बाढ से बरबाद होने वाली फसल का भी हमने ने मुआवजा दिया है जो कि सारे हिन्दुस्तान में किसी ने भी नहीं दिया होगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी नरेन्द्र सिंह जी ने जो कालिंग अटैंशन रखा था उसमें पाले और द्य रही बात थी।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, उसमे ओले की भी बात कही गई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिहः उपाध्यक्ष महोदय आपने जो प्रश्न पूछा है मैं उसी के विषय में आग्रह करना चाहा। कि भजन लाल जी रिकार्ड मग। कर देख लें कि कभी धुध से, बारिश से या पाले से गेंहू की, जी की, चने की या सरसो की फसल बरबाद हुई हो और इन्होने एक भी पैसा मुआवजा दिया हो। ये तो लम्बे–चौडे भाषण देने तक सीमित हैं, लेना देना तो ये करते ही नहीं हैं।

श्री उपाध्यक्षः धीरपाल जी, आपके पास ये महकमा है इसलिए आप इस बारे मे अच्छी तरह से रिकार्ड देखकर बता देना। (शोर एव व्यवधान)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, ये बार–बार मुझे बीच में टोक रहे हैं इसलिए इनको रोकिए। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार मे जनता पर करो का बहुत भारी बोझ डाल दिया है और हर तरह के टैक्स प्रदेश में लगे हैं। प्रदेश में चाहे किसान है व्यापारी है, अधिकारी है, कर्मचारी है हर वर्ग इस सरकार से बेहद परेशान है। लोग हम से पूछते हैं कि इस सरकार की छुट्टी कब होगी। मैंने लोगो को कहा कि थोड़े दिन रूको इन लोगो के पाप के बक्से भर गये हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब की सरकार ने कहा कि वे शहीदों के परिवार वालो को 1० लाख रुपये देगे अब यह कह दिया कि 2 लाख रुपये देगे लेकिन इन्होंने वह भी अभी तक किसी को दिया नही है। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी जानते हैं कि यह सरकार किसान विरोधी है लेकिन ये लोग अपने आपको किसानो का हितैषी कहते हैं। इनका किसान विरोधी चेहरा अब लोगों के सामने आ गया है क्योकि पिछले चार साल से गन्ने का भाव नहीं बढा है। (शोर एव व्यावधान)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी चौटाला साहब की सरकार को बने तो अढ़ाई साल ही हुए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार को बने तीन साल हो गये है। अढ़ाई साल अब हो गये और 6 महीने पहले यह सरकार रह चुकी है। तीन साल से इस सरकार ने भी गन्ने का भाव नही बढाया और पहले वाली सरकार ने भी गन्ने का

भाव नही बढाया, कुल मिलाकर चार साल हो गये हैं गन्ने का भाव बढ़े।

परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विपक्ष के नेता को बताना चाहूंगा कि जैसा कि ये कह रहे हैं कि पिछले चार साल से गन्ने का भाव नहीं बढा है लेकिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने किसानों को गन्ने का भाव त्त रुपये प्रति क्विटल के हिसाब से दिया है जो कि पूरे देश मे आज तक सबसे ज्यादा है। (इस समय मेजें थप–थपाई गई।) उपाध्यक्ष महोदय, जिस समय चौधरी भजन लाल जी 1982 में मुख्य मंत्री थे उस समय यमुनानगर के अंदर किसानों ने गन्ने के भाव मे एक रुपये की बढ़ोतरी की बात की थी लेकिन इन्होंने 50 पैसे ही बढ़ाये। इसके विरोध में हमने धरने दिये तो इन्होंने किसानों के ऊपर ठण्डे पानी के फव्वारे चलवाये और घोडो से लात मरवाई। (इस समय सत्ता पक्ष की तरफ से शेम–शेम, की आवाजें हुई)

चौधरी भजन लाल: उपाध्यक्ष महोदय, सत्ता पक्ष के साथी मुझे बीच में टोकते हैं मुझे अपनी बात नही कहने देते। कृपा करके इन्हे चुप रहने के लिए कहें।

श्री उपाध्यक्ष: चौधरी साहब आप बुजुर्ग हैं ये तो आपको आराम दे रहे हैं ताकि आप आराम करके दोबारा बोल लें।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, किसानो को जितना भाव भजन लाल की सरकार ने दिया उतना किसी दूसरी सरकार ने नही दिया और न ही दूसरी सरकारे देगी 1 (शोर एव व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने सदन मे जो अभिभाषण दिया है उसमे सच्ची बात सरकार ने नही लिखवाई इसलिए जो आज राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बहस हो रही है मैं उसका विरोध करता हूं और विरोध इसलिए कर रहा हू कि यह सरकार हर क्षेत्र में बेहद अक्षम तथा नाकामयाब रही है इसलिए इस सरकार को चलता करना चाहिए।

श्री कंवर पाल सिह (छछरौली): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हू। मैं आपके माध्यम से अपने हल्के की समस्याएं सरकार के सामने रखूंगा। मैंने अपने हल्के की एक समस्या पिछली बार भी आपके सामने और सरकार के सामने रखी थी। मेरे हल्के की सबसे बड़ी समस्या यह है कि जब भी यमुना मे बाद आती है तो सबसे पहले मेरा हल्का यमुना की बाढ से प्रभावित होता है और वहां पर सबसे अधिक नुकसान होता है। अब की बार एक नयी स्थिति यह पैदा हो गई है कि जो यमुना का बहाव था वह सारा का सारा छछरौली की तरफ हो गया। उस बहाव की वजह से यमुना नदी में एक नयी क्रीक पैदा हो गई जिस कारण इसका बहाव सारा का सारा हरियाणा की तरफ हो गया और उसमें मेरा हल्का सबसे अधिक

प्रभावित हुआ। मुख्य मत्री महोदय जब छछरौली गए थे उस वक्त मैंने यह समस्या उनके सामने रखी थी और यहां पर सदन के सामने भी रखी थी। इसके लिए मैं सरकार का आभारी हूं कि सरकार ने बड़ी तत्परता से उस पर कार्य किया और इसके लिए जो भी पैसा चाहिए था वह सैंक्शन कर दिया। इस बारे मे मेरा यह भी कहना है कि पैसा मजूर होने के बाद भी जिस तत्परता से काम होना चाहिए उस तत्परता से काम नही होता। अब तक यह व्यवहार की बात रही है कि पैसे के बावजूद भी पलड कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा जब भी काम करने की बात आती है तो वह काफी लेट काम होता है। अब की बार सदी की बरसात हुई। इस बारिश की बजह से जो पानी आया वह मेरी कान्स्टीच्यूसी के कई गावों में भर गया जिस कारण मेरे हल्के के कई गांवों को काफी नुक्सान द्या। उपाध्यक्ष महोदय, उस नुकसान के बारे मे सरकार को भी पता है। इस बारे में मेरा सरकार से निवेदन है कि वहां पर जो काम होना चाहिए वह एक टाईम बाऊंड अवधि के दौरान होना चाहिए और जो क्रीक्स बनी हुई हैं उनको बन्द किया जाना चाहिए। यदि इनको समय रहते बद नही किया गया तो बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने हल्के की समस्या की तरफ दिलाना चाहूगा। सड़को के बारे में मैं यह नही कहूंगा कि कोई काम नहीं हुआ बल्कि इस दिशा मे भी काफी काम हुआ है। सड़को का काम मेरे हल्के मे भी हुआ है

इसके लिए मैं सरकार का धन्यवादी हू। इसके अलावा मेरे हल्के की कई सडकों की हालत बहुत खराब है क्योकि वहा पर बहुत बड़े पैमाने पर माईनिंग होती है और ट्रकों मे बडा भारी लोड होता है जिस कारण वहां की राडके टूट जाती हैं। मेरे हल्के की एक सडक बुडिया से खिजराबाद वाया देवधर तक है। इस सड़क पर काफी काम हो चुका है लेकिन आधी सडक जो खिजराबाद तक है वह बहुत बुरी हालत मे है। इसी प्रकार से शेरपुर से डारपुर व तदारपुर के लिए जो सड़क है वह भी टूटी हुई है। इसी तरह से एक सड़क छछरौली बाजार की है इस सड़क की भी बहुत बुरी हालत है। इस सडक के बारे में मुख्यमत्री द्वारा जब 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम वहां पर लगा था उस वक्त भी यह बात मुख्यमत्री जी के नोटिस में लाई गई थी। मुख्यमत्री महोदय ने इस सड़क को बनाये जाने का आश्वासन दिया था। इस सड़क से सारे बाजार का आना –जाना होता है। यह सडक तकरीबन एक किलोमीटर लम्बी है। मेरा सरकार से निवेदन है कि इसको ठीक कराया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय कृषि मंत्री जी भी यहां पर बैठे हैं। मेरा इनसे भी निवेदन है कि वे इस सड़क पर गौर करें क्योकि इस सडक से मार्किटिंग बोर्ड की मण्डी भी पास ही हे इसलिए मेरा इनसे भी अनुरोध है कि ये भी इस सडक की तरफ ध्यान दें ताकि किसानों को भी किसी प्रकार की दिक्कत न हो। इस सडक के बारे में जब माननीय मुख्यमंत्री जी वहां पर गए थे तो मैंने माग रखी थी और माननीय मुख्यमंत्री जी ने डी०सी० साहब को बुला कर इसको बनाये जाने के आदेश भी दिए थे

लेकिन अभी तक इस पर काम आरंभ नही हुआ है। यह सडक छछरौली शहर की मेन सड़क है। इस सड़क के ठीक न होने के कारण पूरे हल्के में परेशानी है इसलिए मैं आपके माध्यम से निवेदन करूंगा कि इस सडक को तुरन्त ठीक करवाया जाये। इसके अलावा मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वहा पर काफी काम मजूर हो चुके हैं लेकिन वे आरम्भ नहीं हुए है, मैं चाहूंगा कि वे काम शुरू करवाये जाएं। माननीय उपाध्यक्ष महोदय, छछरौली एक बड़ा फैला हुआ हल्का है लेकिन वहां पर कोई भी कालेज नही है। छछरौली सबसे पुरानी तहसील है। मैं यह कहना चाहूगा कि जिला मुख्यालय से बाहर कोई तहसील है तो वह छछरौली है बाकी सभी की सभी तहसीले जिला स्तर पर हैं। हमारे यहां कोई कालेज नहीं है। जब माननीय मुख्यमंत्री जी छछरौली गए थे तो उस वक्त मैंने निवेदन किया था कि यहां पर कोई कालेज नही है. कृपया यहा पर कालेज खोला जाये। अब मैं आपके माध्यम से भी सरकार से पुनः निवेदन करना चाहता हूं कि ज्यादा नही तो कम से कम .वह। पर लडकियो के लिए एक कालेज अवश्य खोला जाये।

डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे हल्के में वन विभाग की तरफ से दफा चार लगाई हुई है जिसके कारण बडी भारी समस्या है। दफा चार लागू होने के कारण किसान लोग या दूसरे लोग अपनी जमीन मे से अपने पेड नही काट सकते जिस कारण किसान को ज्यादा नुकसान होता है। खासकर जो लोग ठेकेदारी का काम करते हैं उन लोगों को बड़ा मुनाफा है क्योंकि वे 100 रुपये के

पेड़ू को 35 –50 रुपये में मिलीभगत से खरीद लेते हैं और पेड़ू काट लेते हैं इस बारे में भी मैंने मुख्यमत्री जी से भी बात की थी कि इन पेड़ों को काटने के लिए कुछ कानूनी पेचीदगियां हैं। कानून की पेचीदगियां रहते हुए सरकार के लिए भी मुश्किल है। मैं चाहूगा कि कुछ पेड़ू ऐसे हैं जिनकी कानूनी पेचीदगियां दूर करते हुए उनको काटने की छूट देनी चाहिए। कम से कम चार किस्म के सिम्बल, तुन, जमोवा व कदम के पेडों को काटने की छूट दी जाये क्योंकि ये पेड़ू बहुत ही जल्दी तैयार हो जाते हैं। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि इन चारों किस्म के पेडो से दफा चार समाप्त होनी चाहिए। दफा चार लागू होने की वजह से जो परम्परागत पेड़ थे वे भी लोगों ने लगाने छोड़ दिये हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे यहां पर पापुलर की खेती बहुत अधिक होती है। सफेदे और पापुलर के बहुत पेड़ू लगे हुए हैं। दूसरे पेड़ू लोग इसी लिए नहीं लगाते क्योकि उन पर दफा 4 लागू है और इसकी वजह से पर्यावरण की भी समस्या सामने आ रही है। जो परम्परागत पेड थे उन पर तो घोसला बन सकता है और पक्षी उन पेडों से कुछ फल वगैरा भी खा सकते हैं क्योंकि उन पर कुछ न कुछ लगता है। सफेदे के पेड पर कोई फल नहीं लगता और पक्षी इस पर अपना घोसला भी नही बना सकते है। जहा सरकार पर्यावरण के लिए इतनी चितिंत है तो मेरी समझ मे यह भी आता है कि इसके लिए भी अगर छूट मिले तभी लोग ये पेड़ू लगाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि इस बारे में विचार करे। दूसरे जंगली

जानवरो से पहाडी क्षेत्रो कण्डी क्षेत्र मे बडा भारी नुकसान होता है। पिछली बार भी इस बात को मैंने यहा पर रखा था। सरकार जंगली जानवरों की रक्षा के लिए बड़ी प्रयासरत है और उनकी रक्षा होनी भी चाहिए लेकिन कुछ जानवर इतनी सख्या मे बढ जाते हैं जिनके प्रति कोई स्नेह नही रहता, जैसे रोज है। पिछली बार भी इस पर काफी चर्चा हुई थी और पता नही इसका नाम नील गाय कहा से आया क्योंकि इसका और गाय का आपस मे कहीं कोई मेल ही नही है। इसमे गाय जैसा कुछ भी नहीं है और न ही गाय से इसे कुछ लेना देना है। पता नही क्यों और किसने इसके साथ गाय शब्द जोड दिया। इस जानवर ने वहा पर बहुत बड़ी समस्या पैदा कर रखी है। उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि इसका कोई न कोई इलाज जरूर होना चाहिए। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः आपके पास अगर इस बारे मैं कोई सुझाव हो तो वह आप दें।

श्री कंवर पाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इरा बारे मे मैं यह सुझाव देना चाहूंगा कि जंगल के साथ तार लगाई जाए ताकि यह इधर आए ही नही या फिर इसको पकड़ कर कही और छोड़ा जाए, सरकार इसका कोई न कोई इन्तजाम जरूर करे, या सरकार इसके शिकार के लिए छूट दे। यह सख्या बहुत ज्यादा है इसलिए इसके शिकार की छूट होनी चाहिए (विघन)। मेरी पार्टी हो या कोई दूसरी पार्टी हो इसका शिकार तो करना ही पड़ेगा आखिर

जमींदार की फसल की रक्षा तो करनी ही पड़ेगी। उपाध्यक्ष महोदय, हम ही नही इससे सारा हरियाणा प्रदेश परेशान हे लेकिन हम लोग पहाड के नजदीक हैं इसलिए इससे ज्यादा परेशान हैं। उपाध्यक्ष महोदय, दूसरे आपके माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि एस०वाई०एल० कैनाल के बारे मे बहुत बातें होती हैं। जो पहाडी क्षेत्र है. चाहे वह छछरौली है, चाहे सढौरा है, चाहे नारायणगढ या कालका है इनका पहाड़ के साथ लगता क्षेत्र है, यहा सिचाई के लिए नहरी पानी की बड़ी समस्या है। अक्सर यहा सूखा पडता रहता है। पहले तो नहरी पानी यहा पर आ नही सकता था क्योकि इसकी कोई योजना नहीं थी लेकिन अब जब हथनी कुण्ड बैराज बन गया है तो पानी ज्यादा लिफ्ट हो गया है इसलिए सरकार से मेरा अनुरोध है कि इस हल्के में भी नहरी पानी पहुंचाने की चिन्ता की जाए और उसको सूखे से राहत दी जाए। इस हल्के की और भी बड़ी समस्याएं हैं। जैसे मैंने अभी दफा 4 की बात कही कि दफा 4 इस एरिये मे लागू है, जंगली जानवरों से नुकसान भी इसी इलाके में होता है और फलड से भी इसी ऐरिया में नुकसान होता है। अक्सर जिन अधिकारियों या कर्मचारियो की इस इलाके में नियुक्ति होती है इन्टीरियर में होने के कारण वे अधिकारी और कर्मचारी वहां पर जाते नहीं हैं। अध्यापक भी उन इलाकों के स्कूलों में नहीं जाते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हर प्रकार का नुकसान इसी इलाके को सहन करना पड़ता है। मेरा निवेदन है कि इस इलाके को कम से कम कोई तो फायदा होना चाहिए। जो यमुना नहर आती है वह पहले छछरौली

में आती है इसलिए वहा पर भी पानी देने की कुछ चिन्ता की जाए। उपाध्यक्ष महोदय, पिछली बार माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने दुग्ध क्रान्ति की बात सदन में कही थी। इस बारे में मेरा एक सुझाव है कि सरकार इस तरीके से दुग्ध क्रान्ति लाना चाह रही है तो पिछली योजना जो बनाई है उसमे अमरीकन नसल की गायो को डिवैल्प किया जा रहा है। मैं समझता हू वह हमारे लिए उपयोगी नही हैं. वह प्रैक्टिकल नही है। इस नसल की गाय जो हम तैयार कर रहे हैं बडी मात्रा में यह गाय गर्भ धारण नही करती। यह अमरीका और इगलैंड मे तो ठीक है, उनके लिए गाय कोई मां नही है न ही उनमे गाय के प्रति कोई विशेष भावना है 1 उनके लिए गाय भी वैसा ही पशु है जैसे दूसरे पशु हैं इसलिए उनके लिए कोई समस्या नही है। हमारे लिए यह बड़ी समस्या है कि जो अमरीकन गाय है उसमें आधी गाय गर्म, धारण नही करती। यदि इनको सही चारा, सही खुराक मिलेगी तब वह गर्भ धारण करेगी नहीं तो वैसे ही घूमती रहेगी उसका क्या करेगे। यह हमारी एक बहुत बडी समस्या है। दूसरी बात यह है कि जो उसके बछडे हैं वे उपयोग में नही आते हैं। उपयोग मे न आने के कारण लोगों ने उन्हें खुला छोड दिया वे खेतों में नुकसान करते हैं। (विष्य) यह जो स्कीम बनाई गई थी कि अमेरिकन गाए दूध ज्यादा देगी, लेकिन यह नही जानते थे कि उसका क्या क्या नुक्सान होगा। आज इन गायों के बछडे किसी काम के नही हैं इनको ऐसे ही छोड दिया जाता है और जब ये बहुत बडी तादाद में हो जाएगे तौ ये किसानो की फसल का बहुत. नुक्सान करेंगे। अमेरिकन

नस्ल की गायों के अलावा हमारे यहा जो दूसरी नस्ल की गाए है उनकी तरफ ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

12.00 बजे

उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं सरकार का ध्यान एक दूसरी बात की ओर दिलाना चाहूंगा कि पिछली सरकार के वक। हरियाणा मे पालिथीन के प्रयोग पर रोक लगा दी गई थी लेकिन उस पर सही तरीके से इम्पलीमैंट नही हो पाया है। आज आप खेतों में जाते हैं और खुद भी देखते हैं कि वह। पर पालिथीन पड़े रहते हैं। आज तो उनकी सख्या इतनी ज्यादा नही है लेकिन आने वाले समय मे यह बहुत ही ज्यादा हो जाएगे और इनसे बहुत नुकसान होगा। आज हम भी किसी दुकान से सामान लेते हैं तो वह सामान दुकानदार एक लिफाफे मे डालकर देता है तो हम उस लिफाफे पर एक और लिफाफा चढा देते हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि वे पालिथिन के प्रयोग पर अच्छी तरह से और सख्ती से रोक लगाए ताकि– आने वाले समय में इनकी वजह से कोई बडी दिक्कत पैदा न हो जाए। उपाध्यक्ष महोदय, आज किसी आदमी के घर चाय पीने के लिए 25 –30 आदमियों की पार्टी होती है तो वहां पर चाय पीने के लिए ग्लास दूसरी किस्म के भी प्रयोग किए जा सकते हैं लेकिन जब वे ग्लास खरीदते हैं तो वह प्लास्टिक वाले ही खरीदते हैं और उनको वैसे ही फैंक दिया जाता है जिससे काफी समस्या पैदा होती है। इस समस्या की तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, सरकार ने बिजली के तत्काल कनैक्शन देने की स्कीम चालु की है लेकिन इसमें इतना पैसा देना पड़ता है कि आम किसान ये कनैक्शन नही ले सकता है। यह कनैक्शन तो वही ले सकता है जो सम्पन्न किसान है। मैं यह नही कहता कि यह स्कीम ठीक नही है लेकिन सरकार से मेरी यह प्रार्थना है कि जिन लोगो ने 1963 से 1985 तक कनैक्शन लेने के लिए अप्लाई किया था और सिक्योरिटी जमा करवा रखी है उनको भी प्रायर्टी बेसिज पर कनैक्शन देने की व्यवस्था करें। ऐसी स्कीमो का साधन सम्पन्न लोग ही प्रयोग कर सकते हैं आम किसान उस स्कीम का तब प्रयोग कर सकते हैं जब सम्पन्न लोग उसका प्रयोग करके छोड़ देते हैं। सरकार से मेरी एक बार फिर प्रार्थना है कि जिन लोगों ने पहले की दरख्वास्तें दी हैं और सिक्योरिटी जमा करवा रखी है उनके प्रति भी ध्यान दें। मैं यह नही कहता कि तत्काल कनैक्शन लेने वालो को कनैक्शन न दे उनको भी दें लेकिन आम किसान के बारे मे भी सोचे।

श्री उपाध्यक्षः कवर पाल जी आप कन्कल्यूड करे।

श्री कंवर पाल सिहः उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै आपका ध्यान सड्कों पर होने वाले एक्सीडैंट्स के तरफ भी दिलाना चाहत। इस बारे मे आज प्रश्न भी पूछा गया था और उसके बारे में जवाब देते हुए बताया गया कि पिछले पाच सालो मे 40000 एक्सीडैंट्स हुए हैं और उनमें से 14230 लोगो की मौतें हुई हैं और 40,800 लोग घायल हुए हैं। हमारी सरकार को

एक्सीडैंट्स की तरफ समुचित ध्यान देना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै यहा पर एक बात और बताना चाहूगा कि आज चालान कैसे काटे जाते हैं। वैसे तो चालान उन लोगो के काटे जाते हैं जो सडक पर अपने वाहन ठीक नही चलाते हैं, ओवर स्पीड पर चलाते हैं, हैलमेट नही पहनते हैं, गाड़ी मे बैल्ट नही बाधते हैं। लेकिन आज क्या होता है कि थाने मे फोन आ जाता है कि आज तूने 35 चालान करने हैं तो तू फलां चौक पर शाम को आ जा वही पर काट लेंगे। जबकि चाहिए यह कि अगर कोई अपना कहन गलत चलाता है या कानून की अबहेलना करता है तो उनको उस बारे मे बताया जाना चाहिए शिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे दोबारा से उस गलती को न करें।

कृषि मंत्री (स० जसविन्द्र सिह): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जो कह रहे हैं यह ठीक नही है कि इस तरह से चालान का कोटा पूरा करने के लिए चौक पर खड़े होकर चालान काटे जाते हैं। चालान तो उन्ही के काटे जाते हैं जो नियमों की पालना नही करते है। आपको इस तरह की बात नही कहनी चाहिए। आप तो मेरे पड़ौस मे ही रहते हें।

श्री कंवर पाल सिंह: उपाध्यक्ष महोदय. मेरे हल्के मे बजरी और रेता काफी मात्रा मे निकाला जाता है। वहा पर इसकी जो रायल्टी है उसके लिए एक तुप बना दिया गया है। मेरा ख्याल है कि इस तुप के बनाने से शायद सरकार की आमदनी 25 परसैट बड़ी होगी या 30 परसैंट बढी होगी लेकिन जो रायल्टी का रेट है

वह कई गुना ज्यादा बढ़ गया है। जहा पर पहले यह दौ सौ रुपये था वही अब यह बढकर सात सौ रुपये हो गया है। एक तरफ तो सरकार कम्पीटीशन की बात करती है और दूसरी तरफ कम्पीटीशन को समाप्त किया जा रहा है। केवल एक ही तुप खड़ा किया जा रहा है। मैं बताना चाहूगा कि वह तुप लोगो का शोषण कर रहा है। हो सकता है कि इस मामले मे सरकार ने सोचा होगा कि इससे लाभ होगा लेकिन इससे लाभ होने की बजाए नुक्सान ही हो रहा है। अगर तीन सौ रुपये का रेत है तो उसके ऊपर रायल्टी पांच सौ रुपये की है यानी रेत की कीमत कम है और उस पर रायल्टी बहुत ज्यादा है। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि वह इस मामले मे पुनर्विचार करें। इसके अलावा मैं एक और निवेदन करना चाहता हू। विधायक की विकास निधि के बारे मे मैं कहना चाहता हू। माननीय मुख्यमंत्री जी ने 'सरकार आपके द्वार' का प्रोग्राम चलाया हुआ है और वे इसके तहत पूरा पैसा भी दिलवा रहे हैं। इसमें किसी को कोई शिकायत नही है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री का बहुत आभारी भी हू कि उन्होंने पर्याप्त पैसा दिया है। फिर भी मैं कहना चाहूंगा कि जो छोटे-छोटे काम होते है उनको विधायक अपने स्तर पर ही करवा सकता है। मुख्यमत्री जी को तो पूरे हरियाणा के बारे मे सोचना होता है लेकिन विधायक को अपने हल्के में ज्यादा पता होता है इसलिए वह इस तरह के छोटे काम करवा सकता है। अगर विधायक को विधायक विकास निधि के रूप में कुछ पैसा मिल जाए तो अच्छा रहेगा। उपाध्यक्ष महोदय, जो साधनहीन स्टेट्स हैं उन्होने भी अपने

विधायको को इस तरह की निधि दी हुई हैं। यू० पी० जैसे स्टेट ने भी अपने विधायकों को इस तरह का पैसा दिया हुआ है और इसी तरह दिल्ली में दो करोड़ रुपये विधायक को मिलते हैं लेकिन हरियाणा मे विधायक को इस तरह का कोई पैसा नहीं दिया जा रहा हैं। इसलिए मेरी सरकार से माग है कि हरियाणा मे भी इस तरह की व्यवस्था होनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः कवरपाल जी, अब आप वाईड अप करें।

श्री कंवरपाल सिंहः ठीक है जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका धन्यवाद। राव इन्द्रजीत सिंह (जाटूसाना). उपाध्यक्ष महोदय, आपका समय देने के लिए शुक्रिया। सर, गवर्नर ऐड़स पर आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया। आज से पहले भी हम सदन के अदर सदन की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहते थे। लेकिन हम ठीक ढंग से सदन की कार्यवाही मे हिस्सा नही ले पाए। आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया है इसलिए मैं दो चार बातें कहना चाहता हू। इस सरकार ने तीन बजट इन पिछले दो ढाई सालों में पेश किए हैं। आम तौर पर यह देखा जा रहा है और यह एक रिवायत सी पड गयी है कि जब बजट पेश किया जाता है तो सत्ता पक्ष के लोग उसकी बडी –बडी तारीफ करते हैं। जो विपक्ष के लोग होते हें वे उसकी नुक्ताचीनी करते हैं लेकिन जो हरियाणा की वास्तविक समस्याए होती हैं उनको हल करने के नजरिये से न तो सत्ता पक्ष और न ही विपक्ष कभी गौर फरमाता है। जैसे–जैसे सैशन आगे बढता जाता है वैसे– वैसे

पहले तो पार्टी के ऊपर एक दूसरे द्वारा इल्जाम लगाए जाते हैं और उसके बाद पर्सेनेलाइज अटैक होने शुरू हो जाते हैं। मैं कहना चाहूंगा कि ऐसा करके हम किसको इस बात का बैनीफिट दे रहे हैं। यह ठीक है कि हम सारे के सारे राजनीतिक लोग हैं इसमे कोई शक की बात नही है सबके मन बने हुए हैं सब अपनी–अपनी पार्टी के सदस्य हैं और जो इंडीपैंडैन्ट रूप से विधायक बनकर आते हैं वे यह सोच लेते हैं कि हमारे एरिया का हित किस तरह से होगा और वे उसी हिसाब से अपनी–अपनी एलायन्मैंट कर लेते हैं। पिछले दिनों में पर्सनल अटैक के मामले में ऐसा देखा गया कि पार्टी की तो बात ही छोड़िए पेट के अदर भी लात मारने की कोशिश की गयी। बड़े–बड़े नेता जो मुख्यमंत्री रह चुके हैं पार्टी के अध्यक्ष रह चुके हैं या मंत्री रह चुके है उनके ऊपर ही सारे का सारा सदन का समय खराब हो जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, आज सुबह मैं रेडियो सुन रहा था। उस पर एक एडवरटाईजमैंट आ रही थी जिसका मुझे अब ख्याल आ रहा है। दो छोटे– छोटे बच्चो मे लडाई हो गयी। पहले वाले बच्चे ने कहा कि मेरा डैडी तेरे डैडी से तगड़ा है तो दूसरा बच्चा बोला नही, मेरा डैडी तेरे डैडी से तगडा है। फिर पहले बच्चे ने कहा कि यह तो बराबर का कर दिया तो उसने कहा कि मेरा घर तेरे घर रो बढ़िया तो दूसरा बच्चा बोला कि मेरा घर तेरे घर से भी बढ़िया, तो पहले वाले बच्चे ने कहा कि इसमे भी बराबर हो गया। फिर उसने कहा कि मेरी मां तेरी मां से सुन्दर तो दूसरे वाले ने कहा कि मेरे पापा भी यही कहते हैं। तो क्या हुआ कि पेट के नीचे वार

करना पडा और आज सदन के अंदर भी यही कोशिश की जा रही है कि किसी भी तरीके से चाहे विपक्ष वाजिब बात भी कहने वाला है तो उनको कहने न दो इसके लिए चाहे उनके पेट के नीचे वार करना पड जाए लेकिन उनको चुप करवा कर बैठा देना चाहिए जो कि आज हमारे लिए बहुत हानिकारक है। गवर्नर साहब ने यहां पर अभिभाषण दिया, जो सरकार ने कहलवाया वह उनको यहां कहना पडा। लेकिन हम उनका धन्यवाद क्यो नहीं कर पा रहे हैं इस बारे मे 2 –4 बातें कहना चाहता हू। हरियाणा के अदर लोगों की माली हालत सुधरी। खासकर जब पंजाब से हरियाणा अलग हुआ तब सुधरी और किस वजह से सुधरी एग्रीकल्चर की वजह से सुधरी। आज यदि हरियाणा और पंजाब दोनो प्रान्त मिला लिए जाते हैं तो देश का जितना भी गेहूं है उसका 60 फीसदी हिस्सा केन्द्रीय पूल में ये दोनों राज्य देते हैं। हमारे मुख्यमंत्री जी आज नही हैं इनके काबिल दोस्त श्री चन्द्रबाबू नायडू के प्रान्त आन्धाप्रदेश को भी यदि इसमें शामिल कर लिया जाए तो धान की फसल के मामले मे ये तीनो राज्य मिलकर केन्द्रीय पूल में 60 फीसदी धान देते हैं। कायदे से हमारे गांवो के अदर रहने वाले किसान भूखे नही रहने चाहिए लेकिन वास्तिवकता क्या है कि हमारा किसान कर्ज के बोझ से दबा हुआ है। बाप यह समझता है कि मैंने अपने बेटे को पालपोसकर बडा कर दिया अब यह मेरे बुढ़ापे का सहारा होगा लेकिन जब वह कुछ कर नही पाता तो वह नमक मिर्च लगाकर सल्फास की गोली खा जाता है और इस बारे मे इस सदन मे चर्चा नहीं होती। क्या चर्चा होती है एक कहता है एस०वाई०एल० का

पानी मैं लाया दूसरा कहता है मैं लाया। एक कहता है गेहू का दाम मैंने बढवाया दूसरा कहता हैं कि मैंने बढवाया। एक दूसरे पर इस तरह रो तीरदाजी चलती रहती है और समय खत्म हो जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर जिसकी वजह से हरियाणा ने वास्तव मे तरक्की की है और किसान की माली हालत सुधरी है उसके बारे मे जिक्र नही होता। तरक्की हरियाणा के किसान ने की है फिर भी कई हिस्से ऐसे हैं जहा बराबर की तरक्की नही हुई। जो सरकार बन जाती है वह सरकार सबकी हो जाती है, जब तक वह सत्तासीन है, सबकी हो जाती है उसको एक नजर से सारे प्रान्त के लोगों को देखना चाहिए। यह नही कि यह काग्रेस का हल्का है. यह बी०जे०पी० का हल्का है यहां हमारी सत्ता नही है इसलिए यहां विकास नही किया जाएगा। एक तरफ तो वे जिले हैं जिनके यहां पर एस०वाई०एल० का पानी पहुचता है और वे 20 रुपये में एक एकड़ की फसल में पानी लगा देते हैं और दूसरी तरफ हमारे साथी बोल रहे थे अरावली के साथ का तथा अरावली का क्षेत्र और दूसरी तरफ कण्डी क्षेत्र है, दक्षिणी हरियाणा का एरिया है जहां पर तीन –तीन सौ फीट नीचे से पानी खींचकर लाया जाता है और उनकी हालत यह हो गई है कि एक फसल से उनका काम चलता नही और दूसरी तरफ वे लोग तीन –तीन फसलें ले रहे जो नहरी पानी ले रहे हैं। एक फसल से उनका काम चलता है और ये कहते हैं कि हरियाणा के अदर तरक्की हो रही है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर अगर वास्तविकता मे तरक्की करनी है तो कम से कम बराबरी पर सबको हिस्सा दिया

जाये, किसानो के अन्दर बराबरी का हिस्सा होना चाहिये। हर जिले में रहने वाले किसानों को बराबर का हिस्सा होना चाहिये। हरियाणा प्रदेश में किसानों को बराबर का हिस्सा नही दिया जा रहा है। जींद सिरसा जिलो मे रहने वाले किसानो को बराबर का लाभ सरकार द्वारा दिया जाना चाहिये। सारे प्रदेश के किसान प्रत्येक मामले में बराबर के शरीक होने चाहियें। लेकिन हमारी सरकार इस ओर ध्यान नही देती है। आज तक हम जो गेहू और धान केन्द्र में भेजते रहे है सबको मालूम है कि जितना धान और गेहूं हमारे देश के मोटे–मोटे चूहे खा जाते हैं उतना हमारा प्रदेश एक साल मे पैदा नही करता है। लेकिन फिर भी हमारी नीति है कि हम धान और गेहूं उगाकर केन्द्र में भेजकर नम्बर कमाते हैं। इस बात के नम्बर बनाते हैं कि गेहू का मैक्सिमम सपोर्ट प्राइस 20 रुपये प्रति क्विटल बता दिया, धान का 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया। इस प्रकार नम्बर कमाते हैं। होता क्या है कि यह सारा का सारा अनाज केन्द्र के भण्डारो मे जमा हो जाता है और उसको चूहे खाते रहते हैं। यह सरकार इस बात पर क्यों नही सोचती। सरकार के यहां पर बडे–बड़े वैज्ञानिक साईटिस्ट हैं इस बात पर चर्चा क्यों नही की जाती कि कोई ऐसी पोलिसी बनाई जाये जिससे एग्रीकल्चर के विषय में लोगों के पास पानी के लिमिटिड सोर्स हैं उसका मैक्सिमम यूटीलाईजेशन हो और किसानों को बराबर का फायदा मिले। जो किसान सिरसा में बैठा है उसको भी उतना ही फायदा मिले और जो किसान महेन्द्रगढ़ और नारनौल में हैं। उसको भी बराबर का फायदा हो। उपाध्यक्ष महोदय, श्री सम्पत

सिह हमारे फाईनैस मिनिस्टर साहब मुआवजा देने का जिक्र कर रहे थे। मुआवजा देने का जहां तक फैसला लिया गया वह उन इलाकों के लिए लिया गया जहा पर पाला पडा था और ओलावृष्टि हुई थी और जहां पर ज्यादा बारिश हुई है। लेकिन उन क्षेत्रो के अन्दर जहां लोग अपनी फसल की बिजाई ही नही कर पाये उनको भी मुआवजा दिया जाना चाहिए था। उनके पास पानी ही नही था। न नहरी पानी था और न नीचे का पानी था क्योंकि जमीन का वाटर लैवल नीचे चला गया था और फसले बारानी रह गई थी। नांगल चौधरी के हमारे माननीय सदस्य मूलाराम जी का इलाका और बावल का क्षेत्र उन इलाको में कई गाव के गांव अपनी फसल नहीं बीज सके क्योंकि गेहूं की बिजाई करने के लिए, प्ले करने के लिए पानी नहीं था। क्या वे लोग मुआवजे के बराबर के हकदार नही हैं। क्या इस सदन की और सरकार की इसके लिए जिम्मेदारी नहीं है कि उस बारे मे इस सदन के अन्दर हम चर्चा करे कि जो प्रदेश के किसान पानी की कमी के कारण अपनी फसल बीज नही सके उनको भी मुआवजा दिया जाये जबकि सबको मालूम हैं कि हमारे पास पानी उपलब्ध है। गर्वनर महोदय के अभिभाषण मे इस बात का कही जिक्र नही किया गया है जबकि इस विषय में अभिभाषण मे चर्चा अवश्य होनी चाहिये थी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एग्रीकल्चर के विषय को वाईंड अप करते हुए इसके साथ –साथ यह भी कहना चाहूंगा कि एग्रीकल्वर के क्रापिग पैटर्न को जब तक हम चेज नही करेंगे तब तक पानी की कमी हमे हमेशा सेधती रहेगी। हम लोगो को कहते रहेंगे कि जब एस०वाई०एल० का पानी

आयेगा तब दक्षिणी हरियाणा के क्षेत्र बागड़ी एरिया के अन्दर पानी पहुचायेगे। लेकिन जो लोग 20 साल से गेहू की फसल के लिए 100 लीटर वन स्केयर फीट एरिया प्रति एकड इस्तेमाल कर रहे थे आज वे लोग धान की बिजाई करने लग गये हैं और उनका पानी का इस्तेमाल बढकर 200 से 500 लीटर वन स्केयर फीट एरिया प्रति एकड हो गया है। नदी का पानी जहा से चलता है वहा पर लोग दबादब पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं और पानी का स्तर नीचे चला गया है। वे लोग पानी का पूरा इस्तेमाल कर रहे हैं हमारी नीति यह होनी चाहिये कि पानी को आगे भी दिया जाये। लेकिन जो लोग गेहूं बोते थे उनको सरसो बीजनी पड रही है और जो सरसों बीजते थे उनको जी बोने पड़ रहे हैं। इस विषय पर सरकार को कुछ न कुछ सोचना चाहिये।

श्री उपाध्यक्षः राव साहब आप वाईंड अप करें आपका भाषण का हिस्सा इसी. विषय पर कंपलीट हो गया है।

राव इन्द्रजीत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं इरीगेशन के बारे मे थोडा सा कहना चाहता हूं। एस०वाई०एल० नहर का जिक्र थोडी देर पहले मैंने किया था। एस०वाई०एल० नहर का पानी हरियाणा को थोडा सा मिलता है यह हम और आप जानते हैं और सदन के लोग भी जानते हैं लेकिन देश के बाकी एरियाज में जहां सूखा है वे लोग इस बात को नहीं जानते हैं। पिछले दिनो हमने ठंडी सांस ली जब सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला कर दिया कि हरियाणा के पानी के लिए जो लिक चौनल है वह

एक साल के अन्दर बनाया जाएगा और उसके पश्चात् देखने को यह मिला कि ट्रिब्यून या और अखबारों मे बड़े–बडे एडीटोरियल आए और यह कहा गया कि एस०वाई०एल० के पानी के बारे मे फैसला करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट का नही था। हमें पब्लिसिटी के तौर पर कम से कम उन बातो का खण्डन तो करना चाहिए था और कहना चाहिए था कि सुप्रीम कोर्ट को यह फैसला करने का अधिकार था और हमको यह मान्य है। जो –जो पार्टिया इस फैसले को नही मानती या गैर कांस्टीच्यूशनल ढग के इन्कार करती हैं, उनके साथ कुछ ऐसा होना चाहिए ताकि उनको सबक मिल सके। लेकिन हमारी सरकार की तरफ से इस विषय पर कोई चर्चा नही की गई क्योंकि शायद बादल साहब पडौस के प्रदेश से चुनाव लड रहे थे और अगर वे इस विषय पर चर्चा कर देते तो उनको राजनीतिक तौर पर हानि हो जाती। हमारी प्रथम जिम्मेवारी प्रदेश के लोगों के प्रति बनती है और हमारी सरकार को उस जिम्मेवारी को पहले निभाना चाहिए था और दोस्ती का फर्ज बाद मे अदा करना चाहिए था। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले दिनो मैंने यहा कहा था कि आज के दिन हमे रावी व्यास का पानी 18 मिलियन एकड फुट मिल रहा है लेकिन हमारे फाइनैंस मिनिस्टर जी ने कहा कि 1.8 नही 1.83 मिल रहा है। वह 163 जो पानी मिल रहा है, आज की स्थति मे हम यह नही सोचते कि हमको यह पानी मिल जाएगा क्योंकि जिस तरह से यहां सदन चला है या जो बातें हुई हैं उससे हमे उम्मीद नही है कि यह पानी हमें मिल जाएगा जो आज के दिन हरियाणा के हिस्से में आता है। जिस यमुना के

अन्दर सर्दियो के दौरान 5000 से लेकर 8000 क्यूसिक तक पानी गुजरता है वह बरसात के दौरान बढ़कर 80 हजार क्यूसिक हो जाता है। वह 30 हजार क्यूसिक पानी हरियाणा की सरहद पार करके, यू०पी० की सरहद पार करके और बिहार की सरहद पार करके वे आफ बंगाल मे जाकर गिर जाता हे। उसका हम इस्तेमाल नही कर रहे हैं हमको इस्तेमाल क्यो करना चाहिए जैसा मैंने पहले अर्ज किया था कि हम को रिचार्जिंग की आवश्यकता है, जमीन के नीचे पानी नही है। 99.9 परसैंट तक सब सोयल वाटर खत्म हो चुका है। हम उसको इस्तेमाल क्यो नही कर पाते क्योंकि हमारे इंजीनियर्ज साहेबान इंडैट नही भेजते। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, हम सरकार से कम से कम यह उम्मीद करना चाहते हैं कि वह इस बारे में अपनी नीति बनाए कि बरसात के दौरान इस नदी से जो पानी गुजरता है. इसको रिचार्ज करके उसको कैनालाइज करके उन एरियाज मे भेजें जहां जोहड भरे जाए, ताकि अंडर ग्रांउड वाटर रिचार्ज हो सके। अध्यक्ष महोदय, एक समय हुआ करता था जब हरियाणा के अन्दर जगह –जगह पर पानी के वैट लैण्ड बन जाया करते थे। 10 एकड के अन्दर अगर पानी ठहरता था तो 100 एकड के एरिया में उसका फायदा होता था क्योकि इर्द गिर्द में रिचार्जिंग की वजह से उपज ज्यादा हो जाती थी। अब धीरे–धीरे हो यह रहा है कि जमीन हुड्डा एक्वायर कर रही है. कहीं लोगों ने उसके ऊपर जमीदारी करनी शुरू कर दी है। वैट लैण्ड धीरे –धीरे खत्म होते जा रहे हैं। जो किसान पहले टयूबवैल से 100 फुट से पानी लिया करते थे अब वे

300 फुट से पानी लेने लगे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हू कि जो लोग खेती करके अपनी जमीन के अन्दर' वैट लैण्ड को नष्ट कर रहे हैं उनको सरकार मुआवजा दे, कि तुम्हारे को जितनी उपज इस जमीन मे मिलेगी उतने सरकार तुम्हें पैसे दे देगी और तुम इस जगह को बरकरार रखो।

श्री अध्यक्षः राव साहब प्लीज वाईंड अप करे।

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कुछ कहना चाहूंगा कि सत्ता पक्ष के साथियों ने कहा कि बिजली बहुत पैदा हो रही है। हमारे सत्ता पक्ष के भाईयो ने एक बात उठाई थी कि हम हाउस में उन बातो का जिक्र न करें जिनका जिक्र राज्यपाल महोदय के अभिभाषण मे नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यदि ऐसा ही है तो ये हमे रबड की स्टैंप दे देते हम वह लगा देते और राज्यपाल महोदय का अभिभाषण पास हो जाता। हमें मालूम है कि इनका बहुमत है जो ये चाहेंगे वही होगा लेकिन जिन बातों का जिक्र अभिभाषण मे नही किया गया यदि हम भी उन बातो का जिक्र हाउस में नहीं करेंगे तो सरकार को जनता की समस्याओं का कैसे पता लगेगा। अध्यक्ष महोदय, यदि हरिजन कल्याण निगम बनती बै तो उसका चेयरमैन हरिजन को बनाया जाता है क्योकि एक हरिजन ही हरिजन की समस्या को भलीभांति जान सकता है, एक ब्राहमण नही। इसी तरह से यदि बैकवर्ड क्लास कमीशन बनाते हैं तो उसका चेयरमैन बैकवर्ड क्लास के

आदमी को ही बनाया जाता है लेकिन जब बिजली और पानी की बात आती है तो अमूमन अब तक जितनी सरकारें आई, एक–दो बार को छोड्कर किसी ने इस तरफ ध्यान नही दिया कि जहा पर बिजली और पानी की ज्यादा जरूरत है उसी जगह के लोगों को यह महकमा दिया जाये। जो लोग बिजली पर ही निर्भर हैं, जिनके यहां बिजली की और पानी की बहुत कमी है, जिनका सबकुछ बिजली पर ही दारोमदार है उस क्षेत्र के लोगों को सरकार बिजली का महकमा क्यों नही देती क्योकि वे लोग ही उनकी समस्या अच्छी तरह समझ सकते हैं। जो लोग उन लोगों की बिजली छीनने का काम करते हैं, पानी छीनने का काम करते हैं उन लोगों को बिजली का महकमा दिया जाता है क्या इसके ऊपर हम चर्चा नहीं कर सकते। सरकार ऐसा क्यों कर रही है कि जिनके पास पहले ही काफी है उनको और दिया जाये और वे ज्यादा मोटे हो जाये तथा जो गरीब हैं उनको कुछ न दिया जाये और वे भूखे मर जाये। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं लैंड एक्वीजीशन पॉलिसी पर एक दो बाते और कहना चाहूंगा कि हरियाणा का काफी एरिया दिल्ली के आसपास है और हरियाणा का काफी एरिया एक्वायर होता जा रहा है। पिछले 20 सालो से यह देखा जा रहा है कि जो एरिया एक्वायर होता है वह बडे सस्ते दामो पर एक्वायर होता है और उनके मालिक उससे सहमत नही होते, वे कोर्ट मे चले जाते हैं। पहले वे छोटी कोर्ट में जाते हैं, वहा उन्हें मुआवजा मिलता है फिर हाईकोर्ट होते हुए वे सुप्रीम कोर्ट तक जाते हैं इरा तरह से उनके मुआवजे मे वृद्धि होती रहती है। अध्यक्ष महोदय,

पिछले 4 –5 साल से एक बडी समस्या यह हो गई है कि अब जो लोग मुआवजे के लिए कोर्ट में जाते हैं उनका मुआवजा कोर्ट बढाने की बजाय घटा देता है लोगों को पहले जो पैसा मिला था वह तो उन्होंने खर्च कर लिया और सरकार को देने के लिए पैसे हैं नही इसलिए उन्हें जेलों मे जाना पडता है। क्या सरकार लैंड एक्वीजीशन पॉलिसी को चेज करेगी ताकि जिन लोगों की भूमि एक्वायर होती है उनको राहत मिल सके। विशेषकर फरीदाबाद, गुडगांव और चण्डीगढ के पास पंचकूला का जो एरिया है यहां किसानों की जो जमीन एक्वायर की जाती है उनको कम से कम इतना मुआवजा दिया जाना चाहिए कि उनके कलेजे ठण्डे हो जाये। हम सब जानते हैं कि यदि हम आज के दिन जमीन खरीदने जायेंगे तो 40 प्रतिशत हम सफेद पैसा देते हैं और 60 प्रतिशत .... पैसा देते हैं और सरकार भी किसानों को मुआवजा स्टैंप डयूटी के हिसाब से ही देती है जो कि बहुत कम होता है।

श्री अध्यक्षः ये शब्द कार्यवाही से निकाल दिये जायें।

राव इन्द्रजीत सिहः अध्यक्ष महोदय. जमीन एक्वायर होने से पहले जिनके पास 10 –10 या 15 –15 एकड जमीन थी अब उनके पास एक या दो एकड़ जमीन ही रह गई है और कई लोग ऐसे हैं जिनके पास एक या दो एकड जमीन भी नही रही। इसका एक दूसरा पहलू यह है कि कुछ लोग हरियाणा के थे भी नहीं। (विघन)

ग्राम एवं नगर आयोजना मंत्री (श्री धीर पाल सिह): आन ए पायट आफ आर्डर सर। माननीय राव साहब जिस बात का उल्लेख कर रहे हैं उस बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा कि गुडगाव के लिए हमे आदेश मिला पिछली सरकार का (विघन) विभाग कोई भी हो, हुड्डा को आदेश मिला कि इस भाव पर बढा हुआ मुआवजा दिया जाये। हमारे द्वारा उस आदेश की पालना की गई। इसके बाद भी कुछ को संतुष्टि नही थी। जैसे राव साहब कह रहे हैं कि उनकी सतुष्टि न होने की वजह से वे कोर्ट में चले गए। जिनको ज्यादा मुआवजा दिया गया था, उनका मुआवजा कोर्ट के आदेशानुसार वापस लेने की बात थी। जो बढा हुआ मुआवजा ले गये वह तो ठीक था लेकिन बात मे कुछ लोग इधर –उधर की बाते करने मे लग गए। यह बात चौधरी बंसी लाल जी को भी याद होगी। मेरे कहने का मतलब यह है कि जिस बात का राव साहब जिक्र कर रहे हैं वह मामला आज भी कोर्ट के विचाराधीन है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से राव साहब से अनुरोध है कि इस बात का ज्यादा उल्लेख न करे। राव साहब, हम भी यही चाहते हैं जो आप चाहते हैं। राव इन्द्रजीत सिंह ठीक है. मैं इस पर ज्यादा नहीं कहता लेकिन मैं एक बात अवश्य कहना चाहता हूं कि जो लैण्ड एक्वायर करता है. कौन करता है। लैंड इक्विजीशन आफिसर करता है। लैण्ड इक्तिजीशन आफिसर किसका होता है? लैण्ड एक्वीजीशन आफिसर सरकार का होता है और सरकार ही मुआवजे का पैसा देती है। इरा बारे में मेरा कहना है कि आप ऐसा नियम क्यों नहीं बना लेते जिससे लोगो को पूरा मुआवजा

मिल जाये। यदि उनको पूरा मुआवजा मिल जायेगा तो फिर उनको कोर्ट में जाने की आवश्यकता ही नही रहेगी। यदि हम जमीन एक्वायर करने के बाद पूरा मुआवजा दें. पूरा दाम दे तो फिर यह कोर्ट में जाने वाली बात खत्म हो जायेगी।

श्री अध्यक्षः राव साहब, आप अपनी बात एक मिनट मे खत्म करें।

राव इन्द्रजीत सिंहः ठीक है जी, मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म कर लेता हू। मैं एक बात यह कहना चाहूंगा कि फर्द देने की एक निति सरकार ने शुरू की थी और उसको इम्पलीमेंट करने की भी कोशिश की गई थी। जो फर्द पटवारी, तहसीलदार. नायब तहसीलदार देता था उस पर वे यानि फर्द पर लिख दें कि हमने फर्द 100 रुपये में दी है या कम व अधिक में दी है। मेरे कहने का मतलब यह है कि फर्द देने के दाम निर्धारित किए जाएं कि फर्द इतने पैसे में दी जायेगी। पैसा कितना वसूल किया गया इस बारे मे शुरु–शुरु में तो सरकार ने अपनी नीति लागू की थी लेकिन बाद मे क्या हुआ, क्या प्रैशर पडा, क्या लाभ हुआ वह सारी नीति डिसकन्टीन्यू हो गई। अब पटवारी कहता है कि फर्द के लिए 1000 रुपये हैं तो 1000 रुपये देने पड़ते हैं। यदि पटवारी 5000 रुपये मांगेगा तो 5000 रुपये देने पडेंगे। गुड़गाव व पंचकूला का पटवारी. नायब तहसीलदार या तहसीलदार 20 हजार रुपये मांगेगा तो 20 हजार रुपये देने होंगे क्योंकि यहां पर जमीन की कीमत ज्यादा है। (विघन) आप इस तरह से फर्द के पैसे लेने पर पाबदी

लगाइए। (विघन) सरकार को फर्द देने के दाम निर्धारित करने चाहिएं।

अध्यक्ष महोदय, यह सरकार पीने के पानी की भी सुविधा नही दे पा रही। इस बारे मे मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि पचायत फण्ड से या कम्युनिटी फण्ड से जो लोग टयूबवैल चलाकर पीने के पानी का प्रबध कर रहे हैं उनसे भी सरकार बिजली के पूरे कमर्शियल रेट्स वसूल कर रही है। सरकार उनके बिजली के पैसे नही दे सकती, इसका नतीजा क्या होता है कि जो पंचायत के बचे–खुचे पैसे हैं वे बिजली के बिल में नष्ट हो जाते हैं और बिजली का बिल न भरने की वजह से बिजली का कनैक्शन भी कट जाता है जिस कारण वे पीने के पानी से भी महरूम हो जाते हैं। इस बारे में मेरा कहना यह है कि जो पंचायतें पीने के पानी का अपना प्रबध कर रही हैं उनका बिजली का बिल पब्लिक हैल्थ विभाग को देना चाहिए। अंत में अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव भाई निशान सिंह जी ने पेश किया है मैं उसका विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री शादी लाल बत्रा (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत –बहुत धन्यवाद। माननीय राज्यपाल महोदय ने अपना तीसरा अभिभाषण पढ़ा। वे इस सदन में आए और अभिभाषण दिया। उन्होंने अभिभाषण मे एक बड़ी बात कही कि यह प्रदेश आदर्श प्रदेश है। अध्यक्ष महोदय, आदर्श प्रदेश मे हर निवासी को रहने के लिए छत, काम करने के लिए कोई न कोई साधन हो ओर अच्छी

शिक्षा दिक्षा हो अच्छा स्वास्थ्य हो लेकिन हम देखते हैं कि छत देने की बजाए यहां पर तो मकान गिरवाए जा रहे हैं और छतें हटवाई जा रही हैं। हुडा का एक्ट है वह ठीक है 1 हुड। एक्ट के नीचे कन्ट्रोल ऐरिया डिक्लेयर किया जाता है। अगर उस कन्ट्रोल एरिया में कोई मकान बनता है तो उसको गिरा दिया जाना चाहिए यहां तक मैं सहमत हू। अध्यक्ष महोदय, इस समय दिक्कत यह है कि जब मकान बन रहा होता है तो कोई अधिकारी उसको बनाने से नही रोकता। गरीब किसान, गरीब आदमी शहर में नजदीक आ करके मकान बनाता है ताकि वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सके, अच्छा स्वास्थ्य देने के लिए दवाईया ले सके लेकिन जब वह मकान बन जाता है तब साल दो साल बाद मकान गिरा दिया जाता है यह बात कोई शोभनीय नही है। खासकर उस वक्त जिस मकान पर हाउस टैक्स लगता हो खासकर वह मकान जिसकी रजिस्ट्री बनी हुई हो वह मकान गिरा दिया जाये तो वह किसान गरीब भाई कहीं का नहीं रहता है। कट्रोल ऐरिया में अगर मेरा कोई भाई जमीन बेचना चाहता है तो हुडा को यह जमीन बेचनी चाहिए यह ठीक है अगर सरकार का यह आदेश है तो उसका पालन किया जाना चाहिए। सरकार की तरफ से उस का कोई न कोई ऐसा समाधान होना चाहिए जिससे किसान उस जमीन को बेचना चाहता है तो सरकार उसको सरकारी मार्किट वैन्यू पर खरीद ले ताकि उस भाई की जो धरेलू समस्या है वह उसका समाधान कर ले। अध्यक्ष महोदय, जब यह भी नही होता, सरकार उस जमीन को नही खरीदती है और बाहर वह बेच नही सकता तो

उसके घर की जो समस्या होती है उनका समाधान कैसे हो, यह सोचा जाना चाहिए। इसके लिए मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहूगा कि उन्होंने जो कन्ट्रोल एरिया डिकलेर कर रखा है उस कन्ट्रोल एरिया में कोई भी भाई अगर किसी वक्त कोई जमीन बेचना चाहे तो सरकार को उस जमीन को लेने के लिए कोई कारपोरेशन बनानी चाहिए और बाजारी भाव पर उसको ले–ले तो यह समस्या कुछ हद तक सुलझ जायेगी। दूसरी बात यह है कि जो मकान वहा पर बन चुके हैं उन मकानो को गिराने की बजाय उन मकानों को रैगलराईज कर दिया जाये और उनसे पेमैंट ले ली जाये तब तो कोई बात बनती है नहीं तो मकान गिराये जायेंगे और उनको इतना नुक्सान हो जायेगा जिसकी भरपाई नही हो पायेगी। जब वह शहर मे आता है तब तो हम देखते हैं कि शहर में आने के बाद उसको कितनी सुविधाएं और लाभ मिल सकते हैं –लेकिन बाद में उसे दुखी होना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मैं रोहतक की बात करना चाहूंगा कि रोहतक में सरकार का एक इकलौता मैडीकल कालेज है। उसकी तरफ देखे एक तो ईलाज के लिए वहा काफी दिक्कत है दूसरा बच्चों के एडमिशन की बात चलती है तो एडमिशन में भी बहुत गडबडी होती है इस ओर भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। पिछली बार एडमिशन के समय एन०आर०आई० का कोटा रखा गया था जिनके लिए 17 सीटे रखी गई थी। एन०आर०आई० से कोई आया नही प्रोसपैक्टस मे जो सीटे उनको दी हुई थी उनको ओपन डिक्लेयर कर दिया और यह कह दिया कि ये सीटे ओपन कोटे को जानी चाहिएं और ये सीटें

ओपन कोटे से भर दी गई और इस पर हर आदमी के मन मे एक प्रश्न उठता है कि बिना डिकलेयर किए इन सीटी को कैसे भरा गया इसमे ट्रासपिरेंसी नही है इसमे कुछ गडबड है तो एन०आर०आई० का जो कोटा प्रोसपैक्टस में था अगर एन०आर०आई० से कैडीडेट नही आये तो उसमें कोई चेंज करनी थी तो उसकी दोबारा नोटीफिकेशन होनी चाहिए थी. पब्लिकेशन होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नही हुआ। अध्यक्ष महोदय, इससे लिटिगेशन बढ़ती है और विद्यार्थियों के मन में एक शका पैदा होती है कि जो काम हो रहा है वह साफ नही हो रहा है। मै चाहता हूं कि यह सदन और यह सरकार कुछ न कुछ ऐसा करे जिससे ट्रांसपेरेसी बढ सके और हमारी शक की सूई कही पर भी गडी न हो। अगर अब आगे चले तो आज 21वी सदी मे हम एंटर हुए हैं और 21वी सदी मे जो सुविधाए होती हैं उनमे ईलाज भी आता है लेकिन बडे दुख की बात है कि इस मेडीकल कालेज मे आज एम०आई०आर० स्कैन मशीन नही है जिसके कारण प्रदेशवासियो को भारी नुकसान हो रहा है। वहां पर सरकार को भी काफी नुकसान होता हे क्योकि सरकार के कर्मचारियो की स्वास्थ्य की जिम्मेवारी सरकार की होती है उनको मैडीकल ऐड लेने के लिए उन्हे दिल्ली या दूसरे प्रातो में जाना पड़ता है। उस पर सरकार को बहुत खर्चा बर्दाश्त करना पडता है। अगर एम आर आई स्कैन मशीन रोहतक मेडिकल कालेज में लगा दी जाए तो बहुत ज्यादा लाभ होगा और हम यह कहेंगे कि रोहतक मैडिकल कालेज मे आधुनिक सुविधा आ गई है। MRI स्कैन मशीन तो दूर रही, अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां पर

जो सीटी स्कैन की मशीन 15 साल पहले की लगी हुई है और उसकी जिन्दगी पूरी हो चुकी है उसमे बहुत सी खराबिया आ चुकी हैं। आज तक वहा पर दूसरी सीटी स्कैन मशीन नही लगी है। आज से एक साल पहले मुख्यमत्री जी वह। पर आश्वासन देकर आए थे कि नई सीटी स्कैन मशीन लग जाएगी। आज एक साल का समय बीत चुका है लेकिन उस आश्वासन पर आज तक कोई कार्यवाही नही हुई है। अध्यक्ष महोदय, यह जो मैंने एम०आर०आई० स्कैन और सीटी स्कैन की बात कही है उसके साथ मैं यह भी कहता हूँ कि वहां पर लाईफ सेविंग ड्रग्ज भी नही हैं। वहा पर अगर आप्रेशन चल रहा हो तो वहां पर आप्रेशन के लिए ब्लेड चाहिए होते हैं, वे भी नही हैं। वहा पर ब्लेड भी पेशेन्ट को ही लाने के लिए कहा जाता है, उनको यह भी कहा जाता है कि आप स्टीचीज के लिए धागा ले आएं और पट्टी ले आएं। आज यह सरकार यह कलेम करती है कि हमारे मैडिकल कालेजिज हैं और वहां पर गरीब आदमियो को फ्री सुविधा दी जाती है लेकिन मैं यह कहता हू कि वहा पर ब्लेड, पट्टियां और स्टीचीज लगाने के लिए धागा भी नही होता है। वह। पर कसलटैंट, प्रोफैसर और लैक्चरार भी पूरे होने चाहिए ताकि वे इन सुविधाओं का भी ध्यान रख सके 1 वह। पर पिछले दो सालो मे 6 डायरैक्टर प्रिसिपल बदले गए हैं। उनको बदलने का क्या कारण है मैं उस बात पर नही जाता। मैं तो यह कहता हू कि इसके लिए सरकार के पास पूरे अधिकार हैं कि सरकार उनकी रैगुलर नियुक्ति करे। वहा पर दो साल मे 6 डायरैक्टर प्रिसिपल चेंज कर दिए गए लेकिन वहा

पर एक भी ऐसा डायेरैक्टर प्रिंसिपल नहीं लगा जो मैडिकल कौंसिल आफ इण्डिया की क्वालिफिकेशन पूरी करता हो। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से इस सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि अगर हम यह चाहते हैं कि हमारे मैडिकल कालेज की गिनती प्रदेश के अच्छे अस्पतालों मे हो और देश में भी इसकी गिनती अच्छे मैडिकल कालेजों मे हो तो इसके लिए जरूरी है कि वहा पर एक अच्छा क्वालिफाईड डायेरैक्टर प्रिसिपल लगाया जाए। अध्यक्ष महोदय, वहां पर इसके अलावा भी जो वेकैन्ट पोस्ट्स है उनको भी जल्दी –से –जल्दी भरा जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, रोहतक मैडिकल कालेज में एक ट्रामा सैन्टर बना था और उस पर करोडों रुपए खर्च हो गए हैं। आज उसको बने हुए एक साल हो गया है, उस ट्रामा सैन्टर की बिल्डिग पूरी चुकी है लेकिन आज तक उसको इस्तेमाल नही किया जा रहा है। सरकार की एक नीति आई कि करनाल मे और सिरसा में एक्सीडैंट बहुत होते हैं और हम ट्रामा सेन्टर करनाल में और सिरसा में बनाएगे। मैं इनकी इस नीति का स्वागत करता हू।

अध्यक्ष महोदय में सरकार से एक प्रार्थना करना चाहूगा कि वहां पर भी सरकार का एक करोड रुपया लग गया है ट्रामा सैंटर की बिल्डिग कम्पलीट हो चुकी है तो उस बिल्डिग का उपयोग क्यो नही किया जा रहा है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि उस ट्रामा सैन्टर को जल्दी से जल्दी शुरू कर दिया जाए। उसको शुरू करने मे सरकार को कोई एडीशनल खर्चा नही करना पडेगा।

वहा पर स्टाफ भी है अगर एक दो लैक्चरर या प्रोफैसर अप्वांयट करने पडे तो उनको अप्वांयट करे उससे सरकार पर कोई खर्चा नहीं पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, मेडीकल कालेज एम०डी० यूनिवर्सिटी के साथ एफिलिएटिड है। एम०डी० यूनिवर्सिटी मैडिकल कालेज के एन्ट्रैस टैस्ट लेती थी लेकिन पिछले दो साल से मैडिकल कालेज के एन्ट्रैस टैस्ट लेने की पावर एम०डी० यूनिवर्सिटी से छीन कर गुरू जम्मेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार को दे दी गई थी। फिर वहां से भी वह पावर छीन कर कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी को दे दी गई। अगर हमारी एम०डी० यूनिवर्सिटी इतनी इनकंपीटैंट है तो मैं समझता हू कि वहां से टैस्ट लेने की पावर विदड्रा करने की बजाए वहा की अथौरिटी पर एक्शन क्यो नही लिया जाता है जिनके कारण यह हुआ है। अगर यह सरकार ऐसा करती तो यह बहुत ही अच्छी बात होती। अब बार–बार चेंज करने से हमारे मन मे एक शक की सूई खडी हो गई कि इसके कारण इनएफिसिएसी नही है बल्कि कुछ और ही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस इलैक्टिड सरकार से कहना चाहूंगा कि हमें कोई ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे प्रदेश का कोई वासी हमारे उपर शक की सुई खडी करे। हमें अच्छे काम करने चाहिए ताकि जनता यह कह सके कि हमारी सरकार मे ट्रासपेरेसी है। बड़े अच्छे तरीके से चल रही है और इस सरकार मे सारी गुणवता है। यह सरकार भी इलैक्टिड है और हम भी इलैक्टिड हैं। यह जो सदन का गठन हुआ है इसमे सभी इलैक्टिड मैम्बर्ज हैं। हम सब की जिम्मेवारी है कि इस प्रदेश की प्रगति के लिए. इसकी खुशहाली के लिए ऐसे कार्य करे जिससे

हर हरियाणा वासी यह कहे कि सरकार हमारी हर प्रकार से सुरक्षा कर रही है और हमे सभी सुविधाए दे रही है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं रोहतक शहर की लडकों के बारे में जिक्र करना चाहत। जब यह सरकार आई थी तो कुछ सडके अण्डर कस्ट्रमान थी। उन सड्कों मे काठमण्डी की भी सडक थी और गोहाना स्टैण्ड से सुखपुरा चौक तक एक और सड़क थी। वे जहा तक बनी हुई थी वही तक रह गई हैं। वह एक ही साईड की सड़क है दूसरी साईड की सड़क नही बनी है। मैं नहीं समझता कि इनके न बनने के क्या कारण हैं। मैं नहीं समझता कि सरकार के पास फंड की कमी हो गई है। सरकार के पास फंड हैं क्योंकि दूसरी सड़कें बन रही हैं। फिर मैं जानना चाहता हू कि रोहतक के साथ ही ऐसा भेदभाव क्यो हो रहा है। इस तरह का भेदभाव अच्छा नहीं लगता। जब एक तरफ की सडक बन गयी है तो दूसरी तरफ की सड़क न बनाना उचित नही है। एक ही सड़क के दो भाग होते हैं उसकी राईट साईड तो बन गयी लेकिन लैफ्ट जो साईड है वह अभी तक नहीं बनायी गयी। उसको दो साल हो गये हैं। इसी तरह से वहा पर शोरा कोठी और माता चौक के सामने वाली सडक जो बस – स्टैंड को जाती है उस पर चलना मुश्किल हो गया है। इसी प्रकार से आल इंडिया रेडियो के सामने वाली सड़क में खड्डे पड़ चुके हैं। इसी तरह से इंदिरा कालोनी की सड्कों का बुरा हाल है। सरकुलर रोड का भी यही हाल है। अध्यक्ष महोदय, इनके अलावा भी कोई मौहल्ला या गली वहां पर ऐसी नही होगी जहा की सडक टूटी हुई न हो। उन सडकों पर कोई आ जा नही

सकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम रो सरकार से निवेदन करूगा कि जो यह रोहतक के साथ सडको के मामले मे भेदभाव हो रहा है उसको दूर किया जाए क्योंकि यह ठीक बात नही है।

अध्यक्ष महोदय, रोहतक बहुत पुराना शहर है लेकिन रोहतक में पीने के पानी का भी बुरा हाल है। वहा पर पीने के पानी की जो सुविधा होनी चाहिए वह नही हो पायी है 1 वहा पर केवल एक बार ही पानी आता है और वह भी केवल एक आधे घंटे के लिए। पिछले दिनों वहा पानी की बहुत कमी थी। जब इस बारे मे महकमे वालो को कहा गया तो कहने लगे कि हमारे पास टैंक की कैपेसिटी इतनी नही है कि हम पानी स्टोर कर सकें और पूरी सप्लाई दे सके। अध्यक्ष महोदय, पापुलेशन बढ रही है और अगर हम पापुलेशन बढने के बाद यह भी नही देख सकते कि जो वहां पर टैंक हैं उनकी कैपेसिटी कितनी है और कितनी और कैपेसिटी उनकी बढाई जानी चाहिए या कितने और वहां पर टैंक बनाए जाने चाहिए तो यह हम राबके लिए लज्जा की बात हो जाती है कि हमारी सरकार कर क्या रही है। जब इस बारे मे बात की गयी तो हमें बताया कि वहां पर ऐडीशनल टैंक बनाने की एक स्कीम है लेकिन मैं कहना चाहूगा कि यह स्कीम केवल पेपर पर ही नही रहनी चाहिए बल्कि तुरन्त इसको लागू किया जाना चाहिए। वह। पर ऐडीशनल टैंक बनाए जाने चाहिए और रोहतक के अदर पीने के पानी की उचित सुविधा मुहैया करवायी जानी चाहिए। इस बारे मे मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि यदि आपने पानी के टैंक

वहां बना भी दिए लेकिन जब तक उनमें पानी नही स्टोर होगा तो कैसे आप पानी की पूरी सप्लाई करेंगे। अध्यक्ष महोदय, वहा पर जो पीने के पानी की नहर है उसमें 42 दिन बाद पानी आता है अगर ऐर।। ही रहा तो वहा पर पानी कहा से आएगा। इसलिए मैं कहना चाहा। कि वह। पर इतने टैंक बना दिए जाने चाहिए कि अगर उस नहर में 42 दिन बाद भी पानी आए तो उनमे पूरा पानी स्टोर रहे और पानी की पूरी सप्लाई चलती रहे। अध्यक्ष महोदय, हमें आजाद हुए इतने साल हो गये हैं अगर इतने सालो बाद भी हम पीने के पानी जैसी सुविधा भी लोगों को न दे सके तो क्या होगा? अध्यक्ष महोदय पानी के साथ –साथ वहा पर जो सीवरेज सिस्टम हैं उसकी समस्या भी कनैक्टेड है। पहली बात तो वहां पर सीवरेज है ही नही और अगर थोड़े बहुत हैं भी तो वह भी पानी की कमी की वजह से चोक हो जाते हैं। इसकी वजह से नतीजा यह होता है कि पानी घरों में आ जाता है इस तरह से ये समस्याए रोहतक मे हैं। इन समस्याओं का समाधान करना सरकार का कर्तव्य है। मैं सरकार से कहना चाहूगा कि जल्दी से जल्दी ये काम वहा पर करवाए 'जाने चाहिएं। मुख्यमंत्री जी 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत प्रदेश में जगह–जगह जाते हैं। सरकार ने एम०एल०एज० की ग्रांट भी बद कर दी है और इस बारे में उनका कहना है कि इसका सारा पैसा इस प्रोग्राम में लगाया जा रहा है जोकि ठीक बात नही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक उदाहरण देकर बताना चाहूंगा कि जैसे एक गली में अगर कोई नाली टूट गयी है तो शुरू मे तो उसकी रिपेयर पर पचास हजार रुपये में ही

काम चल सकता है लेकिन अगर उसकी कोई परवाह नही करेगा तो धीरे–धीरे उस नाली के पानी रो वहां की सड़क भी टूट जाएगी और फिर इन दोनों की मरम्मत पर लाखों रुपया खर्च आएगा इसलिए अगर इस तरह के छोटे–छोटे काम शुरू में ही हो जाएं तो यह दुगना खर्च सरकार का बच सकता है और ये छोटे–छोटे काम तभी हो सकते हैं जब एम०एल०एज० को ग्रांटस दी जाए। मैं चाहूंगा कि अगर एम०एल०एज० की ग्रांट बहाल कर दी जाए तो इस तरह के छोटे–छोटे काम वह अपने हल्के मे तुरन्त ठीक करवा सकता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे पड़ौसी प्रदेशो ने अपने विधायकों को इरा तरह की ग्राटस दी हैं इसलिए अगर हरियाणाा सरकार भी इस तरह की ग्रांटस विधायको को दे दे तो अच्छा होगा। इसके बाद हर एम०एल०ए० कह सकता है कि अगर कोई इस तरह का काम हो तो वह करवा सकता है, अगर इस तरह की कोई समस्या है तो उसको वह दूर कर सकता है।

श्री अध्यक्षः अब आप वाईड अप करे।

श्री शादी लाल बत्राः अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा समय और लेना चाहूँगा। अब मैं शिक्षा के बारे मे कहना चाहूंगा। जितने सरकारी ऐडिड कालेज है अगर उनमें कोई टीचर नौकरी छोडकर चला जाता है या वह रिटायर हो जाता है तो उसकी जगह खाली पड़ी रहती है वहां पर कोई अप्वायटमैट नही होती जिससे कालेज का और बच्चों का कितना नुकसान होता होगा इस बारे मे अध्यक्ष महोदय आप भी अदाजा लगा सकते हैं। जो गवर्नमैंट ऐडिड

कॉलेज हैं उनमे कट्रोल कीजिए उनकी जब भी रिकूटमैंट मेरिट पर होती हैं तो नियुक्तियां भी शीघ्र होनी चाहिएं अन्यथा बच्चो की पढ़ाई का बहुत अधिक नुकसान होता है। इन शब्दो के साथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेना चाहता हू।

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एक बात हम जानना चाहते हैं कृपा करके हमें बता दीजिए कि हमने आपके खिलाफ प्रिविलेज मोशन दिया है वह कब आएगा. कौन सी डेट को आएगा ? क्योकि पता नही आप उसे कब ले आए और अचानक रद्द कर दे। आपने यही करना है। (शोर एंव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए। इस बारे मे मैंने पहले ही बता दिया है कि वह अंडर कंसीड्रेशन है।

चौ० भजन लालः ....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए। जल्दी ही उस बारे में बता दिया जाएगा। अब आप बैठ जाएं।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैंने और श्री राम कुवार सैणी ने श्री कर्ण सिंह दलाल के खिलाफ मोशन ऑफ ब्रीच ऑफ प्रिविलेज नोटिस दिया हुआ है कृपया हमे बता दें कि उसका क्या फैसला किया है ?

श्री अध्यक्ष: बैठिए। उसके बारे में भी आपको बताएंगे। अब श्रीमती सरिता नारायण बोलेगी।

श्रीमती सरिता नारायण (कलानौर) (अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय. आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। अभिभाषण में चाहे किसानो के लिए हो, चाहे गरीब वर्ग के लिए हो या खेलो के बारे में हो। राज्य सरकार ने सभी के हितों को ध्यान मे रखा है। इराके लिए मैं राज्य सरकार का धन्यवाद करती हूं। अभी 15 जनवरी को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एस०वाई०एल कैनाल के मुद्दे पर हरियाणा के पक्ष मे फैसला दिया है इससे हमारे यहां काफी लाभ होगा और हमारे यहां की जनता, किसान हर वर्ग को पर्याप्त पानी मिलेगा। हमारे मुख्यमंत्री जी जनता के हित के लिए जो लडाई लड रहे हैं उसके लिए भी मैं उनका धन्यवाद व आभार प्रकट करना चाहती हू। आज हमारे हरियाणा प्रदेश मे विकास के काम तेजी से चल रहे हैं और उनके लिए केन्द्र सरकार से भी बहुत पैसा आ रहा है इरासे पहले किसी सरकार को केन्द्र सरकार से इतनी मदद नही मिली है जितनी आज मिल रही है। गरीबों के लिए इन्दिरा आवास योजना व किसानो के लिए फसल बीमा योजना लागू की गई है। (शोर एव व्यवधान) इन्दिरा आवास योजना के तहत गरीब वर्ग के लोगों के लिए मकान बनाए जाते हैं व जो गरीब विधवाएं हैं उनको भी दस हजार रुपये नकद दिए जाते हैं। आज किसानों के लिए फसल बीमा योजना का लाभ

हमारी केन्द्र सरकार हरियाणा को भेज रही है। ऐसा भी नही है कि यह पैसा लग नही रहा हो। यह पैसा हमारी हरियाणा सरकार पूरी तरह से लगा रही है। (शोर एवं व्यवधान) बिजली के बारे में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि बिजली पूरे राज्य मे दी जा रही है। खास तौर से ग्रामीण क्षेत्रों में 35 प्रतिशत बिजली अधिक दी जा रही है। मैं तो इस बारे मे यही कहूंगी कि जो ग्रामीण क्षेत्रो में 35 प्रतिशत ज्यादा बिजली दी जा रही है वह पूरी मिलनी चाहिये 1 मेरा सरकार से यही अनुरोध है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रो मे हमे सबसे ज्यादा पानी और बिजली की समस्या के बारे मे लोगो का सामना करना पड़ता है। आगे अभिभाषण मे आया कि पीने के पानी के लिए नलकूपो के कनैक्शज दिये जा रहे हैं। परन्तु आज भी मेरे हल्के के कई गाव ऐसे हैं जिनमे आधे गावों में पीने का पानी नहीं पहुंच रहा है। मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाही। कि मेरे हल्के के जिन गांवों में पीने का पानी नही पहुंच रहा है वह। पर पानी पर्याप्त मात्रा में पहुचाना चाहिये। जहां तक सिंचाई की बात है। मेरे हल्के के अन्दर कई जगह नहरी पानी पर्याप्त मात्रा में नही पहुच रहा है जो उनका हिस्सा है वह उन्हे पूरा मिलना चाहिये ओर नहर का पानी टेल तक पहुंचना चाहिये क्योकि लाहली माईनर का पानी हमे जितना मिलना चाहिये वह नही मिल रहा है। अब काहनौर डिसट्रीब्यूट्रीज की सफाई का काम चल रहा है और दादरी –कलानौर डिस्ट्रीब्यूट्री की सफाई का काम भी चल रहा है। मैं सरकार से अनुरोध करूँगी कि इन दोनों डिस्ट्रीब्यूट्रीज की सफाई

का काम जल्दी कराया जाये। मैं सरकार का ध्यान अपने शहर कलानौर के बारे मे आकर्षित करना चाहूंगी। कलानौर शहर मे जो पीने का पानी मिलता है वह बिलकुल कडुवा है। इस बारे में मैंने सरकार से पहले भी अनुरोध किया था और विभाग से कहकर टयूबवैल्ज भी लगवाये थे लेकिन उनका पानी भी कडवा आ रहा है और पीने लायक नहीं है। मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि दादरी फीडर की सफाई जल्दी से जल्दी करवाई जाये ताकि कलानौर में जो पीने के पानी की दिक्कत है वह दूर हो सके। कल रंगा साहब कह रहे थे कि हम सभी शहरों की सफाई करवा रहे हैं। मै आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करुंगी कि कलानौर शहर मे नालियों में गंदगी फैली हुई है उनकी प्रोपर सफाई की व्यवस्था करवायी जाये। वहा पर सड्कों का बुरा हाल है सडकें टूटी हुई हैं नालियां बडे नाले का रूप धारण कर चुकी हैं। इसलिए सरकार मेरे हल्के कलानौर की तरफ ध्यान दे। मैं चौधरी भजनलाल जी को आपके माध्यम से बताना चाहूंगी कि कलानौर हल्के के साथ कांग्रेस के राज में सौतला व्यवहार किया गया। उस समय जो मंत्री थी वे एक जगह बैठती थी उन्होंने जनता का कोई दुख दर्द नहीं सुना। लेकिन वर्तमान सरकार के अढाई वर्षों मे कलानौर हल्के में काफी सुधार हुआ है। यहा तक कि हरेक गांव की सडकों को दूसरे गांव की राडको से जोडा गया है। काफी सडकें बनाई गई हैं जबकि काग्रेस के राज मे इस हल्के का बुरा हाल था। जबकि अब काफी सुधार हुआ है।

इसके लिए मैं हरियाणा सरकार की धन्यवादी हूं। (मेजें थपथपाई गई) अनुसूचित जाति के छात्रों व छात्राओं को मिलने वाली छात्रवृति को दुगना किया गया है। अनुसूचित जाति के मेधावी छात्रो को 10+2 की पढ़ाई के बाद उनके लिए आवासीय योजना लागू की गई है उसके लिए भी मैं हरियाणा सरकार की धन्यवादी हू। अध्यक्ष महोदय. मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान रोहतक की तरफ दिलाना चाहूंगी। जैसा कि हमारे विधायक शादी लाल बत्रा जी ने भी कहा था कि हमारे रोहतक क्षेत्र मे इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट बनाया गया है लेकिन आज भी जो रोहतक शहर है वह इस योजना से वचित है क्योकि वह। कुछ राडको की हालत बहुत खराब है। एक सड़क तो मेरे घर की ही है सरकुलर रोड। उस रोड पर जगह –जगह गढ्ढे हैं और उसकी बहुत बुरी हालत है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय रहा ध्यान रोहतक की सरकुलर रोड, प्रेम नगर की सडक जहां से सभी विधायको की गाडिया निकलती हैं, की तरफ आकर्षित करवाते हुए अनुरोध करना चाहती हू क्योंकि उन सडकों की बहुत बुरी हालत है इसलिए उनकी रिपेयर करवाई जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से परिवहन मंत्री जी का ध्यान कलानौर हल्के की तरफ दिलवाना चाहती हूं कि हमारे हल्के मे लडकियों का सतजिंदा कल्याणा कालेज है वहा कोई परिवहन की बरन नही रूकती है, लडके तो बसो के पीछे लटक जाते हैं और जबरदस्ती बसों को रुकवा लेते हैं। लेकिन हमारी छात्राओ को बहुत मुश्किल आती है इसलिए मैं परिवहन मंत्री जी का ध्यान

दिलवाते हुए कहना चाहूगी कि वहा उस गर्ल्ज कॉलेज के पास रोडवेज की बसे रुकवाने के लिए कोई प्रबन्ध करवाया जाए क्योंकि कलानौर में केवल यही गर्ल्स कालेज है। कलानौर का बस स्टैण्ड कलानौर के अन्दर बना हुआ है इसलिए बसे उस बस स्टैण्ड के अन्दर न रुककर बाहर रोड पर रूकती हैं जिसकी वजह से यातायात मे बहुत परेशानी आती है। अध्यक्ष महोदय. मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान अपने हल्के की ओर दिलवाना चाहूगी। मेरे हल्के की कुछ सड़कें ऐसी हैं जिनकी बहुत बुरी हालत है। जैसे कलानौर से पिलाना सड़क, उस सड़क की तो हालत बहुत ही जर्जर है. उसको शीघ्र ही बनवाया जाए। कलानौर की जो मेन रोड है वह कालेज रोड से बस स्टैण्ड तक है, को कई बार बनवाया गया है लेकिन हर बार उसको तारकोल से बनाया जाता है। इसलिए अब मैं मुख्यमत्री जी से अनुरोध करना चाही। कि उस सडक को तारकोल का न बनाकर सीमेन्ट का बनाया जाए नही तो 2 महीने बाद यह सडक फिर टूट जाएगी। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में कुछ गाव ऐसे हैं जहा मिनी बैंक नही है और गरनावठी गाव भी उन्ही गावो में आ जाता है। गरनावठी गाव रोहतक से 8 किलोमीटर की दूरी पर है इसलिए गरनावठी के लोगो को पहले रोहतक आना पडता है फिर माडौठी गाव मे मिनी बैंक के लिए जाना पड़ता है। पीछे 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में भी मुख्यमत्री जी से अनुरोध किया गया था कि गरनावठी गाव में मिनी बैंक खोल दिया जाए या उससे अगले गांव ककराना या सुडान। मे खोल दिया जाए। अगर इन गांवो मे मिनी बैंक नहीं

खोला जा सकता तो एक डेढ किलोमीटर की दूरी पर मांडौठी गाव है वहां मिनी बैंक बना दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, में आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूगी कि गरनावठी ओर ककराना गाव मे बिजली रोहतक से दी जाती है। इसलिए जो बिजली के कनैक्शन रोहतक से दिए जाते हैं वह रोहतक की बजाय सुमरिया गांव से दे दिए जाए क्योकि सुमरिया गांव गरनावठी से केवल 3 किलोमीटर की दूरी पर है अगर ऐसा किया जाता है तो इन गावो मे बिजली की समस्या दूर हो जाएगी।

13.00 बजे

श्री अध्यक्षः सरिता नारायण जी, आप जल्दी वाइंड अप करें।

श्रीमती सरिता नारायणः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगी कि हमारे हल्के के कुछ गांवों में फिरनियां कच्ची हैं। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम मे इनको पक्की करवाने के लिए कहा गया था तो हमे कहा गया था कि मिट्टी डलवा दी जाएगी और इनको पक्का करवा दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूगी कि कलिगा खरक और मुढान गावों की फिरनियो को जल्दी पक्का करवाया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करती हू कि आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर

बोलने के लिए समय दिया और मैं राज्यपाल के अभिभाषण का समर्थन करती हू।

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिंह (जुलाना): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यावाद करता हू। **श्री भागीराम:** अध्यक्ष महोदय ....

श्री अध्यक्ष: भागीराम जी ने जो कहा वह रिकार्ड न किया जाये।

आई०जी (सेवानिवृत) श्री शेर सिंह: अध्यक्ष महोदय, चाहे यह बात रिकार्ड हो या न इस तरह की बात हाउस मे नही होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै एक सैनिक हू और मैं सबसे पहले शहीदो से संबधित बात करूंगा। मौजूदा सरकार जब चुनाव नजदीक होते हैं तो मिठी –मिठी बाते करती है जिसकी मिसाल 1999 का चुनाव है। उस समय कारगिल का युद्ध हुआ। मुझे यह कहने मे सकोच नही हो रहा कि उस समय सरकार ने काफी अच्छे काम किए और शहीदो के परिवारो को काफी धन दिया लेकिन अवसर निकल जाने के बाद शहीदो के परिवार वालो के साथ अच्छा बरताव नही किया जा रहा। 1999 के चुनाव के समय चाहे अर्द्ध सैनिक बल का सैनिक, चाहे आर्मड फोसिंज का सैनिक या किसी दूसरी फोर्स का सेनिक शहीद हुआ हो. अपने देश के लिए प्राण न्यौछावर किए हों राबके परिवार वालो को हरियाणा सरकार

अपने खाते से 10 –10 लाख रुपये देती थी और दो–दो या तीन –तीन लाख रुपये भारत सरकार की तरफ से अलग से दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि जून, 2001 में सरकार ने इस स्कीम को बद करके नई स्कीम बना दी। नई स्कीम के तहत जो सैनिक आर्मड फोर्सिज का शहीद होगा उसके परिवार वालो को ही 10 लाख रुपये हरियाणा सरकार देगी, दूसरे फोर्सिज के सैनिक शहीद होने पर उनके परिवार वालो को अब यह पैसा नही मिलेगा। पहले केन्द्र सरकार शहीदों के परिवारो वालों को जो दो या तीन लाख रुपये देती थी वह भी दिया जाता था और हरियाणा सरकार द्वारा भी 10 लाख रुपये अलग से दिया जाता था। केन्द्र सरकार ने अब वह राशि बढाकर 7.50 लाख रुपये कर दी है जो बहुत अच्छी बात है लेकिन अब शहीद के परिवार को टोटल 10 लाख रुपये ही मिलते हैं जिसमे 7.50 लाख रुपये केन्द्र सरकार की तरफ से दिए जाते हैं और 250 लाख रुपये हरियाणा सरकार देती है जो कि बहुत ही दुख की बात है। मेरे कहने का मतलब यह है कि हरियाणा सरकार मतलबी न बने और शहीद होने वाले सभी फोर्सिज के सैनिकों के परिवार वालो को अपनी ओर से 10–10 लाख रुपये दे और केन्द्र की तरफ से जो राशि दी जाती है वह अलग से दी जानी चाहिए। ऐसा नही होना चाहिए कि उनको टोटल 10 लाख रुपये दिए जायें तथा जो पैसा दिया जाता है वह सभी फोर्सिज के शहीदों के परिवार वालों को दिया जाना चाहिए। चाहे वह बी०एस०एफ० का जवान है, चाहे सी०आर०पी०एफ० का है, चाहे आई०टी०बी०पी० का है, चाहे

एस०एस०बी० का है या सी०आई०एस०एफ० का जवान है। अध्यक्ष महोदय, पैरा मिलिट्री फोर्सिज भी देश की सेवा करती हैं, इनके जवान भी देश के लिए बलिदान देते हैं, बहादुरी का काम करते हैं जेसे आर्मड फोर्सिज के जवान करते हैं। अगर इनके साथ हरियाणा सरकार भेदभाव करेगी तो इनका मनोबल कम हो जायेगा जो कि अच्छी बात नही है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि सरकार पैरा मिलिट्री फोर्सिज के जवानों को भी हरियाणा सरकार वही अधिकार दे जो सैनिक बलो के जवानो को भी दिए जाते है यानि 10.00 लाख रुपये पैरा मिलिट्री फोर्सिज के शहीदो के परिवारों को दिए जाये।

श्री अध्यक्षः शेर सिंह जी, आप इरा बारे में मुख्यमत्री जी को लिखकर दे देना।

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिहः अध्यक्ष महोदय मैंने लिखकर दिया था लेकिन कुछ नही हुआ। अध्यक्ष महोदय, अब मैं दूसरे प्वाइट पर आता हूं। सत्ता पक्ष के भाई कहते हैं कि हम ये करेंगे वो करेंगे मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि आज युवको को रोजगार देने की, उनको सही रास्ता दिखाने की एक बहुत बडी समस्या है। उसके विषय में कही पर भी कोई जिक्र नही है कि उनको किस तरीके से रोजगार दिया जायेगा, बल्कि जो लोग टैक्सी चला कर अपना छोटा–मोटा काम धन्धा कर गुजारा कर रहे थे या अपनी टैक्सी चला रहे थे उनके पीछे पडकर उनका भी धन्धा बन्द करा दिया गया। अब वे बेचारे

कहां जायेंगे. यह हमें मालूम नही पड़ता। आज के दिन हमारे जो पढे लिखे युवक और युवतियां हैं उनके लिए आज कोई काम नही है। अब पहले की अपेक्षा खेती भी कम हो चुकी है और नौकरियां भी नही मिलती। आज नौकरिया जिस तरह से मिल रही हैं या जिस तरीके से मिलती हैं और नौकरी देने के लिए क्या तरीके अपनाये जाते हैं वह आप सब लोग जानते हैं। अब नौकरियों मे मैरिट का कोई हिसाब –हिताब नही रह गया। आज कोई बच्चा बी०ए० या बी०एड० करता है तो उसका नौकरी मे कोई हिसाब नही रखा जाता बल्कि एक छोटा सा जो टैस्ट वह देता है उसी टैस्ट को आधार मानकर नौकरिया दी जाती हैं। चाहे कोई बच्चा बी०ए० में फर्स्ट डिवीजन लेकर क्यो न पास हुआ हो लेकिन उसको टैस्ट का आधार नहीं माना जाता। मेरे कहने का मतलब यह है कि चाहे वह फर्स्ट डिवीजन हो या उसकी डिस्टिंगशन हो वह उस छोटे से टैस्ट में पास होने से रह जाता है और वह मैरिट मे नही आता जिस कारण वह नौकरी रो वंचित रह जाता है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि सरकार द्वारा इस पर भी गौर करने की जरूरत है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे देश के सामने और प्रदेश के सामने पॉपुलेशन ग्रोथ की बहुत भारी समस्या है क्योंकि आज जनसख्या लगातार बढ रही है। इस विषय में हम कही पर भी कभी भी कोई बात नही करते। यह किसी पार्टी विशेष का प्वायट नहीं है। यह हमारे देश और प्रदेश का पायंट है। इसको कैसे

रोका जाये, इस पर बडी गभीरता से विचार करना होगा। वरना आज हम एक एकड जमीन के लिए जो झगड रहे हैं कल को वह एक एकड भी नहीं रह जायेगी। (विघन)

श्री अध्यक्षः आपसे मैं यह जानना चाहता हू कि क्या आप भी बर्थ कन्ट्रोल में हैं।

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिंहः स्पीकर साहब मेरे पर यह लागू नही है। जो पीछे लोग चले गए हैं उन पर यह लागू नही होता। यह आगे आने वाले समय के लिए है। (विघन)

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप पर लागू नही होता।

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिंहः यह तो आगे आने वालों के लिए है पीछे जाने वालो के लिए नही है। आप जैसे जो लोग बैठे हैं उनके लिए यह बात लागू होती है। (विघन) मैं तो बर्थ कन्ट्रोल मे रहा हूं। मैं उससे ऊपर नहीं गया हूं।

श्री अध्यक्षः आपके कितने बच्चे हैं, आप यह बताए?

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिंहः मेरे पास दो ही बच्चे हैं।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी के पास कितने बच्चे हैं। (विध्न)

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिहः मेरे पास तो 2 ही हैं। (विघन)

श्री राम कुमार कटवालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब डी०आई०जी० साहब एक माननीय सदस्य हैं। इन्होंने जो बात कही है वह बडे दिल से कही है और ये बड़े होनहार हैं लेकिन मैं इनसे पूछना चाहा। कि जब ये इलैक्शन लड रहे थे उस समय ये छाती पर फीता लगा रहे थे। क्या वह फीता आकड़ों के हिसाब से ठीक था ? (विघन)

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिहः स्पीकर साहब, यह बात तो ये पहले भी बोल चुके हैं। इनको आप बैठा दीजिए। (विघन) यहा पर सभी लोग बैठे हैं। मैंने चुनाव मे फीता भी नही देखा था तो फिर फीता क्या लगाता। (विघ्न) फीता लगाया था, आपको। आप तो अनफिट हैं ही। (विध्न)

श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर साहब, ये एक बात तो बड़ी सच्ची कह रहे हैं कि जुलाना में पॉपुलेशन सारे जिला जीन्द में सबसे अधिक है, इनकी इस बात में तो सच्चाई है लेकिन यह सच्चाई कैसी है कि ये झूठे फीते लगाये घुमें। (विघ्न)

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिहः माई डियर फ्रेण्ड। मैने फीता मारा तो लोगों को नौकरिया भी दिलवाई हैं। आपकी तरह नोकरिया नही दिलवाई। मैंने नौकरिया दिलवाई हैं उसकी वजह से आज मै यहा पर हू। अब आप बैठ जाये। (विघन)

श्री राम कुमार कटवालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दूसरी बात यह कहना चाहता हू कि जुलाना में जो प्रौग्रैस हुई है उतनी प्रोग्रैस और किसी हल्के में नही हुई। (विघन)
श्री अध्यक्षः कटवाल जी आप बैठिये।

श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर साहब, मैं डी०आई०जी० साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या मुख्य मंत्री जी ने आपको रजवाहे नहीं दिए, क्या सड़कें नही बनवाई और क्या लड़कों को नौकरिया नही दी। आप यह बताए कि जुलाना को क्या नही दिया गया। दूसरी बात एक यह कही कि बिना रिश्वत के नौकरियां नही मिलती। आप एक आदमी का नाम बता दें जिससे रिश्वत खाई हो।

श्री अध्यक्षः कटवाल जी, अब आप बैठ जाए। श्री राम कुमार कटवालः स्पीकर साहब, डी०आई०जी० साहब को नौकरियां देने के बारे में ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए थी।

आई०जी० (सेवानिवृत्त) श्री शेर सिंहः कटवाल साहब, आप बैठ जाएं अभी रहने दें।

श्री राम कुमार कटवालः आप सच्चाई की बात करो। मांगे राम जी बैठे हैं, ये बता देंगे। (विघन)

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिहः स्पीकर साहब. आप इनको बिठाये। हम आपकी बहुत इज्जत करते हैं और चेयर

की इज्जत करते हैं। अगर इस तरह की ये लोग बात करेंगे तो फिर बात नही हो पायेगी।

ग्राम एवं नगर आयोजना मंत्री (श्री धीर पाल सिह): शेर सिंह जी, वह तो आपकी बात का ही समर्थन कर रहे हैं कि पॉपुलेशन बढ रही है।

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिह: चौधरी साहब जब मैं बात करता हूं तो उनको बीच में बोलने का कोई हक नहीं है। जब मैं कोई अच्छी बात करूगा तो मेरी तारीफ लोग करेगे और लोगों ने मेरी तारीफ की तभी तो मैं यहा पर उस गया हू। (विघन) चौधरी साहब, आपकी तो मैं बहुत इज्जत करता हू। (विघन) सिंचाई के बारे में हमारा जुलाना एरिया जिला जीन्द का बैकवर्ड ऐरिया है जिसमें पानी का काफी अभाव है और खेती के ऊपर हम लोग निर्भर रहते हैं क्योंकि कोई भी शहर नही है जहा कुछ इम्पलॉयमैंट कैपेबिलिटी मिले। सिचाई के बारे में श्री राम कुमार जी भी बोल रहे थे कि नहरें दी हैं। नहरें हमारे एरिया से जाती हैं. गुजरती हैं लेकिन उनका पानी का ज्यादातर भाग कही और जाता है। हम तो यही माग करते है कि हमारे एरिया का जो हमारे हक का पानी है वह हमे दिया जाए और हमारी जो माईनरज बननी थी उन्हे बनाया जाए। अभी दो साल पहले रामकली माईनर बननी शुरू हुई थी। आप सभी को मालूम है कि इस माईनर पर राष्ट्रीय राजमार्ग बना है और एक रेल ट्रैक भी है जिस पर पुल नही बना हुआ है जबकि नहर बन चुकी है। दो साल

अभी पुल बनने में लगेंगे इस प्रकार चार साल बेकार चले गए जिससे लोगों का काफी नुकसान हुआ है। इसी प्रकार से अकालगढ नजवाना और मेहरडा की जो माईनरज बननी थी उनके बनाने की प्रपोजल भी पता नहीं कहां पडी हुई है। मेरा यह निवेदन है कि सरकार उस पर पोजल पर भी विचार करे तो वह एरिया भी इरीगेट हो सकता है। 42 दिन में लोगों को पानी मिलता है और हमारे एरिये के जो रजवाहे हैं उनमे पानी बहुत कम आता है। बल्कि मैं तो यह कहूगा कि टेल पर जितने भी गाव है उनमे तो पानी कभी जाता नही है। जीन्द से पीछे एक नहर निकलती है जो कुछ गांवों मे जाती है। रामगढ़ और मेरा जो गाव है वह भी टेल पर है और इसके अलावा और भी कई गाव टेल पर हैं जहा पानी नही जाता है। अकालगढ किला जफरगढ मे भी पानी नही जाता है। एक रजवाहे की स्कीम भी बनाई गई थी वह किसी जमाने मे शहर के बीच से जाता था जब यहा पर शहर नही था उसमे सारा गन्द जाता था और उसमें आगे तक अब कोई पानी नही जाता है क्योकि उसमे पोलीथीन के बैग इतने भरे होते है कि वह अटी पड़ी है और साथ ही उसमें पानी का भी काफी अभाव है। अगर इस रजबाहे को बीड के ऐरिया से निकालने की जो परपोजल है अगर राह जल्दी सिरे लगाई जाए तो गरीब लोगों को और किसानो को काफी राहत मिलेगी। बेरडा रजवाहा और अकालगढ माईनर की तरफ भी सरकार ध्यान दे। अब में इलैक्ट्रिसिटी की बात करता हूं। हम लोग बिजली पर बहुत निर्भर करते है इसमें कोई शक की बात नही है। हमारे जितने भी

टयूबवैल्ज हैं वे बिजली से ही चलते हैं क्योकि डीजल से चलाते हैं तो वे काफी महगे पडते हैं। बिजली के बारे मे सारे हरियाणा मे कही जिक्र नही होता कि कितना उत्पादन एक दिन में होता है, कितना खर्चा होता है, कितनी बिजली दी जाती हैं कितनी उनकी जरूरत हैं, कितना वेस्टेज होता है कितना पिलफ्रेज होता है, इसको मद्देनजर रखते हुए अगर ख्याल करे तो शायद यह समस्या भी ठीक हो सकती है। राम राय एक फीडर लगा हुआ है, हमारे यहां यह एक सबस्टेशन है जो किसी जमाने मे लगा था। अगर अब भी उसकी क्षमता को नही बढ़ायेगे तो इससे लोगो को बहुत ज्यादा दिक्कत होगी। वहां के लोग इससे पहले ही काफी दुखी हैं। 48 घण्टों मे सिर्फ 16 घण्टे बिजली दी जाती है। जब बिजली दी जाती है तो कई–कई बार वह उसमें ट्रिपिंग मार जाती है जिससे ट्यूबवैल से खेत में जब पानी दे रहे होते हैं तो एक बार पानी रुक जाने के कारण दोबारा जब पानी शुरू होता है इस बीच मे काफी पानी सूख जाता हे और पानी देने में काफी दिक्कत होती है इसलिए इस की तरफ भी गौर किए जाने की जरूरत है। हमारे एरिया मे कुछ ड्रेन्ज खोदी गई हैं इसमें कोई शक की बात नही है लेकिन एक ड्रेन की जो प्रपोजल निजामपुर की है वह गोहाना में आती है। भैरों खेड़ा, ढिगाणा और रामकली की ड्रेन अगर खुदवा दी जाए तो उससे काफी फायदा हो सकता है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक माननीय सदस्य श्री राजेन्द्र सिह बिसला पदासीन हुए) सभापति महोदय, इसके बारे में अगर सरकार गौर करे तो हम सरकार के बडे आभारी होंगे। सभापति

महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। खासतौर पर जुलाना हल्का शिक्षा के बारे में काफी पिछड़ा हुआ है। वहां पर कोई कॉलेज नही है कॉलेज के बारे में सवाल किया गया था तो माननीय मंत्री महोदय ने बतलाया था कि वहां पर कोई कॉलेज खोलने की जरूरत नही है क्योंकि महम में, रोहतक और जीन्द में कॉलेज हैं। यह हो सकता है सरकार की इसमे कोई मजबूरी हो। सभा पति महोदय. ये लोग लड़कियों की एजुकेशन के बारे में बडे गीत गाते हैं। गवर्नर एड्रैस में लिखा है कि शिक्षा के ऊपर बहुत ध्यान दिया जाएगा तो मैं कहना चाहूंगा कि हम लोग जुलाना में लड़कियों का कॉलेज चाहते हैं क्योंकि लड़किया पढने के लिए बाहर नही जा सकती हैं। लड़के तो किसी तरह से बसों में लटक कर चले जाते हैं लेकिन लड़किया नहीं जा सकती हैं क्योंकि बसों की व्यवस्था भी ठीक नही है। सभापति महोदय, जुलाना में लडकियों का एक कॉलेज अगर खोल दें तो हम बड़े आभारी होगे। मेरे क्षेत्र मे 58 बड़े गांव हैं और भी बडे–बड़े गाव हैं। सभापति महोदय, अगर एजुकेशन की बात की जाए तो मैं उस बारे में यहां पर छोटा सा विवरण देना चाहूंगा। मेरे हल्के में 10 जमा 2 स्कूलो की सख्या केवल 6 ही है जोकि पांच गांवो मे ही है। अब आप कहेंगे कि एक गांव में दो स्कूल हैं और उनमें से एक लड़कियों का स्कूल है। चेयरमैन सर, 58 गांवो में सिर्फ 29 गांवों में मिडल स्कूल एंड अबव हैं। उससे नीचे प्राईमरी स्कूल हैं और प्राईमरी स्कूल तो सन 1947 में भी थे और आज भी हैं। चेयरमैन सर, इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि यह सरकार शिक्षा पर

कितना गौर कर रही है। आज वोकेशनल स्कूलज खोले जा रहे हैं। जुलाना मे भी एक ऐसा ही वोकेशनल स्कूल खोला गया है उसके लिए मल्टी स्टोरी बिल्डिग बनाई गई लेकिन वहा पर कोई सुविधा नहीं है वह नाम के लिए ही बनाया गया है। वहा पर जो फ्लैट्स सर्टिफिकेट लेकर जाते हैं वे बच्चे कही पर भी कम्पीटीशन के टैस्ट देते हैं तो वे कही पर भी स्टैंड नही करते हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि जहां पर भी स्कूल खोला जाए वहां पूरा पैरा– फरनलिया होना चाहिए। तभी वहां के बच्चे उस स्कूल का फायदा उठा सकते हैं। आज स्कूलों मे टीचर्ज की बहुत कमी है।

श्री सभापतिः चौधरी साहब, स्कूलो को अपग्रेड करने के लिए सरकार ने नार्म्ज तय किए हुए हैं। अगर आपके वहां पर नार्म्ज पूरे होते हैं तो आप उस बारे में सरकार को लिखकर दे सकते है

आई०जी० (सेवानिवृत) श्री शेर सिंहः चेयरमैन सर, सामलो कलां में गर्ल्ज मिडल स्कूल है। वह स्कूल अपग्रेडेशन के सभी नार्म्ज पूरे करता है उसके बावजूद भी वहा पर कोई कार्यवाही नहीं कीं जा रही है। हम वहां पर 10 जमा 2 का स्कूल चाहते हैं। चेयरमैन सर, मैं यहां पर नार्म्ज के मुताबिक ही बात करूंगा वर्ना मैं यहा पर अपनी बात कोट ही नही करूंगा। (विघन)

चेयरमैन साहब, अब मैं हैल्थ के बारे में कहना चाहूंगा। हैल्थ बहुत ही जरूरी चीज है। इसमें कोई शक की बात नही है कि वैल्फेयर स्टेट इसकी ओर बहुत जोर देती है। लेकिन जुलाना हल्के मे जो हमारी डिस्पैंसरीज हैं चाहे वह वैटरनरी डिस्पैंसरी हो चाहे हैल्थ डिपार्टमैंट की डिसपैंसरी हो और चाहै पुलिस स्टेशन हो यदि उनकी बिल्डिग्ज की कडीशंज देखी जाए तो बहुत ही बुरी है। जुलाना में दवाई नही है डाक्टर नही है। इराके अलावा जजवंती मे डिसपैंसरी है अगर वहा की बिल्डिग देखी जाए तो उसको देखकर डर लगता है कि वह अब गिरेगी, अब गिरेगी। वहां पर डाक्टरो और दवाईयों का तो जिक्र ही नही है कि वे वहा पर है कि नही है। इसी प्रकार से हमारे यहा पर जो छोटे–छोटे वैटरनरी अस्पताल हैं वहा पर दवाइया तो बिलकुल ही नही हैं। चेयरमैन सर, हमारे यहा पर एक डी०एल०वी०ए० ने त्लम्पलेट की कि दवाईयां नही मिलती हैं तो उसके पीछे पूरी सरकार पडी हुई हैं कि तूने नाम क्या लिया। चेयरमैन सर, यह बडे ही दुख की बात है।

श्री सभापतिः शेर सिह जी, आपका समय समाप्त हो चुका है। (विध्न) आप पढ़े लिखे हैं. रिटायर्ड आई० जी० हैं। अगर आपने कुछ और बात कहनी हो तो आप उसको एक मिनट में कह दे।

आई०जी० (सेवानिवृत्त) श्री शेर सिंहः चेयरमैन सर. पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट की जितनी भी वाटर सप्लाई स्कीम्स हमारे

एरिया में हैं उनमें नहर से पानी सप्लाई किया जाता है। लेकिन आप वहां पर जाकर जांच कीजिए कि वहा पर कही पर भी पानी पीने योग्य नही है। नहर से जितना भी पीने का पानी दिया जाता है, उस पानी को लोग पशुओं को पीने के लिए देते हैं। वह पानी लोग अपने पीने के लिए इस्तेमाल नही करते हैं। वह पानी unlit for Human consumption है। हमारे हल्के में जलवाना किला बहुत बडा गांव है। जहा पर 3 साल पहले पंचायत ने वाटर सप्लाई स्कीम के लिए साढे तीन एकड़ जमीन सरकार को दी हुई है लेकिन अभी तक सरकार ने वहां पर पानी देने के लिए कोई सोच विचार नही किया है। मैं इस तरफ भी सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। इसी तरह से रोड्ज की कंडीशन की बात है। मेरे हल्के मे बुढाखेडा गांव है। यह एक छोटा सा गांव है इसकी दो या अढ़ाई किलोमीटर की रोड है वह रोड बहुत गंदी है उसको आज तक नही बनाया गया है। अगर उस रोड पर कोई मरीज को ले जाया जाए तो शायद वह मरीज अस्पताल तक नही पहुंचेगा। मैं अनुरोध करूंगा कि उस रोड की तरफ गौर किया जाए। चेयरमैन साहब. जो बस स्टैंड जुलाना में बनाया गया है, वह अनुसुचित जाति के लोगों की जमीन पर बनाया गया है। उस समय उन लोगों से यह वायद। किया गया था कि उनको उस जमीन के बदले मे दूसरी जमीन दी जाएगी। मुझे जैसा इस बारे मे मालूम हुआ है कि सात आठ लाख रुपये उनको मुआवजा देने के लिए जमा करवाए गए हैं। हालाकि यह बात सही है या नही मुझे नही मालूम। लेकिन आज तक उनको कोई मुआवजा या बदले में जमीन

नही दिलवायी गयी है इसलिए मैं सरकार रो कहना चाहूंगा कि उन लोगों को बदले में साढ़े तीन एकड जमीन दिलवायी जाए। धन्यवाद। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय एक घटे के लिए बढा दिया जाए। आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः ठीक है, हाउस का समय एक घटे के लिए बढाया जाता है। अब राव दान सिह बोलेगे।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौ० भजनलालः अध्यक्ष महोदय. अब समय समाप्त होने वाला है अब वे क्या बोलेंगे। यह ठीक नही है।

श्री अध्यक्षः अगर वे बोलना चाहेगे तो समय और बढ़ा देगे। चौधरी भजनलाल जी, जब एक सदस्य बोल रहा हो तो बिना चेयर की परमिशन के आपको नही बोलना चाहिए। आप बहुत सीनियर हें। अब आप बैठे।

राव दान सिंह (महेन्द्रगढ): अध्यक्ष महोदय, आपने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर मुझे बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए मैं आपका आभारी हू। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश शायद क्षेत्रफल मे जरूर कम है लेकिन इसमें घटने वाली हर राजनीतिक घटना और इसकी तरक्की एव विकास की

बात न केवल इस प्रदेश में बल्कि पूरे देश में सूक्षम दृष्टि से देखी जाती है। मैं कहना चाहूगा कि हम ॠणी हैं उस महान विभूति स्वर्गीय श्रीमती इदिरा गांधी के जिनकी कलम से न केवल इस हरियाणा प्रदेश का जन्म हुआ बल्कि इसके चहुंमुखी विकास में भी उन्होंने अपना पूरा सहयोग दिया। अध्यक्ष महोदय, हम सबका और इस सदन का यह परम कर्त्तव्य है कि इस प्रदेश की तरक्की और विकास की बात हम सब करें। लेकिन मुझे बडे अफसोस के साथ कहना पड़ता है त्ति आजादी के 55 साल गुजर जाने के बाद और इस प्रदेश के बन जाने के 35 या 36 साल बाद भी हमे शुद्ध जलापूर्ति के लिए सघर्ष करना पड़ रहा है। आज भी कई क्षेत्र ऐसे हैं जो एक –एक? पानो की दूद के लिए प्यासे हैं और जिस तरह की पिक्चर महामहिम के अभिभाषण में दी गयी है वह सच्चाई से भिन्न है। अध्यक्ष महोदय न् मैं अपने क्षेत्र के बारे मे बताना चाहूंगा कि वहां पर वाटर सप्लाई की एक या दो छोटी स्कीम्ज को छोड़ कर कोई स्कीम नही है। वहां पर जो वाटर सप्लाई स्कीम है वह टयूबवैल पर आधारित हैं। वह। के कुछ टयूबवैल्ज का पानी वाटर टैस्टिग लेबोरेट्रीज से चौक करवाया गया है उस पानी में फ्लोराइड की मात्रा बहुत ज्यादा पायी गयी है। वह पानी दांतो और हड्डियों के लिए हानिकारक है। इसलिए. अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि महेन्द्रगढ क्षेत्र के लिए कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम और दी जाए ताकि जो पानी की वहा पर समस्या है उससे वहां के लोगो को राहत मिल सके।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): अध्यक्ष महोदय ये लोग अपनी एक राय बना लें। अभी शेर सिह जी कह रहे थे कि केनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हे और अब दान सिह जी कह रहे हैं कि कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम शुरू की जाए।

राव दान सिह: अध्यक्ष महोदय पानी मे अगर फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा हो तो नैचुरैली कैनाल बेस्ट वाटर सप्लाई की ही बात की जाएगीं।

श्री रामपाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, हैल्थ डिपार्टमैंट ने भी माना है कि सबसे बढिया पानी केनाल बेस्ड है। आप इनसे कहे कि ये अपनी एक राय बना लें।

राव दान सिंह: अध्यक्ष महोदय मैं बात कहता हूं स्वास्थ्य विभाग की। कहा जाता है कि पहला सुख निरोगी काया। यदि प्रदेश के अंदर नागरिको का स्वास्थ्य अच्छा हो तो यह एक बहुत ही अच्छी बात है लेकिन जिस तरह से सरकार सेहत के प्रति उदासीन है और हमारे अस्पतालों के जो हालात हैं वह किसी से छुपे नही है। या तो ऊन अस्पतालो के अदर डॉक्टरो की कमी है या डॉक्टर पूरे हैं तो उनमें दवाइयों की कमी है। अव्वल तो डॉक्टर बैठते नही हैं, बैठते हैं तो मात्र प्राइवेट नर्सिग होमर और लेबोरेट्री के एजेन्ट के रूप मे काम करते हैं। जिन लैबोरेटरी मे टैस्ट के ज्यादा पैसे लगते हैं अस्पताल के डॉक्टर उनमें केसे रैफर

करते हैं और मोटी रकम कमीशन के रूप मे अर्जित करते है। मेरी मांग है कि इस तरह के डाकटर्ज के खिलाफ कार्यवाही की जाए। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण मे कहा गया कि महिला उत्थान की दिशा मे सरकार प्रयासरत है। मेरा महेन्द्रगढ़ जो संयुक्त पंजाब के समय से जिला है उस जिले का नाम महेन्द्रगढ हैडक्वाटर ऐट नारनौल है। पूरे जिले मे पाच ब्लॉक हैं जिनमे से नारनौल मे कोई महिला चिकित्सक नही है जबकि वहां महिला चिकित्सक रहा होना अत्यत जरूरी है जब कोई महिला प्रसूति के लिए अस्पताल आती है तो वहां सुविधाए न होने की वजह से उसे अकाल मौत का शिकार होना पड़ता है। अगर किसी महिला ने किसी तरह से बच्चे को जन्म दे भी दिया तो वह कुपोषण का शिकार हो जाता है और इस ससार में आते ही स्वर्ग सिधार जाता है। इस तरह की स्थिति आज अस्पतालो में बनी हुई है। मैं माग करता हूं कि इन सब परेशानियों की तरफ ध्यान दिया जाए ताकि इन समस्याओं से आने वाले समय मे राहत मिल सके।

अब मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। किसी भी प्रदेश के नागरिकों के लिए शिक्षा सबसे बड़ी धरोहर है। आज हम अमेरिका को ऐडवांस कहते हैं। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा है कि मेरी सरकार ने शिक्षा के उत्थान के लिए पुरजोर ध्यान दिया है। जबकि आज बहुत सारे स्कूल और कालेज ऐसे हैं जहां स्टाफ की बहुत कमी है। सरकार के तुगलकी आदेशो के चलते कही –कही एक–एक क्लास में 150 – 150 बच्चे

हैं। उनके लिए न तो कोई बैठने की व्यवस्था है न टीचर्ज तरीके से पढा सकते हैं। ऐसे मे सरकार का दायित्व बनता है कि वह ऐसे प्रबन्ध करे जो कि शिक्षा के लिए सौहार्दपूर्ण हो। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सरकार इस तरफ ध्यान देगी। एक हमारे साथ और नाइंसाफी हो रही है उसकी तरफ ध्यान दिलाना चाहता हू। एक तरफ तो महिला शिक्षा की तरफ ध्यान दिया जा रहा है दूसरी तरफ मेरे क्षेत्र महेन्द्रगढ के अंदर महिला महाविद्यालय से वाणिज्य सकाय को खत्म कर दिया गया है। वहा पर राजनीतिशास्त्र. अर्थशास्त्र और हिन्दी की कक्षाए खत्म कर दी गई हैं जबकि परिणाम यह बताता है कि प्रथम चार पोजीशन हिन्दी के अदर महेन्द्रगढ महाविद्यालय रही हे। मै माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूगा कि उन क्लासिज को वहा पर पुनस्थापित किया जाए और हमारे यहा के लोगों को शिक्षा जैसे मौलिक अधिकार से वचिंत न किया जाए। अब मैं 2 –3 स्कूलो के अपग्रेडेशन की बात करूगा। महिलाओं को यदि हम पढाते हैं तो परिवार को पढाते है व्यक्ति को पढ़ाते हैं तो वह व्यक्ति विशेष तक ही रहता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सरकार इन सुझावों पर ध्यान देगी। यह प्रदेश चाहे औद्योगिक दृष्टि से विकसित हो गया है लेकिन फिर भी इसका आर्थिक मूलाधार कृषि का है। माननीय मुख्यमत्री जी स्वय किसान परिवार से हैं, और किसानों के हितैषी माने जाते हैं। इन्होंने चुनावो के दौरान किसानों को बहुत सारे स्वप्न दिखाये थे लेकिन आज सत्ता के शिखर पर जो किसानो के सिर पर चुनकर आये थे उनकी समस्याओं के बारे में बहुत कम ध्यान दे रहे हैं मैं

कहूं कि उनकी समस्याओं से बिलकुल अनभिज्ञ हैं तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी। अभी थोड़ी देर पहले माननीय मंत्री श्री धीरपाल जी कह रहे थे कि हम औलावृष्टि के लिए मुआवजा दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह मुआवजा तो ऊंट के मुहं मे जीरे के समान है नुकसान तो इससे कही ज्यादा हुआ है इसलिए मैं सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि गिरदावरी का सर्वे दोबारा करवाया जाये। हकीकत यह है कि नुकसान जो हुआ है उसका उचित मुआवजा देकर अपने कहने को चरितार्थ किया जाये। लेकिन इसके पीछे कुछ कारण हैं क्योंकि इनका गठबन्धन केन्द्र सरकार मे भारतीय जनता पार्टी के साथ है जो सरकार मजदूरों, किसानो के हित मे कभी नहीं रही है। नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीर पाल सिह) स्पीकर सर, श्री दान सिंह जी पहली बार इस सदन में आये हैं इनको इतनी जानकारी नही है। ये जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लेकर आये थे उसका मैंने जवाब दे दिया था। मैं इनको यह भी बता दूं कि जब चौधुरी भजनलाल जी की सरकार का शासनकाल था उसमें कप्तान अजय सिंह यादव मंत्री परिषद में शामिल थे। उस समय जब इन्होंने मुआवजे की राशि को बढाया था वह 400/ – रुपये से बढ़ाकर 600/ – रुपये प्रति एकड़ किया था और श्री दान सिंह जी ऊंट के मुंह में जीरे की बात करते हैं इन्होंने तो ऊंट को ही मार दिया जीरे की बात तो छोड़िये। लेकिन हमारी पार्टी के नेता ने मुआवजे की राशि को 600/ – रुपये से बढ़ाकर 2000/ – रुपये प्रति एकड किया है फिर भी आप कह रहे हैं कि मुआवजे की राशि को बढाने के बारे

में विचार किया जाये। कांग्रेस पार्टी को तो जेब से पैसे काढ़ते समय दर्द होता था। (विघन)

श्री मांगेराम गुप्ताः हमने तो 3000/ – रुपये प्रति एकड़ दिया था।

श्री अध्यक्षः मांगेराम जी, अब जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री मांगेराम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय ....

श्री अध्यक्षः दान सिंह जी, आप वाईंड अप करें।

राव दान सिहः अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं विद्युत के बारे में कहना चाहूंगा। हमारा क्षेत्र बिजली पर आधारित है। यहां नहरी पानी नहीं है। बिजली की सप्लाई क्षमता को बढ़ाने के लिए कुछ सब स्टेशज को अपग्रेड किया गया है लेकिन 2 –3 सब–स्टेशन जेरपुर और शेलग अपग्रेडेशन के लिए प्रस्तावित हैं मैं चाहता हूं कि उनको जल्दी ही अपग्रेड किया जाए। साथ ही बिजली की खपत भी दिन–प्रतिदिन बढ रही है उसकी पैदावार के लिए सरकार ने कोई प्रावधान नही रखा है। क्योंकि आज गांव के अन्दर भी साधारण आदमी बिजली का उपयोग करता है। चाहे झोपड़ी में रहने वाला व्यक्ति हो या महलों में रहने वाला हो सबको बिजली की आवश्यकता है। गांव के अन्दर आमतौर से सुनने को मिलता है कि आज लस्सी नहीं मिलेगी क्योंकि आज बिजली नहीं आएगी और मंधानी नहीं चलेगी। सरकार को वक्त

रहते बिजली का उत्पादन बढ़ाने का प्रबन्ध कर लेना चाहिए वरना निकट भविष्य में हमें भारी परेशानी का सामना करना पड सकता है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं परिवहन के बारे मे कहना चाहूंगा। हरियाणा प्रदेश की बसें परिवहन की धुरी हैं लेकिन बडे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि कही पर बसें नही है, कही पर बसें हैं तो चालक या परिचालक नही हैं। अगर चालक और बसों का समन्वय बिठा दिया जाए तो इस प्रदेश के यातायात को सुधारा जा सकता है। इसी सरकार की कमियों की वजह से प्राइवेट वाहनों वाले यात्रियों से मुह मांगे दाम वसूल कर रहे हैं और साथ में एक रिस्क लेकर साथ चलते हैं। अगर सामने से कोई लाल बत्ती वाली गाड़ी आ जाती है तो उसे वे ई०टी०ओ० या आर०टी०ओ० की गाडी समझकर बेतहाशा अपनी गाडी मोड लेते है जिसकी वजह से दिनों दिन होने वाली दुर्घटनाए आपके सामने हैं। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूगा कि इन दुर्घटनाओं से नागरिको को अकाल मौत का ग्रास न बनने दें। अध्यक्ष महोदय, मैं पर्यटन के बारे में कुछ कहना चाहूगा। मैं मानता हू कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर कोई ऐतिहासिक मौनूमैंट्स या आरक्योलोजिकल पार्क्स नही है and the Tourism in Haryana was created Out of nothing.माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने राव इन्द्रपाल जी को हरियाणा पर्यटन विभाग बन चेयरमैन बना रखा है। धारूहेडा बहुत अच्छा टूरिस्ट कम्पलैक्स माना जाता था। नैशनल हाइवे नं० 8 पर दिल्ली से जयपुर तक उससे बढिया कोई पर्यटन स्थल नही था लेकिन आज उसकी हालत बहुत खराब हो गई है। वहां कें लान

में आवारा पशुओं के अलावा आपको कोई दूसरी चीज विचरण करती नही पाएगी। इस तरह की उदासीनता नही होनी चाहिए। पर्यटन भी एक उद्योग है जिससे धन कमाया जा सकता है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि पर्यटन की तरफ भी खास ध्यान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, अब में सड़को की हालत के बारे में कुछ कहना चाहूगा। मैं एक पर्टीकुलर सडक की बात करना चाहूंगा। कोटपुतली से लेकर पातडा सडक पंजाब को जोडती है। उस सडक पर काफी ट्रैफिक है। वह रोड न डबल रोड के बराबर है और न सिगल रोड के बराबर। अगर एवरेज निकालें तो मैं समझता हू कि इस रोड पर सबसे ज्यादा दुर्घटनाए होती हैं। इसलिए मैं निवेदन करना चाहा। कि उस रोड को अपग्रेड कर दिया जाए और अगर अपग्रेड नही किया जा सकता तो उस सड़क की साइडों से मरम्मत करवा दी जाए ताकि दिन –प्रतिदिन होने वाली दुर्घटनाओं से बचा जा सके। अध्यक्ष महोदय, यहा एस०वाई०एल० नहर के बारे मे काफी चर्चा हुई थी। एस०वाई०एल० इरा प्रदेश की जीवन रेखा है यह सब जानते है। यह श्रेय लेने की बात नही है। इसलिए मैं सरकार को ही नही बल्कि पूर्व मुख्यमत्री जो इस सदन के सदस्य है उनको भी कहना चाहा। कि हमे राजनीति से ऊपर उठकर इस एस०वाई०एल० नहर के पानी को हरियाणा में लाने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए तो मैं एक बात कहूंगा कि एक अंधी महिला से किसी व्यक्ति ने कहा कि तेरा पति आ रहा है तो उसने कहा कि मैं तो तब मानूगी जब मेरा पति मेरी बाजू मे आ जाएगा इसलिए इस प्रदेश

का किसान तो तब मानेगा जब उसके खेत मे पानी आ जाएगा। इसलिए मैं सबसे कहना चाहूंगा कि हम सबको राजनीति से ऊपर उठकर इस पानी को लाने का प्रयास करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हमने जो सुझाव दिए हैं मुझे पूरा भरोसा है कि इनको आप गम्भीरतापूर्वक सरकार तक पहुंचा देगे और सरकार इन पर विचार करेगी। इन्ही शब्दो के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्री जसबीर सिह मलौर (नग्गल): अध्यक्ष महोदय आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय – दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय आज से तकरीबन अढाइ साल पहले आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जब इस प्रदेश की बागडोर सम्भाली थी तो उससे पहले प्रदेश मे चारों ओर निराशा का माहौल था। खजाना खाली था। अर्थव्यवस्था चरमरागई थी। विकास के कार्य ठप्प पड़े थे। प्रदेश मे शराब माफिया बन चुका था और युवा वर्ग अपराधों की दलदल में धसता जा रहा था। प्रदेश मे कानून और व्यवस्था कम की कोई चीज नही थी। हर नागरिक असुरक्षा की भावना से ग्रस्त था। इसलिए यह कहा जाए कि प्रदेश में अराजकता जैसा माहौल था तो कोई अतिश्योक्ति नही होगी। कानून और व्यवस्था को पटरी पर लाना, लोगों मे विश्वास बहाल करना इस सरकार के समक्ष बहुत बडी चुनौती थी। जननायक चौधरी देवीलाल कहा करते थे कि

लोकराज लोकलाज से चलता है। वर्तमान सरकार चौधरी देवीलाल के उन आदर्शों का पूरी तरह से पालन करते हुए राज्य के चहुमुखी विकास मे जुटी हुई है। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमत्री जी ने इस प्रदेश की बागडोर सम्भालते ही हरियाणा मे जो विकारा के कार्य करने का काम किया है वह हरियाणा प्रदेश के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने का काम है। अध्यक्ष महोदय. हमारी सरकार स्वर्गीय चौधरी देवी लाल जी के सपनो की सरकार हे। उनके पद चिन्हों पर चलते हुए हमारे परम आदरणीय मुख्यमत्री महोदय ने 'सरकार आपके द्वार' ' कार्यक्रम के तहत हर विधान सभा क्षेत्र मे जाकर विकास कार्य करवाये हैं। चाहे वह हल्का किसी बी०जे०पी० के विधायक का हो, चाहे किसी काग्रेसी भाई का हो। मेरे कहने का मतलब यह है कि परम आदरणीय मुख्यमत्री महोदय ने 90 के 90 विधान सभा क्षेत्रों में विकास कार्य करवाकर नया इतिहास रचने का काम किया है। उसके लिए मैं परम आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय जी को धन्यवाद देता हू। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार हर विधान सभा क्षेत्र मे जाकर लोगो के दुख तकलीफो को समझती है और उनकी समस्या का समाधान करती है। जो विकास कार्य पिछले कई सालों रो ठप्प पडे थे उनको दोबारा से चलाने के लिए हमारे परम आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय जी लोगों के बीच में गये और उनकी समस्याओं समझा. चाहे गांव की रिटेनिंग वाल बनाने की बात थी, चाहे शमशान घाट के शैड बनाने की बात थी चाहे हरिजन और बैकवर्ड क्लास की चौपाले बनाने की बात थी, चाहे सीमेटिड सडकें बनाने की बात

थी, चाहे गांवों की फिरनिया या नालियां बनाने की बात थी हमारे परम आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय जी ने सरकारी खजाने का मुह इन कामों के लिए खोल दिया तथा देहातो ओर 36 बिरादरी के लोगों की समस्याओं का समाधान किया। अध्यक्ष महोदय, यह हमारी सरकार की अच्छी नीतियों का ही परिणाम है कि यमुनानगर उपचुनाव मे हमारी पार्टी के माननीय सदस्य श्री मलिक चद गंभीर को वह। की बहादुर जनता ने भारी बहुमत से जिताया और बी०जे०पी० के कंडीडेट की जमानत जस्त हुई। यह सीट हमे तभी मिलो है, वहां के लोगो ने हमे वोट इसीलिए दिए कि हमारी सरकार ने पूरे हरियाणा में अभूतपूर्व विकास कार्य किए हैं। अध्यक्ष महोदय इसके लिए परम आदरणीय मुख्यमत्री महोदय जी की जितनी सराहना की जाये वह कम है। अध्यक्ष महोदय. जहां तक हरियाणा प्रदेश की जीवन रेखा माने जाने वाली एस०वाई०एल० का सबंध है इस बारे में मैं सदन को बताना चाहा। कि इस नहर के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला हरियाणा प्रदेश के हक में दे दिया है कि यह नहर पंजाब एक साल में पूरी करवाये। यह तभी सभव हो पाया है जब हमारे परम आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय जी समय –समय पर इस केस की पैरवी सुप्रीम कोर्ट में करते रहे। इस तरह से हमारे परम आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय जी ने एक नया अध्याय इतिहास में जोडने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, एक साल में यह नहर बन जायेगी और पूरे हरियाणा प्रदेश में टेल तक पानी दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कृषि के बारे में कहना चाहूंगा कि गत अढ़ाई साल में हमारी सरकार ने कृषि के क्षेत्र में

बहुत काम किये हैं और अपने दायित्व को निभाया है। एक तरफ तो केन्द्र सरकार रो आग्रह करके किसानो को गेहू का समर्थन मूल्य 610 रुपये प्रति क्विंटल दिलवाया और दूसरी तरफ किसानो का एक-एक दाना खरीदा गया। अध्यक्ष महोदय, परम आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय जी ने अपने सभी मत्रिंयो विधायकों और अधिकारियो को आदेश दे रखे थे कि सभी अपने - अपने यहां मण्डियो मे जाकर देखें कि किसानों को उसकी फसल का पूरा मूल्य मिल रहा है या नही और सबकी फसल खरीदी जा रही है या नही। इसी का परिणाम है कि किसानो की पूरी फसल खरीदी गई। दिन के दिन खरीदी गई और किसान को मण्डियों में फसल बेचने के लिए ज्यादा दिन इतजार नही करना पडा। गन्ने रही खेती को बढाने के उद्देश्य से प्रदेश मे 2 नई शूगर मिलें लगाई गई हैं। एक कर मिल तो जननायक चौधरी देवी लाल के नाम से लगाई है, पन्नीवाला मोटा में और दूसरी मिल गोहाना में लगायी गई है। ये मिलें एक रिकार्ड अवधि के दौरान एक साल के अन्दर लगाई गई है। इन दोनो मिलो को एक साल के अन्दर-अन्दर चलाने के लिए मुख्यमत्री जी बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, यहां पर हमारे साथी ओलावृष्टि की बात कर रहे थे कि ओलावृष्टि का मुआवजा नही दिया गया। इस बारे मे मैं बताना चाहूगा कि ओलावृष्टि या बिजली रही चिंगारी से प्रभावित किसानो को दिये जाने वाले मुआवजे की राशि में तीन गुना से अधिक वृद्धि करते हुए किसानों को 75 प्रतिशत से अधिक नुकसान के लिए 2000 रुपये प्रति एकड, 50 से 75 प्रतिशत तक नुकसान के लिए 1500

रुपये प्रति एकड तथा 25 से 50 प्रतिशत तक के नुकसान के लिए 1000 रुपये प्रति एकड की दर से मुआवजा दिया गया।

हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा गत वर्ष 2 अक्तूबर को गाधी जयती के पावन अवसर पर किसानो के लाभ के लिए कृषक उपहार योजना की शुरुआत की गई है, जिसके अंतर्गत किसानो को एक करोड़ 52 लाख रुपये के पुरस्कार देने का प्रावधान है। प्रथम छमाही का जिलावार ड्रा 30 अप्रैल, 2001 को निकाला गया था।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक शिक्षा की बात है शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा सरकार ने ऐसी शिक्षा नीति लाग की है ग्रामीण अंचल में रहने वाले या बसने वाले बच्चों के लिए भी शिक्षा के लिए अच्छे कदम उठाये गए हैं।

अध्यक्ष महोदय, नई शिक्षा नीति में बच्चों को पहली कक्षा में अग्रेजी पढ़ाने, छठी कक्षा से कम्प्यूटर शिक्षा देने तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं के अनुरूप नए पाठ्यक्रम शुरू करने पर बल दिया गया है। इसी प्रकार, इस शिक्षा नीति मे प्राथमिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने. शिक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाने. ग्रामीण व शहरी क्षेत्रो की असमानताओं को दूर करने, हर स्तर पर जवाबदेही बढ़ाने ' परीक्षा तथा आकलन प्रणाली में सुधार लाने तथा अध्यापकों एव छात्रों की दक्षता बढ़ाने पर भी बल दिया गया है। पढ़ने के साथ –साथ विद्यार्थियों को कमाने के अवसर

देने की अनूठी योजना तैयार की गई है जिसके अंतर्गत प्रयोगशालाओं तथा पुस्तकालयो मे प्रति 45 मिनट कार्य करने पर छात्र 960 रुपये प्रातेमार तक कमा सकता हे।

अध्यक्ष महोदय पंचायती राज सस्थाओं को जहां तक अधिकार देने की बात है, इस बारे मे मैं कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी ने पंचायती राज सस्थाओ को सुदृढ़ करने के लिए या सुदृढ प्रणाली चलाने के लिए और लोगों की ताकत बचाने के लिए उनको ऐसा सुनहरी व दृढ़ अवसर दिया है जिसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार ने बहुत कार्य करने वाली पंचायती राज सस्थाओं को पुरस्कृत करने का फैसला किया है ताकि उनको प्रोत्साहित किया जा सके। जिला परिष्द को प्रथम पुरस्कार 8 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5 लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 3 लाख रुपये का दिया जायेगा। श्रेष्ठ कार्य करने वाली पंचायत समितियो को प्रथम पुरस्कार 5 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 3 लाख रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 2 लाख रुपयें का प्रदान किया जायेगा। इसी प्रकार, ग्राम पचायत 'हो प्रथम पुरस्कार 50 हजार द्वितीय 30 हजार एव तृतीय पुरस्कार 20 हजार रुपये का दिया जायेगा।

अध्यक्ष महोदय, जहा तक ग्रामीण समिति की बात है, मुख्यमत्री महोदय और सरकार की तरफ से जो राशि देहात मे दी

जाती थी उसको सही यग से लगाने के लिए ग्राम समितियो का गठन स्तरने के। काम किया। इन ग्राम समितियों में एक सरपंच, महिला पंच, हरिजन पच, बैकवर्ड पच और एक्सर्विसमैंन पच को लिया गया है। इराके अलावा गाव के दो मौजिज आदमियो को लिया गया है जो राजनीति से दूर रहते है और जो विकास करने मे विश्वाश रखते हैं। इसीलिए विकास कमेटीज बना करके मुख्यमत्री जी ने ' 'सरकार आपके द्वार' ' कार्यक्रम के माध्यम से राशि सरकार की तरफ से दी। जो राशि सरकार की तरफ से दी गई इनके चौक हमारे आदरणीय साथी विधायक गांव में बांट कर आते हैं और उन कार्यो को देख कर आते हैं, उन कार्यों का शिलान्यास करके आते हैं। इन्ही कार्यो को देखते हुए लोगो मे एक भावना आई कि कोई सरकार तो आई जो विकास के कार्य कर रही है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी प्रदेश के मुख्य मंत्री थे, चाहे बसी लाल प्रदेश के मुख्यमत्री थे उस समय खजाना भी यही था ' पैसे भी यही थे लेकिन उस वक्त पैसा कागजो मे ही लग जाता था प्रैक्टिकल कुछ नही होता था। सडकें भी जो रिपेयर होती थी वे भी फाईलों मे ही होती थी यानी फाईलो में ही उनकी कारपेटिग होती थी। अब मौजूदा सरकार ने सड़कों का जो काम किया है वह अपने आप में एक उदाहरण है। अध्यक्ष महोदय, वर्तमान सरकार के अढाई वर्ष के शासनकाल के दौरान राज्य में कानून –व्यवस्था की स्थिति ज्यादा निकन्त्रण में रही। इस अवधि के दौरान राज्य में कोई जातीय अथवा साम्प्रदायिक विवाद उत्पन्न नही हुआ। दलितो के ऊपर अत्याचार की धटनाए न के बराबर

रही। महिलाओं के विरूद्ध अपराध भी नियन्त्रण मे रहे। अध्यक्ष महोदय मेरे साथी जब सत्ता में रहते थे उस समय शराबबन्दी की हुई थी जिसके कारण शराब माफिया राज्य में पनपा हुआ था। हमारे नौजवान और बच्चे जो स्कूल में पढते थे उनके बस्तो में किताबो की बजाय शराब की थैलिया होती थी। हमारा नौजवान उस समय रास्ता भटकने पर मजबूर हो गया था उसके जननायक यहा पर बैठे हुए हैं। (विघ्न)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी. आप किस बात पर खडे हो गये हैं। आप प्लीज बैठें। (विघन) भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाए। (विघन)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट ऑफ ऑर्डर है। अभी—अभी आपका एक पत्र हमें मिला है इसमे आपने लिखा है कि हमने आपके खिलाफ जो प्रिविलेज मोशन दिया था वह डिसअलाउ करते हैं। स्पीकर साहब, यह बडा अन्याय और ज्यादती है। 15 आदमी इससे सहमत है और वे बैठे हुए हैं आप उनको खडा होने के लिए कह सकते है। अगर 16 मैम्बर न हों तो आप डिसअलाउ कर सकते हैं (विघ्न एवं शोर) आपके खिलाफ दिया हुआ प्रिविलेज मोशन आप खुद ड़िसअलाउ करें यह बहुत बुरी बात हे। (विघन एव शोर)

श्री अध्यक्षः में ही तो इसको डिसअलाउ करूगा और कौन करेगा। सब के खिलाफ निर्णय तो मैं ही करूगा, मैं नही करूगा तो और कौन करेगा Allow or Disallow करना तो मेरा अधिकार है। (विघन एव शोर)

चौ० भजन लालः अगर आप हमारी बात नहीं सुनते हैं तो हम वाक आउट करेंगे। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघन एव शोर)

राव इन्द्रजीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिये। (विघन एव शोर), मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः आपका किस बात का प्वायट ऑफ आर्डर है। नो–नो आप अपनी सीट पर बैठे (विघन एवं शोर) क्या भजन लाल जी की बात पर कोई प्यांयट ऑफ आर्डर है ' आप बैठे। (विष्य एव शोर) आपका किस बात का प्वायट ऑफ आर्डर है। आपने अगर कोई क्लेरिफिकेशन लेनी हो तो ले सकते हैं प्यांयट ऑफ आर्डर किस बात का है। (विघन एव शोर)

चौ० भजन लालः आपका पत्र आ गया जिसमे यह लिखा है disallow करते हैं। यह क्या तरीका है (विघन एवं शोर) ....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी की बात रिकार्ड न करे। (विघन एव शोर)

अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचनाएं

(1) श्री जय प्रकाश बरवाला, एम०एल०ए० के विरूद्ध 5 मार्च 2002 को सदन के बीच मे मॉक चेयर लेने तथा स्वयं को सभा के अध्यक्ष के रूप में प्रदर्शित करने, चेयर के आदेशों की अवज्ञा करने तथा निरन्तर चेयर के निर्णय को चुनौती देने तथा इसके विरुद्ध प्रकट करने, इस प्रकार. सदन की अवमानना/विशेषाधिकार भग इत्यादि करने का अभिकथित विशेषाधिकार भग सम्बन्धी मामला।

श्री पूर्ण सिह डाबडाः अध्यक्ष महोदय. मेरा जायंट ऑफ आर्डर है कि मैंने और श्री पदम सिंह ने श्री जय प्रकाश बरवाला. एम०एल०ए० के खिलाफ बीच ऑफ प्रिविलैज का नोटिस दिया है यदि आपकी इजाजत हो तो मैं वह पढ देता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप इसे पते।

Shri Puran Singh Daiwa : Sir, with your permission I beg to give a notice of alleged breach of privilege against Shri Jai Parkash Barwala under Rule 278 read with Rule 295 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly for referring the matter to the Committee of Privileges for examination and report, In support of our this notice of breach of privilege, I bring to your kind notice the facts which resulted into contempt of House on 5th March,

2002 as well as in the preceding Sessions of Haryana Vidhan Sabha, On 5th March, 2002, Shri Jai Parkash Barwala, a Member of Indian National Congress Party took the Mock Chair in the well of the House showing himself as Speaker of the Assembly whereby he has not only defied the orders of the Chair hut he has also committed contempt of the House as he did not consider the dignity and decorum of the House well which is the essence of a democratic set up. Taking a Mock Chair in the well of the House at the time when the Sabha is in Session and the Hon'ble Speaker is in the chair is not only against the dignity, decorum of the House and the Chair hut also leads to grave contempt of the House/breach of privilege of the House. He has challenged/ protested against the rulings of the Chair persistently.

Besides the above-mentioned contempt of the House by this member, there are so many instances when this member had committed contempt of the House hut such a request was not made to your goodself earlier. However, when the incident as explained in the foregoing paragraphs has happened in which a contempt of the House and breach of privilege has been committed by the member, it is pertinent to mention the past conduct of the member, as under :—

(i) On 8th. November, 2001, Shri Jai Parkash Barwala came to the well of the House pleading for the adjournment of the Sabha for that day on account of death of Late Dr. Jai Parkash Sharma, Ex-MLA and he sat on 'DHARNA' in the well of the House. Staging a 'DHARNA' shows the conduct. of a member ignoring all the cannons of well-established parliamentary practices,

(ii) On 9th November, 2001 when the notice for the removal of the Speaker was not acceptable according to the Rules, Shri Jai Parkash Barwala came to the well of the House,

Keeping in view the above-mentioned facts, it is evidently clear that Shri Jai Parkash Barwala, MLA is habitual of defying the Chair and rushing to the well of the House and arguing with the Speaker in derogation of the rules and well-established Parliamentary Conventions, stalling/obstructing proceedings of the House unnecessarily, which conduct is unbecoming of a member and due to that reason Shri Jai Parkash Barwala, MLA has to be suspended from the service of the House for remaining sittings of this week, Therefore, such a conduct of Shri Jai Parkash Barwala, causing grave disorder in the House and stalling/ obstructing of the proceedings of the House unnecessarily, deliberately and knowingly is Contempt of the House and the breach of privilege of the House. Therefore, I request your goodself to grant your consent to refer the above matter of breach of privilege against Shri Jai Parkash Barwala to the Committee of Privileges for examination and report,

In view of the above, I give the notice of motion of alleged breach of privilege to give consent to raise the matter on the flexor of the House today and the matter may be referred to the Committee of Privileges for submitting its report to the House, being a matter of recent occurrence, which requires the intervention of the Assembly.

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of alleged breach of privilege from Shri Puran Singh Dabra, M.L.A, and Shri Padam Singh Dahiya MLA, regarding taking of Mock Chair in the well of the House, showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the Chair, challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly etc., thus, committing the contempt of House/breach of privilege etc, on 5th March, 2002 by Shri Jai Parkash Barwala. I give my consent to the raising of the question .of alleged breach of privilege and hold that the matter proposed to he discussed is in order. I call upon Shri Puran Singh Dabra, to rise and ask for leave to raise the question, of alleged breach of privilege.

Shri Puran Singh Dabra : Sir, I beg to seek the permission of the House to move the motion regarding alleged breach of privilege by Shri Jai Parkash Barwala, MLA.

Mr. Speaker : request those Members, who are in favour of leave being granted to move the motion, to please rise in their seats.

(At this stage, all the ruling party Members present in House rose in their seats.)

Mr. Speaker : As the number of Members who ruse in favour of the motion exceeds 15, the leave is granted,

Now, Shri Puran Singh Dabra, may move his motion to refer the matter to the Committee of Privileges,

Shri Puran Singh Habra : Sir, I beg to move—

That the matter regarding taking of Mock Chair in

the well of the House, showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the Chair, challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly etc., thus, committing the contempt of House/ breach of privilege etc, on 5th March, 2002 by Shri Jai Parkash

M.L.A. he referred to the Committee of Privileges for examination and report by the 1st sitting of the next Session,

Mr. Speaker : Motion moved -

That the matter regarding taking of Mock Chair in the well of the House, showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the Chair, challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly etc., thus, committing the contempt of House/ breach of privilege etc. on 5th March. 2002 by Shri Jai Parkash Barwala. MLA he referred to the Committee of Privileges for examination and report by the 1st sitting of the next Session,

Mr. Speaker : Question is—

That the matter regarding taking of Mock Chair in the well of the House, showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the Chair, challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly etc., thus, committing the contempt of House/ breach of privilege etc, on 5th March, 2002 by ,Shri Jai Parkash Barwala, MLA he referred to the Committee of Privileges for examination and report by the 1st sitting of the next Session,

The motion was carried,

(Noise and interruption)

(2) श्री कर्ण सिह दलाल एम०एल०ए० के विरुद्ध अभिकथित विशेषाधिकार भंग तथा 4 मार्च, 2002 को महामहिम राज्यपाल महोदय, को बाधा पहुचाने तथा उनके विरूद्ध अनावश्यक टिप्पणिया करने के लिए तथा 5 मार्च, 2002 को उस समय जब सभा सत्र मे थी सदन के बीच मे मॉक चेयर लेने मे श्री जय प्रकाश बरवाला की अत्याधिक सहायता करने के फलस्वरूप 5 मार्च 2002 को सदन की अवमानना/सदन का विशेषाधिकार भग सबंधी मामला।

Shri Rajinder Singh Bisla : Speaker Sir, with your permission, I and Shri Ram Kuwar Saini beg to give a notice of breach of Privilege against Shri Karan Singh Dalal, MLA (Noise and Interuption)

Mr. Speaker : Yes Bisla ii, you may read your notice please.

Shri Rajinder Singh Bisla : Sir, with your permission I beg to give a notice of breach of privilege against Shri Karan Singh Dalal, MLA under Rule 278 read with Rule 295 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly for referring the matter to the Committee of Privileges for examination and report, In support of our this notice of breach of privilege, I bring to your kind notice the facts which resulted into contempt of House on 5th March, 2002 as well as in the preceding Sessions of Haryana Vidhan Sabha. On 5th March, 2002, Shri Karan Singh Dalal, a Member of Republican Party of India helped greatly Shri Jai Parkash Barwala in taking the Mock Chair in the well of the

House who was showing himself as Speaker of the Assembly whereby he has not only defied the orders of the Chair hut he has also committed contempt of the house as he did not consider the dignity and decorum of the House well which is the essence of a democratic set up. During the Governor's Address on 4th March, 2002, Shri Karan Singh Dalal, stated that there is no need of reading the Governor's Address by His Excellency, the Governor and he himself will read the same. Obstructing the Governor in his address and making such uncalled for remarks by member against the Governor is contempt of the House, which is breach of privilege of the House, as the Governor is also part and parcel of the House. Helping Shri Jai Parkash Barwala in taking a Mock Chair in the well of the House at the time when the Sabha is in Session and the Hon'ble Speaker is in the Chair, is not only against the dignity, decorum of the House and the Chair hut also leads to grave contempt of the House/breach of privilege of the House. He has challenged/protested against the rulings of the Chair persistently.

Besides the above-mentioned contempt of the House by Shri Karan Singh Dalal, there are so many instances when Shri Karan Singh Dalal, had committed contempt of the House but such a request was not made to your goodself earlier. However, when the incident as explained in the foregoing paragraphs has happened in which a contempt of the House and breach of privilege has been committed by Shri Karan Singh Dalal, it is pertinent to mention the past conduct of Shri Karan Singh Dalal, when on 13th March, 2001, he though was not signatory to the notice of alleged breach of privilege regarding the alleged leakage of Budget, staged walk out along

with the members of the Indian National Congress Party, who gave the notice as a protest against not allowing them to move the above-said notice.

Keeping in view the above-mentioned facts, it is evidently clear that Shri Karan Singh Dalal, is habitual of defying the Chair and rushing to the well of the House and arguing with the Speaker in utter violation of the rule and well-established Parliamentary Conventions, stalling/obstructing, proceedings of the House unnecessarily, deliberately and knowingly, which conduct is unbecoming of a member and due to that reason Shri Karan Singh Dalal, has to be suspended from the service of the House for the remaining sittings of this week, Therefore, such a conduct of Shri Karan Singh Dalal, causing grave disorder in the House and stalling/obstructing, of the proceedings of the House unnecessarily, deliberately and knowingly is contempt of the House and the breach of privilege of the House. Therefore, I request your goodself to grant your consent to refer the above matter of breach of privilege against Shri Kanto Singh Dalal to the committee of Privileges for examination and report.

In view of the above, I give the notice of privilege motion to give consent to raise the matter on the floor of the Muse today and time matter may be referred to the Committee of Privileges for submitting its report to the House, being a matter of recent occurrence, which requires the intervention of the Assembly.

Mr. Speaker : Honble Members, I have received a notice of alleged breach of privilege from Shri Rajinder Singh Bisla, M.L.A. and Shri Ram Kuwar Saini MLA, regarding

obstructing and making uncalled for remarks against His Excellency, the Governor on 4th March, 2002 and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala, taking Mock Chair in the well of the House at the time when the Sabha was in Session on 5th March, 2002, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege of the House etc, on 5th March, 2002 by Shri Karan Singh Dalal, M.L.A. I give my consent to the raising of the question of alleged breach of privilege and hold that the matter proposed to be discussed is in order. I call upon Shri Rajinder Singh Bisla. to rise and ask for leave to raise the question of alleged breach of privilege,

Shri Rajinder Singh Bisla : Sir, I beg to seek the permission of the House to move the motion regarding alleged breach of privilege by Shri Karan Singh Dalal, MLA.

Mr. Speaker : I request those Members, who arc in favour of leave being granted to move the motion, to please rise in the seats,

(At this stage, all the ruling party Members present in the House, rose in their seats.)

Mr. Speaker : As the number of Members who rose in favour of the motion exceeds 15, the leave is granted.

Now, Shri Rajinder Singh Bisla, may move his motion to refer the matter to the Commiitee of Privileges,

Shri Rajinder Singh Bisla Sir, I beg to move-

'That the matter regarding obstructing and making uncalled for remarks against His Excellency, the Governor on 4th March, 2002 and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala

in taking Mock Chair in the well of the House and defied the Chair etc. at the time when the Sabha was Session on 5th March, 2002, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege of the House etc. on 5th March, 2002 by Shri Karan Singh Dalal, M.L.A. he referred to the Committee of Privileges for examination and report by the 1st sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Motion moved -

That the matter regarding obstructing and making uncalled for remarks against His Excellency, the Governor on 4th March, 2002 and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala in taking Mock Chair in the well of the House and defied the Chair etc. at the time when the Sabha was Session on 5th March, 2002, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege of the House etc. on 5th March, 2002 by Shri Karan Singh Dalal, M.L.A. be referred to the Committee of Privileges kw examination and report by the 1st sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Question is--

That the matter regarding obstructing and making uncalled for remarks against His Excellency, the Governor on 4th March, 2002 and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala in taking Mock Chair in the well of the House and defied the Chair etc, at the time when the Sabha was in Session on 5th March, 2002, thereby committing the contempt of the House/breach of privilege of the House etc. on 5th March, 2002 by Shri Karan Singh Dalal, M.L.A. he referred to the Committee of Privileges for examination and report by the 1st

sitting of the next Session.

The motion was carried.

(Noise and interruption)

14.00 बजे

(3) कैप्टन अजय सिह यादव, एम०एल०ए० तारा चेयर की पूर्ण अवज्ञा करके सदन के बीच आने/रहने तथा लगातार अध्यक्ष महोदय से तर्क वितर्क करने, पहरा एवं निगरानी अमले के साथ हाथापाई की कोशिश करने तथा चेयर की ओर एक पुस्तक फेंकने, श्री धर्मबीर सिह द्वारा सदन के बीच में दौडते समय एक लाईट बॉक्स तोडने, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुचाने तथा श्री जगजीत सिंह सांगवान द्वारा सदन मे असंसदीय शब्दो तथा अनावश्यक टिप्पणियो आदि का प्रयोग करने तथा फलस्वरूप 5 मार्च, 2002 को इन विधायकों द्वारा सदन की अवमानना/विशेषाधिकार भंग संबधी मामला।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मेरा और पतन कुमार दीवान जी का एक अहम मुद्दा है हमने कैप्टन अजय सिह, धर्मवीर और जगजीत सिंह सांगवान के खिलाफ प्रिविलेज मोशन का नोटिस दिया है जो कि मैं पढना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप पढें।

Shri Bhagi Ram : Sir, with your permission, I beg to give a notice of breach of privilege against Sarvshri Ajay

Singh, Dharambir and Jagjit Singh Sangwan, MLAs under Rule 278 read with Rule 295 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly for referring the matter to the Committee of Privileges for examination and report. In support of our this notice of breach of privilege, I bring to your kind notice the facts which resulted into contempt of House on 5th March, 2002. as well as on earlier occasions. On 5th March, 2002, Sarvshri Ajay Singh Yadav, I Dharambir, Members of the Indian National Congress Party and Jagjit Singh Sangwan, Member of the Nationalist Congress Party came to the well of the House on a matter concerning the non-grant of leave for moving the notice of resolution for the removal of the Speaker, which was refused according to the Rules. These three Members in utter defiance of the Chair continued arguing with the Hon'ble Speaker and it was your goodness that you did not take any action against them for an hour and while remaining in the well of the House, these three Members did not pay any heed to your repeated requests, Capt. Ajay Singh Yadav stood up on the seat of Shri Bhajan Lal and spoke in a loud voice and he even tried to manhandle the Watch & Ward Staff also, Capt. Ajay Singh Yadav went to the extent of throwing a hook towards the Chair, Shri Dharambir, while rushing to the well of the House, had broken a light box not only causing damage to the Government property hut also throwing the dignity and decorum to the winds. Shri Jagjit Singh Sangwan, used unparliamentary and uncalled for remarks in the House. Due to such actions of unbecoming of a Member, these Members have to he suspended from the service of the House for the remaining sittings of this week on 5th March, 2002. They have Challenged/protested against the rulings of the Chair

persistently, Even on 9th November, 200 I when the notice of resolution for the removal of the Speaker was not accepted as per the Rules, Capt. Ajay Singh, Yadav came to the well of the House resulting into grave misconduct and gross disorder in the House by Capt. Ajay Singh, Yadav on that day.

In the facts and the circumstances above, it is crystal clear that by such actions, these Members have committed contempt of the House and breach of privilege of the House deliberately and knowingly for which this whole matter should be examined by the Committee of Privileges and I request you to refer this matter to the Committee of Privileges for examination and report as early as possible.

In view of the above, I give the notice of motion of alleged breach of privilege to give consent to raise the matter on the floor of the House today and the matter may he referred to the Committee of Privileges for submitting its report to the House, being a matter of recent occurrence, which requires the intervention of the Assembly.

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of alleged breach of privilege from Shri Bhagi Ram and Shri Pawan Kumar Dewan, MLAs, regarding coming to/remaining in the well of the House in uttar defiance of the Chair and continuously arguing with the Speaker, trying to manhandle the Watch and Ward staff and throwing a hook towards the Chair by Capt. Ajay Singh, Yadav breaking a light box while rushing the well of the 1 louse, causing damage to the Government property by Shri Dharamhir Singh and using unparliamentary words and uncalled for remarks in the House etc. by Shri Jagjit Singh Sangwan and thereby committing the

contempt of the House/breach of privilege etc. by these M.L.As on 5th March, 2002.I give my consent to the raising of the question of alleged breach of privilege and hold that the matter proposed to be discussed is in order, I call upon Shri Bhagi Ram, to rise and ask for leave to raise the question of alleged breach of privilege,

Shri Bhagi Ram : Sir, I beg to seek the permission of the House to move the motion regarding alleged breach of privilege by Capt. Ajay Singh Yadav, Dharambir Singh and Jagjit Singh Sangwan.

Mr. Speaker : Now, I request those Members, who are in favour of leave being granted to move the motion, to please rise in their seats.

(At this stage. all the ruling party Members present in the House rose in their seats.)

Mr. Speaker : As the number of Members who rose in favour of the motion exceeds 15, the leave is granted.

Now, Shri Bhagi Ram, may move his motion to refer the matter to the Committee of Privileges.

Shri Bhagi Ram : Sir, I beg to move—

That the matter regarding coining to/remaining in the well of the House in utter defiance of the Chair and continuously arguing with the Speaker, trying to manhandle the Watch and Ward staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Nay Singh Yadav, breaking a light box white rushing the well of the House, causing damage to the Government property by Shri Dharambir Singh and using

unparliamentary words and uncalled for remarks in the House etc, by Shri Jagjit Singh Sangwan and there by committing the contempt of the House/Breach of privilege etc, by these M.L.As on 5th March, 2002 he referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the matter regarding coming to/remaining in the well of the House in utter defiance of the Chair and continuously arguing with the Speaker, trying to manhandle the Watch and Ward staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Ajay Singh Yadav, breaking a light box while rushing the well of the House, causing damage to the Government property by Shri Dharambir Singh and using unparliamentary words and uncalled for remarks in the House etc, by Shri Jagjit Singh Sangwan and there by committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by these M.L.As on 5th March, 2002 he referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Question is —

That the matter regarding coining to/remaining in the well of the House in utter defiance of the Chair and continuously arguing with the Speaker, trying to manhandle the Watch and Ward staff and throwing a hook towards the Chair by Capt. Ajay Singh Yadav, breaking a light box while rushing the well of the House, causing damage to the Government property by Shri Dharambir Singh and using

unparliamentary words and uncalled for remarks in the House etc. by Shri Jagjit Singh Sangwan and there by committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by these M.L.As on 5th March, 2002 be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session,

The motion was carried

(Noise and interruption)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः मलौर साहब आप अपनी स्पीच जारी रखे। (शोर)

श्री जसबीर मलौरः अध्यक्ष महोदय, मैं कानून व्यवस्था की बात कर रहा था। आज प्रदेश मे शालि सदभाव आपसी प्यार और बढिया कानून व्यवस्था का वातावरण है। यह अपने आप में एक मिसाल है। प्रदेश मे समाज की अल्पसंख्यक महिलाओ तथा अन्य कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा की जा रही है। जनता ओर पुलिस मे आपसी विश्वास कायम करने के लिए हरियाणा पुलिस ने और जनता ने अपने आप मे एक नई मिसाल कायम करने का काम किया है। (शोर एत व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मै यहा पर सिंचाई की बात करना चाहूगा। हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य की सिंचाई प्रणाली का जो उद्देश्य है, उसको पूरा करने के लिए हमारी सरकार ने नहरो के अन्तिम छोरो पर पानी पहुचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इराके लिए नहरो और रजबाहो की सफाई करवाई

गई है। नहरों का आधुनिकीकरण किया गया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी कल एस०वाई०एल० कैनाल के मुद्दे पर बात कर रहे थे। मै तो पहली बार विधान सभा में चुनकर आया हूं। जब हम स्कूल में पढते थे छोटे–छोटे होते थे उस समय कोई शुक्ला नाम के व्यक्ति के बारे में सुना करते थे। लेकिन कल चौधरी बंसी लाल जी ने सदन मे शुक्ला की चिट्ठी पढ़ी थी। अध्यक्ष महोदय, में आपके माध्यम से जानना चाहूंगा। कि क्या यह वही शुक्ला है जिसके बारे मे हम स्कूल मे पढ़ते हुए नसबन्दी के बारे मे नारे लगाया करते थे। संजय शुक्ला और बंसी लाल, नसबंदी के तीन दलाल,''। (शोर एज व्यवधान) (इस समय कांग्रेस पाटी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य अपनी सीटों पर खडे होकर बोलने लग पडे।)

चौ० भजन लालः ....

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी जो भी बोल रहे है वह कुछ भी रिकार्ड नही किया जाए। (शोर एव व्यवधान) बिना इजाजत के जो भी बोल रहा है वह रिकार्ड नही किया जाए। (शोर एव व्यवधान)

चौ० भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात नही सुन रहे हैं इसलिए एज ए प्रोटैस्ट हम वाक–आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित कांग्रेस पाटी के सभी सदस्य सदन से वाक–आउट कर गए।)

अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचनाएं (पुनरारम्भ)

(4) डा रघुबीर सिह कादियान, एम०एल०ए० के विरूद्ध 5 मार्च, 2002 को सदन के बीच आने/रहने हरियाणा विधान सभा के प्रकिया तथा कार्य सम्बन्धी नियम की पुस्तक फाडने, घोर कदाचार एव गम्भीर अव्यवस्था की ओर ले जाने, सदन में एक लाईट बॉक्स तोडने के फलस्वरुप डा० रघुबीर सिह कादियान एम०एल०ए० द्वारा सदन की अवमानना/विशेषाधिकार के भंग इत्यादि करने का अभिकथित विशेषाधिकार भंग सम्बन्धी मामला।

डा० सीता रामः अध्यक्ष महोदय मैने और श्री जसबीर सिह मलोर ने श्री रघुबीर सिह कादियान ए०एल०ए० के खिलाफ बीच आफ प्रिविलैज का नोटिस दिया है अगर आपकी इजाजत हो तो मैं वह पढ देता हू।

श्री अध्यक्षः ठीक है, आप वह पढे।

Dr. Sita Ram : Sir, with your permissions, I beg to give a notice of breach of privilege against Shri Raghuhir Singh Kadian, under Rule 278 read with Rule 295 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly for referring the matter to the Committee of Privileges tor examination and report. In support of our this notice of breach of privilege, I bring to your kind notice the facts which resulted into contempt of House on 5th March, 2002 as well as in earlier Sessions of the Haryana Vidhan Sabha, On 5th March, 2002, Shri Raghubir Singh Kadian, came to the well of the House at the time the leave to move the

notice of resolution for the removal of the Speaker was not. granted, as the required number of members for moving such a motion was not in the 1 louse. Shri Raghubir Singh Kadian was so vociferous that he tore the book of 'Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly' in the House, which is a sacred document for any Assembly under which all the legislative functions are carried out. Shri Raghuhir Singh Kadian had broken a light box of a seat while shouting and coming to the well of the House causing the damage to the Government property and lowering the dignity of the House. You made several requests to Shri Raghuhir Singh, Kadian to go to his seat but Shri Kadian continued arguing with you without any rhyme and reason. On finding the grave misconduct and gross misbehavior unbecoming of a member of this House, Shri Raghubir Singh Kadian has to be suspended, This whole misconduct and gross misbehaviour on the part of Shri Raghubir Singh Kadian is contempt of the House and the breach of privilege of the House, which has been committed by Shri Raghubir Singh Kadian, He has Challenged/protested against the rulings of the Chair persistently. Earlier instances of misconduct on the part of Shri Raghubir Singh Kadian are as under, :—

(i) On 15th March, 2001, Shri Raghubir Singh Kadian, while raising the matter of notice of Adjournment Motion cane to the well of the House and even alter the repeated requests of the Hon'ble Speaker, Shri Raghuhir Singh Kadian, did not go to his seat and ultimately Shri Raghubir Singh Kadian staged a walk out.

(ii) On the 8th November, 2001, Shri Raghubir

Singh Kadian, staged a 'DHARNA' in the well of the House on the issue of adjournment of the House for the day due to death of Late Dr. Jai Parkash Sharma, Ex-MLA.

Under the above mentioned circumstances, it has become essential that this whole matter of grave misconduct and gross misbehavior, which was deliberately and knowingly on the part of Shri Raghubir Singh Kadian, should be examined by the Committee of Privileges and for that I request your goodself to refer this matter to the Committee of Privileges for examination and report.

In view of the above, I give the notice of motion of alleged breach of privilege to give consent to raise the matter on the floor of the House today and the matter may be referred to the Committee of Privileges for submitting its report to the House, being a matter of recent occurrence, which requires the intervention of Assembly.

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a notice of alleged breach of privilege from Dr. Sita Ram and Shri Jasbir Singh Mallour, M.L.As regarding coining to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing the contempt of the House/breach of privilege etc, by Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A. on 5th March, 2002. give my consent to the raising of the question of alleged breach of privilege and hold that the matter proposed to be discussed, is in order, I call upon Dr, Sita Ram to rise and ask for leave to raise the question of alleged breach of privilege.

Dr. Sita Ram : Sir, I beg to seek the permission of the House to move the motion regarding alleged breach of privilege by Shri Raghubir Singh Kadian, MI A.

Mr. Speaker : Now, I request those Members, who are in favour of leave being granted to move the motion, to please rise in their seats.

(At this stage, all the ruling party Members present in the House rose in their seats.)

Mr. Speaker : As the number of Members who rose in favour of the motion exceeds 15, the leave is granted.

Now, Dr. Sites Ram, may move his motion to refer the matter to the Committee of Privileges.

Dr. Sita Ram : Sir, I beg to move-

That the matter regarding coining to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder. breaking a light box in the House thereby committing the contempt of Me, House/breach of privilege etc, by Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A, on 5th March, 2002, be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the matter regarding coming to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana **Legislative**

Assembly. leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing the contempt of the House/breach of privilege etc. by Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A, on 5th March, 2002, be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the net Session.

Mr. Speaker : Question is —

That the matter regarding coming to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby Committing the contempt of the House/Breach of Privilege etc, by Dr. Raghubir Singh Kadian, M,L,A. on 5th March, 2002, be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next Session.

The motion was carried,

(Noise and interruption)

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जसबीर मलौर: अध्यक्ष महोदय, हथनी कुण्ड बैराज और यमुना नहर की प्रणाली जोड़ने के लिए 35 करोड रुपये की लागत से 25 हजार क्यूसिक की क्षमता वाली लिंक नहर का निर्माण किया गया है। इसके बन जाने के बाद वर्षा के दौरान 4 हजार क्यूसिक पानी का प्रयोग किया जा सकेगा।

अध्यक्ष महोदय, जहा तक उद्योगों की बात है तो हरियाणा प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमत्री जी ने नई उद्योग नीति बनाई है। उस कारण से दिल्ली और दूसरे प्रदेशों के उद्योग वहां से ट्रासफर होकर हरियाणा में आ रहे हैं। प्रदेश मे उद्योगो का विस्तार होने की प्रबल सम्भावनाए हैं। हरियाणा राजस्थान, यू०पी० और दिल्ली से धिरा हुआ है। हमारे हरियाणा में वहां से बेहतर कानून व्यवस्था है किसी भी तरह की कोई समस्या नही है।

अध्यक्ष महोदय, आज सडक तन्त्र को मजबूत करने का काम जनमत तरीके से किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के 2 वर्षों के कार्यकाल के दौरान 2006 किलोमीटर नई सडके बनाई गई हैं। 9000 किलोमीटर सडकों का सुधार किया गया है। अध्यक्ष महोदय. जहां तक खेलों तथा युवा कल्याण का मामला है। जब से हरियाणा प्रदेश के चौधरी अभय सिंह चौटाला जी आल इण्डिया ओलम्पिक ऐसोसिएशन के सदस्य बने और हरियाणा की ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष बने हैं तब से हरियाणा प्रदेश में खेलों को बढ़ावा दिया गया है और हमारे खिलाड़ियों में नई जागृति पैदा हुई है जिससे हमारे हरियाणा प्रदेश के नौजवान खिलाड़ी ओलम्पिक गेम्ज में जा सकेंगे और गोल्ड मैडल ला सकें। हमें बहुत खुशी है जब हमारे मुख्यमंत्री जी ने और चौधरी अभय सिह चौटाला जी ने एक ऐसी नीति लागू की थी कि ओलम्पिक रोप्स मे गोल्ड मैडल जीतने वाले को एक

करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने वाले को 50 लाख रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले को 25 लाख रुपए दिए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, जब यह घोषणा की गई थी उस वक्त कांग्रेस पार्टी के साथी कहते थे कि किसी खिलाडी ने कोई गोल्ड मैडल जीत कर आना नहीं है और सरकार ने एक करोड रुपये देने नही हैं। हमारे लिए खुशी की बात है जब हरियाणा के यमुनानगर की कर्णम मल्लेश्वरी ओलम्पिक में मैडल जीत कर आई थी तो हरियाणा सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री जी ने 25 लाख रुपए का चौक देकर हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ियों में विश्वास पैदा करने का काम किया था। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की इस सरकार ने बहुत ही महत्वपूर्ण काम किए है। समाज कल्याण के लिए जननायक चौधरी देवी लाल जी की प्राथमिकताएं थी वे इस सरकार रही केन्द्र बिन्दु रही हैं। समाज कल्याण की जितनी अधिक योजनाए चौधरी देवीलाल जी ने शुरू की थी उतनी किसी अन्य मुख्यमत्री द्वारा नही शुरू की गयी। वर्तमान सरकार की भी समाज कल्याण प्रथम प्राथमिकता है और वह चौधरी देवीलाल जी के स्वप्नों को साकार करने के लिए, उनके द्वारा रह गए अधूरे कार्य करने के लिए कटिबद्ध है। इसी तरह से हरियाणा सरकार अनुसूचित जातियो की लडकियो की शादियो के लिए 5100 रुपये कन्यादान के रूप मे दे रही है। इस स्कीम रो अनुसूचित जातियो के लोगो को बहुत फायदा मिल रहा है क्योकि वे अब अपनी लडकियों न्है। शादी और आसानी से कर सकते है। अब तक इस स्कीम रो 6134 लोगों को लाभ मिल चुका है। इस स्कीम के तहत

अब तक 312 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसी तरह से गरीबी रही रेखा से नीचे रहने वाले अनुसूचित जाति के लोग यदि कोई अपना कारोबार चलाने के लिए लौन लेते हैं तो उनको हरियाणा अनुसूचित पाति वित्त एव विकास निगम द्वारा सबसिडी देने का काम किया जा रहा है। अब यह सबसिडी 6 हजार रुपये से बताकर दस हजार रुपये कर दी गयी है। ईस तरह से हमारे आदरणीय मुख्यमत्री जी ने हरियाणा प्रदेश का चहुमुखी विकास किया है। अधयक्ष महोदय, मेरा हल्का भी विकारा से अछूती नही रहा है। मेरा हल्का ही नही बल्कि सारे प्रदेश मे विकास की झडी हमारे मुख्यमत्री द्वारा लगा दो गयी है। जब चौधरी देवीलाल जी का सोनीपत मे जन्म दिन मनाया जा रहा शा तो उस समय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी द्वारा वृद्ध विश्राम गृह गाव–गांव मे खोलने की घोषणा की गयी थी। अपनी श्री। घोषणा के अनुसार अब तक सरकार द्वारा 265 ताऊ देवी लाल वृद्ध विश्राम गृहो का निर्माण किया गया है और 248 और ऐसे गृह बनाए जाएंगे। स्पीकर सर, मेरे हलको में भी इसी तरह के 27 गृह बनाए गए हैं जिन पर 67.50 लाख रुपया खर्च हुआ है। एच०आर०डी०एफ० के तहत मेरे हल्के में पौने छ. करोड रुपये गलिया बनाने के लिए. रिटेनिंग वाल बनाने के लिए. पानी की निकासी के लिए. चौपाल बनाने के लिए और गाव – गांव मे सीमेंटिड सडके बनाने के लिए पैसे देने का काम सरकार ने किया है। इसी तरह से मार्केटिंग बोर्ड द्वारा भी 53 सडके बनाने त्व काम मेरे हल्के मे किया गया है। इनमे से बीस सडके बनकर पूरी होने वाली हैं और बाकी

सडके भी बनकर जल्दी हो तैयार हो जाएंगी। अध्यक्ष महोदय आज ऐसी कोई जगह नही जहा पर विकास कार्य न हो रहे हों। पहली सरकारों में तो केवल पत्थर ही लगाए जाते थे लेकिन अब ऐसा नही हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, अत मे मैं श्री निशान सिंह द्वारा हाउस में रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री रामकिशन फौजीः अध्यक्ष महोदय मुझे भी बोलने के लिए आप समय दें।

श्री अध्यक्षः आपकी पार्टी के तो चौधरी बंसी लाल 15 मिनट्स बोल चुके हैं। आपको केबल 5 मिनट बोलने के लिए दिए जाते हैं।

श्री रामकिशन फौजी (बवानीखेडा– अनुसूचित जाति): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए जो समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हू। अध्यक्ष महोदय राज्यपाल महोदय ने जो यहा पर आकर अपना अभिभाषण दिया है मैं कहना चाहूंगा कि यह केवल .... पुलिन्दा है।

श्री अध्यक्षः यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री रामकिशन फौजीः यह बिलकुल असत्य है। हमे तो पहले ऐसा लग रहा था कि इसमें गरीबों के लिए कुछ बातें आयी होगी लेकिन ऐसा इसमे कुछ नही है। (विघन) अध्यक्ष महोदय,

एस०वाई०एल० कैनाल के बारे में यहा पर जो लम्बी चौडी बातें कही जा रही हैं कि हमने यह कैनाल बनवायी है लेकिन में कहना चाहूंगा कि इस सरकार का इसके बनवाने मे कोई योगदान नही है। यह कैनाल तो चौधरी बंसीलाल जी ने बनवायी थी और उन्होने इसका काम हरियाणा के लोगो को पंचो और संरपचो को दिखाया भी था। राब लोगो को इसके बारे मे पता भी है। (विघन) अध्यक्ष महोदय, आप इनको चुप करवाए। इस कैनाल को बनवाने का श्रेय केवल चौधरी बंसीलाल जी को ही जाता है। हरियाणा के निर्माता चौधरी बंसीलाल ही हैं। उन्होने ही हरियाणा मे गहरे बनवायी हैं, उन्होने ही रोड्ज बनवायी हैं और वे ही लेकर आए थे। लेकिन इस सरकार का काम तो केबल पहाड़ बनाने का और गड्डे खोदने का है। (शोर एवं व्यवधान) तोशाम का पहाड़ बनाना, घंटाघर तोडना, यह थारा काम है चौधरी बंसी लाल जी का नही है। (हंसी)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठ जाइए। (शोर एव व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो० संपत सिह): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइट ऑफ ऑर्डर है। अभी तोशाम पहाड का जिक्र उगया साथ ही राम किशन फौजी ने घटाघर तोडने का भी जिक्र कर दिया। अध्यक्ष महोदय चौधरी बसी लाल जी से पूछो कि वह घंटाघर किसने तोडा। (शोर एव व्यवधान) **श्री रामकिशन फौजीः** अध्यक्ष महोदय, ...

श्री अध्यक्षः राम किशन की यह बात रिकार्ड न की जाए। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो० संपत सिह): अध्यक्ष महोदय। चौधरी बंसी लाल जी से घटाघर के बारे मे पूछें कि किसने तोडा।

श्री अध्यक्षः चलो ठीक है इन्होने कसैंट दे दी था है ये चुप बैठे हैं इसका मतलब इस बात से सहमत है। बैठे – बैठे हां भर रहे हैं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप संम्पत सिंह को थोडा कट्रोल करो। ये काबू से बाहर है।

प्रो० संपत सिहः चौधरी साहब, मैंने तो छोटी सी बात पूछी है।

श्री राम किशन फौजीः अध्यक्ष महोदय यमुनानगर मे बाई इलैक्शन हुआ और उसमें सरकार को पता लग गया है कि इलैक्शन कैसे होता है। आज पूरे प्रदेश मे हरियाणा विकास पार्टी की लहर चली हुई है। इन्होंने यमुनानगर मे पूरे प्रशासन. सारे एम०एल०ए०, मंत्री वर्कर वहा बैठा रखे थे इनको लोगों ने नकार दिया है इन्होने वहां का इलैक्शन धक्केशाही से जीता है। सुभाष गोयल जी का ड्राईवर वहा डुप्लीकेट वोट देते हुए पकड़ा गया है।

नगर विकास राज्य मंत्री (भी सुभाष गोयल): अध्यक्ष महोदय, मेरा पाइंट ऑफ ऑर्डर है। फौजी साहब यहा हाउस में

असत्य बोल रहे हैं। मेरा कोई ड्राईवर अरैस्ट नही हुआ। यह एक रिकार्ड की बात है यदि मेरा ड्राईवर अरैस्ट हुआ होगा तो मै विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दूगा।

श्री राम किशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, मैं मोजूद था वह डुप्लीकेट वोट डाल रहा था। यमुनानगर मे एच०वी०पी० की जीत हुई है न कि इंडियन नेशनल लोकदल की जीत हुई है। अध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हल्के की बात करना चाहूगा। (शोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मंत्री जी आप बैठ जाए।

श्री राम किशन फौजीः अध्यक्ष महोदय अब मैं अपने हल्के की बात करना चाहूंगा। खानक का मुद्दा है मैंने कल भी मंत्री जी को कहा था कि इस पहाड की आक्शन की एग्रीमैंट कब हुई इसकी डेट बताए। यह मै जानना चाहता हू। दूसरी बात यह है कि 4,5 और 9 पहाड को क्यों रोका जा रहा है उसके बारे में बताए कि मजदूरी पहाड क्यो नही चलाने देते। दो दिन से इस बात रहो दबाया जा रहा है। बस ये एक ही बात कह रहे है कि हरियाणा प्रदेश को पहाड की नीलामी में इतने करोड रुपये का फायदा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात जानना चाहता हू कि इसका ऐग्रीमैंट कब हुआ ओर 4,5 व 9 पताड को क्यो रोकता जा रहा है निगाना के पहाड़ से ठेके क्यो उठाए ? 4,5 और 9 का पहाड और खानक का पहाड जो मजदूरों से ले रहे हैं उसका अभी एक साल

बाकी है और इण्डोने कोडम 'हा पहाड जो मुगीपा नामक कम्पनी ने पांच दिन पहले लिया था जिसकी बोली अढाई करोड रुपये की गई थी केवल सात दिन के बाद बोली कैसिल करके उसको वापस लेकर अपने चहेते। को 52 लाख रुपये में दे दिया इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। अध्यक्ष महोदय मैं सरकार से जानना चाहता हू कि ये वहां पर जो .... लगा रहे हैं।

श्री अध्यक्षः जो रामकिशन फौजी ने अनपार्लियामैंटरी शब्द कहें है ये शब्द कार्यवाही से निकाल दें।

श्री रामकिशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, वहा पर लाठियो वाले बैठा रखे हैं और जब जनता ने टैक्टर का विरोध किया तो उनको जेलों मे डाल दिया उन पर 307 की धारा लगा दी, उनके ऊपर कई सैक्सज लगा दी। आज हमारे 200 आदमी जेल मे है। (विघन) अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के रही कुछ मांगे आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हू। मेरे हल्के के 40 गावो मे पोंने का पानी नही है। खेत ओह पानी की तो अलग बात हैं। मेरे हल्के के गांव खानक कुवारी और बालावास के लोग 10,15 किलोमीटर दूर रो टकी मे पीने का पानी लेकर आते हैं और फिर गाय मे घरों मे एक–एक या दो–दो घडे पानी देते है। सरकार कहती है कि हम प्रति व्यक्ति 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से प्रदेश को जनता को पीने का पानी दे रहे हैं और उसको और बढाने जा रहे हैं। खेतो में पानी देते के लिए नहर का पानी पहले 27 दिन में आता था और अब 52 दिन में आता है

इससे सरकार का कोई लेना देना नही है। किसानों ने अपने टयूबवैल्ज लगातार अपने खेतों में पानी देने रहा पर इतजाम कर रखा हैं। सरकार पीने का पानी ही नही दे रही हैं कृषि के लिए पानी की तो दूसरी बात है। अध्यक्ष महोदय. मेरा मेन मुद्दा मेरे हल्के के पहाडो का हैं।

श्री अध्यक्षः रामकिशन जी, आप वाईड अप किजिये।

श्री रामकिशन फौजीः अध्यक्ष महोदय, अब मै अस्पतालो मे जो पर्ची के रेट फिकर किए है उनके बारे कहना चाहता हू। आज सरकार ने सरकारी अस्पतालो मे पर्ची का रेट 5/– रुपये प्रति पर्ची कर दिया है। आपको मालूम है कि गरीब आदमी तो सरकारी अस्पतालों में ही अपना इलाज कराने के लिए जाता है। सरकारी अस्पतालो मे दवाई तो मिलती नही सिर्फ सिर दर्द या बुखार की कुछ टेबलेटस ही देते हैं जो दो रुपय की भी नहीं होती जबकि पर्ची के लिए पांच रुपये ले लेते हैं। इस तरह से गरीब जनता को लूटा जा रहा है। महोदय महोदय गरीब आदमी के लिए सिर्फ सरकारी अस्पताल ही था उसमे भी अब पर्ची के पांच रुपये इस सरकार ने कर दिये हैं। एक्स–रे के, ब्लड टेस्ट के और पोस्ट मार्टम और दूसरे टैस्टों के भी 20/– रुपये या 30 रुपये प्रति टेस्ट कर दिये हैं जोकि गरीब आदमी के साथ ज्यादती की जा रही हे। मेरा आपके माध्यम से सरकार रो अनुरोध हे कि इन फिक्स किए रेटो को वापिस लिया जाये। अध्यक्ष महोदय, आज सरकारी अस्पतालों में डाक्टर नही है। वहा पर जो सफाई

कर्मचारी हें वे ही डाक्टर बने बैठे हैं। (शोर एव व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहूंगा। बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी गरीब आदमी के धर जाकर कहते हैं आपका मीटर ठीक चल रहा है, मीटर ठीक रीडिंग दे रहा है प्लास्टिक वाला कम्प्यूटर वाला मीटर लगाना पड़ेगा यह कह कर उनसे 1800 रुपये लूट रहे हैं। इस प्रकार गरीब लोगो के साथ ज्यादती हो रही है। ये मीटर तो ऐसे हैं कि पडोसी के घर मै लाइट चल रही हो तो उसका भी बिल हमारा मीटर दिखाएगा। (हंसी ओर शोर) अध्यक्ष महोदय, ये जो नए मीटर लगाए जा रहे हैं यह केवल पेस। कमाने के लिए अपने चहेतों को इसके ठेके दिए गए हैं और हरियाणा को जनता को लूट रहे है। यह गलत काम है इस नीति को बन्द किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सरकारी सकूलों की बात करना चाहूंगा क्योकि कल मंत्री जी ने मुझे कहा था कि सरकारी कालेजों के अन्दर कम्प्यूटर लगाए गए है तो मैं उनको बताना कहूंगा कि कम्प्यूटर्ज की फीस गरीब आदमी नही भर सकते। (शोर एव व्यवधान) **श्री अध्यक्षः** रामकिशन जी, आप रिपीट न करे क्योंकि यह बात नाप कल कह चुके हैं। **श्री रामकिशन फौजीः** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहूंगा कि गरीब आदमी 40 रुपये कम्प्यूटर की फीस नही दे सकता। कल मंत्री जी ने जवाब दिया था कि हरियणा में गरीब आदमी नही है। जब इलैक्शन का समय आता है तो सभी गरीब हो जाते हैं और जब सरकार बन जाती है तो कोई गरीब नही होता। आज भी हरियाणा प्रदेश मे 20 परसैंट लोग ऐसे हैं

जिनको शाम की रोटी नही मिलती। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चांहूगा कि कम्प्यूटर फीस की वजह से कालेजो मे जो गरीब बच्चो के नाम काटे जा रहे हैं उसको बन्द किया जाए और इस फीस को कम किया जाए। इन्ही शब्दो के साथ मैं इस अभिभाषण रहा क्लो विरोध करता हूं।

श्री अध्यक्ष: सभी विपक्ष के और कांग्रेस पाटी के सदस्यों के जितने भी नाम दिए गए थे वे बोल चुके है और अभी समय बाकी है लेकिन सदस्य हाजिर नही हैं। विकास पार्टी के भी दोनों सदस्य बोल चुके हैं। 11 तारीख को मुख्यमत्री महोदय गवर्नर एड्रैस पर रिप्लाई करेगें।

Now the House stands adjourned till 11.00 a.m. on Monday, the 11th March, 2002.

***2.24 hrs.**

(The Sabha then adjourned till 11.00 a.m on Monday, the 11h March, 2002)